अनमोल वचन

समर्पणः जैसे माता पार्वती ने कठोर तपस्या से शिवजी को पाया, वैसे ही सच्चा प्रेम और समर्पण हर रिश्ते को अमर बना देता है।

RNI NO. BHHIN/25/A5267

सुपौल दस्तक मासिक अखबार

मासिक हिन्दी

website: https://www.supauldastaknews.com

ईमेलः rajeshkumarranjan4056@gmail.com

वर्षः- 1 अंकः- 9 सुपौल, माह सितम्बर, 2026 (प्रत्येक माह की 15 तारीख को जारी) पृष्ठः 8 मूल्यः 5/- रू.

एक नजर

मुख्यमंत्री ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी

संवाददाता

पटनाः मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री ने गणेश चतुर्थी को आपसी भाईचारा, पारस्परिक प्रेम, सामाजिक सौहार्द्र एवं शान्तिपूर्ण सद्भाव के साथ मनाने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने हरितालिका तीज के पावन अवसर पर बिहारवासियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी

संवाददाता

पटनाः मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हरितालिका तीज के पावन अवसर पर बिहारवासियों, विशेषकर माताओं एवं बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि हरितालिका तीज भारतीय संस्कृति और आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीघार्यु, सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना के साथ व्रत एवं पूजा-अर्चना करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कामना की है कि हरितालिका तीज के पावन अवसर पर बिहारवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं सौहार्द्र का संचार हो तथा बिहार निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़े। उन्होंने सभी बिहारवासियों को हरितालिका तीज की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए पर्व को श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ मनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने हिन्दी दिवस की शुभकामनायें दी

संवाददाता

पटनाः मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हिन्दी दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारत विविधताओं का देश है, जहां अनेक भाषाएं बोली जाती हैं। हिन्दी देश में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। हिन्दी भाषा देश के सभी लोगों को एकता के सूत्र में बांधती है। राष्ट्र को एकजुट रखने में हिन्दी का बहुत बड़ा योगदान है। हिन्दी हमारी राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान तथा जनमानस की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के चतुर्दिक विकास की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बिहार में राजभाषा के रूप में हिन्दी सरकारी कामकाज की भाषा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अपने कामकाज में हिन्दी को ही माध्यम के रूप में अपनाएं तथा गर्व एवं सम्मान के साथ हिन्दी सीखें, समझें एवं प्रयोग में लायें।

जस्टिस वी. कामेश्वर राव बने पटना हाईकोर्ट के 49वें चीफ जस्टिस, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

संवाददाता

पटना। पटना हाईकोर्ट के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव ने रविवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। बिहार के लोक भवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने उन्हें शपथ दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के साथ ही न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव ने पटना हाईकोर्ट के 49वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी संभाल ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने छह अगस्त 2026 को हुई बैठक में न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी। इसके बाद केंद्र सरकार की ओर से उनकी नियुक्ति की अधिसूचना जारी की गई।

दिल्ली के सत्य निकेतन बिल्डिंग ढहने में आरोपी सुधांशु और शुभम को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के सत्या निकेतन इमारत हादसे के मामले में अदालत ने रविवार को आरोपी सुधांशु और शुभम को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस हादसे में सात लोगों की मौत हुई थी। दोनों आरोपियों को दिन में चिकित्सकीय जांच के बाद पटियाला हाउस अदालत में पेश किया गया।

पीएम मोदी ने टेक्नोलॉजी और मिनरल्स पर रणनीतिक दबाव बनाने के खिलाफ चेताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का दुनियाभर में आम लोगों के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है और ऐसे में इन चुनौतियों से निपटने और खासकर 'ग्लोबल साउथ' में समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स देशों को एकजुट होकर काम करना होगा। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने 'प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों को रणनीतिक दबाव बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल करने' को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसा होने से साझा प्रगति और समृद्धि की राह में बाधा आ सकती है। मोदी ने यह टिप्पणी ब्रिक्स समूह के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में की। इनमें चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, मलेशिया के

प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो शामिल थे। प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत की अध्यक्षता में हमने अपने प्रयासों को चार स्तंभों- लचीलापन, नवाचार, सहयोग और वहनीयता पर केंद्रित किया है। मुझे खुशी है कि आपके सहयोग और समर्थन से हम अपनी साझा सोच को ऐसी स्थिति में बदलने में सफल रहे हैं, जिसमें सभी पक्षों को लाभ हो।" मोदी ने बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और दुनियाभर में आम लोगों के जीवन पर इसके बुरे असर का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, "दुनिया में बढ़ते तनाव का आम लोगों के जीवन पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। महामारियों, जलवायु संबंधी आपदाओं और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों ने यह साबित किया है कि आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में कोई भी संकट केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता।" उन्होंने कहा, "इसीलिए हमने ब्रिक्स समूह के भीतर लचीलापन बढ़ाने पर विशेष जोर दिया है। यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनौतियों की समय रहते पहचान की जाए, उनके लिए तैयार रहा जाए और तत्काल कार्रवाई की जाए।" उन्होंने कहा, "इसी दृष्टिकोण के तहत संक्रामक रोगों की रोकथाम और उनसे निपटने के लिए ब्रिक्स एकीकृत प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को लेकर आम सहमति बनी है।" मोदी ने कहा कि प्रारंभिक चेतावनी से जुड़े आंकड़ों को एकीकृत करने की व्यवस्था के लिए दिशा-निर्देश भी तैयार किए गए हैं।

ब्रिक्स देश अपनी मुद्राओं में बढ़ाएं व्यापार, मसूद पेजेशकियन बोले प्रतिबंधों से खाद्य सुरक्षा पर असर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने रविवार को कहा कि ब्रिक्स को अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाना चाहिए और एक समावेशी वैश्विक आर्थिक ढांचे की दिशा में काम करना चाहिए, क्योंकि मौजूदा वित्तीय और व्यापारिक प्रणालियों पर अत्यधिक निर्भरता ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं को राजनीतिक झटकों के प्रति असुरक्षित बना दिया है। ईरान के राष्ट्रपति ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान पश्चिमी ताकतों पर निशाना साधते हुए 'एकतरफा प्रतिबंधों' की आलोचना की और कहा कि इनका सीधा असर वैश्विक खाद्य सुरक्षा और लोगों के कल्याण पर पड़ रहा है। पेजेश्कियान का यह बयान अमेरिका द्वारा ईरान पर नए आर्थिक प्रतिबंध लगाने के कुछ हफ़्ते बाद आया है। इन प्रतिबंधों से दोनों पक्षों के बीच जारी सैन्य संघर्ष के बीच तेहरान की अर्थव्यवस्था में दबाव और बढ़ गया है। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि ब्रिक्स को एक अधिक संतुलित, समावेशी और न्यायपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बनाने में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि लचीलेपन, सहयोग और स्थिरता को व्यावहारिक कार्यों में बदला जाना चाहिए।

उन्होंने ईरान पर अमेरिका व इजराइल द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई का संदर्भ देते हुए कहा कि सुरक्षा के बिना आर्थिक मजबूती बनाए नहीं रखी जा सकती। पेजेश्कियान ने कहा कि ईरान के आर्थिक, ऊर्जा और विकास से जुड़े बुनियादी ढांचे पर हमलों के नतीजे राष्ट्रीय सीमाओं से परे भी हो सकते हैं, जिसका खामियाजा क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर भुगतना पड़ सकता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में उमड़ी भारी भीड़

टाउन हॉल, सुपौल में सुबह से देर शाम तक लंबित ट्रैफिक चालानों के निष्पादन के लिए जुटे रहे वाहन स्वामी

सुपौल में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में ट्रैफिक एवं परिवहन विभाग से संबंधित लंबित चालानों के निष्पादन को लेकर सुबह से ही बड़ी संख्या में वाहन स्वामी पहुंचे। आयोजन स्थल पर दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रही और देर शाम तक चालान के समाधान के लिए वाहन स्वामी अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ मौजूद रहे। बिहार सरकार के परिवहन विभाग द्वारा लागू "एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना-2026" के तहत आयोजित इस विशेष अभियान में 90 दिनों से अधिक समय से लंबित पात्र ट्रैफिक चालानों के त्वरित एवं सरल निष्पादन की व्यवस्था की गई थी। योजना के तहत पात्र मामलों में शमन राशि में 50 प्रतिशत तक की राहत का प्रावधान होने से वाहन स्वामियों में विशेष उत्साह देखा गया।

सुबह से ही टाउन हॉल परिसर में चालान के निष्पादन के लिए लोगों की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। परिवहन एवं यातायात विभाग द्वारा चालान सत्यापन, राशि निर्धारण, भुगतान, तकनीकी सहायता एवं मार्गदर्शन के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे। अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा मौके पर ही वाहन स्वामियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हुए उनके चालानों के निष्पादन में सहयोग किया गया। ऑनलाइन/वढक सहित उपलब्ध भुगतान माध्यमों के कारण लोगों को काफी सुविधा मिली।

समाचार लिखे जाने तक लगभग 280 चालानों का निष्पादन किया जा चुका था तथा करीब 6,00,000/- (छः लाख रुपये मात्र) की शमन राशि जमा की गई थी। अधिकारियों के अनुसार देर शाम तक चालानों के निष्पादन एवं जमा राशि की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सुपौल द्वारा आयोजन स्थल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने विभिन्न काउंटरों पर जाकर निष्पादन की प्रक्रिया एवं आम नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आम लोगों को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों से नागरिकों को अपने लंबित मामलों के समाधान का सहज अवसर मिलता है।

वहीं श्री सावन कुमार,जिला पदाधिकारी, सुपौल एवं श्री शरथ आर0एस0, पुलिस अधीक्षक, सुपौल द्वारा भी टाउन हॉल पहुंचकर व्यवस्थाओं एवं चालान निष्पादन कार्य का जायजा लिया गया। उन्होंने विभिन्न काउंटरों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि लोक अदालत में आने वाले वाहन स्वामियों को अनावश्यक परेशानी या प्रतीक्षा न करनी पड़े तथा पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो।

जिला प्रशासन, जिला परिवहन कार्यालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के समन्वय से आयोजन स्थल पर पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सहायता डेस्क तथा तकनीकी सहयोग सहित आवश्यक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। भीड़ को व्यवस्थित रखने तथा लोगों को उनके चालान से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी।

जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि लोक अदालत के पूर्व ही लंबित चालानों वाले सभी संबंधित वाहन स्वामियों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस भेजकर उन्हें इसकी जानकारी दी गई थी। साथ ही आईवीआर कॉलिंग के माध्यम से भी लोक अदालत में उपस्थित होकर लंबित चालानों के निष्पादन का संदेश दिया गया। विभाग के इस व्यापक सूचना एवं जागरूकता अभियान का असर आयोजन स्थल पर साफ देखने को मिला, जहां सुबह से ही बड़ी संख्या में वाहन स्वामी अपने लंबित चालानों के समाधान के लिए पहुंचते रहे।

यातायात पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि "एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना-2026" का उद्देश्य पुराने लंबित चालानों के मामलों में पात्र वाहन स्वामियों को राहत प्रदान करते हुए उनका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही ऐसे आयोजनों के माध्यम से आम लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा भविष्य में यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना भी अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में लोगों की भारी भागीदारी से यह स्पष्ट हुआ कि वाहन स्वामी अपने लंबित चालानों के शीघ्र एवं सुविधाजनक समाधान को लेकर काफी जागरूक हैं। जिला प्रशासन ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने लंबित चालानों का समय पर निष्पादन कराएं तथा भविष्य में यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यातायात व्यवस्था में सहयोग करें।

कीचड़ और जलजमाव से बदहाल पिपराही की मुख्य सड़क, ग्रामीणों का आवागमन हुआ मुश्किल

बारिश होते ही सड़क पर फैल जाता है पानी और कीचड़, स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को हो रही परेशानी

सुपौल दस्तक, सुपौल से राजेश कुमार रंजन की रिपोर्ट

पिपरा (सुपौल)। पिपरा प्रखंड अंतर्गत दीनापट्टी पंचायत के पिपराही गांव के वार्ड नंबर 15 में मुख्य सड़क की बदहाल स्थिति से ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। लगातार बारिश के कारण सड़क पर जलजमाव और कीचड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ऐसे में ग्रामीणों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, महेंद्र साह के घर के पास से गुजरने वाली मुख्य सड़क लंबे समय से खराब स्थिति में है। बारिश के दौरान सड़क पर पानी जमा हो जाता है और कई स्थानों पर कीचड़ फैल जाता है। इससे राहगीरों के साथ-साथ दोपहिया वाहन चालकों को भी काफी परेशानी होती है। फिसलन के

कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। **स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को अधिक परेशानीः** सड़क की खराब स्थिति का सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। बच्चों को कीचड़ और जमा पानी के बीच से होकर विद्यालय आने-जाने में परेशानी होती है। वहीं, जरूरी कार्यों के लिए बाहर निकलने वाले ग्रामीणों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दिनों में सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है। सड़क पर पानी जमा रहने से आवागमन प्रभावित होने के साथ-साथ आसपास रहने वाले लोगों को भी परेशानी होती है। **जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से समस्या गंभीरः** ग्रामीणों के मुताबिक सड़क के आसपास उचित जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता। यही वजह है कि बारिश के बाद लंबे समय तक सड़क पर जलजमाव बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है। केवल अस्थायी रूप से मिट्टी, ईंट या अन्य सामग्री डालकर समस्या दूर करने से स्थिति कुछ समय बाद फिर पहले जैसी हो जाएगी। **पक्की सड़क और नाला निर्माण की मांगः** ग्रामीणों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से सड़क की शीघ्र मरम्मत, जलनिकासी के लिए नाला निर्माण तथा पक्की सड़क का स्थायी निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क गांव के लोगों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इसके खराब रहने से रोजमर्रा के आवागमन में काफी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि संबंधित विभाग इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करेगा। लोगों का कहना है कि समय रहते सड़क और जलनिकासी की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है।

मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में सुपौल को मिली मिडवाइफरी लेड केयर यूनिट

संवाददाता सुपौल

मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सदर अस्पताल, सुपौल में मिडवाइफरी लेड केयर यूनिट (MLCU) का उद्घाटन जिलाधिकारी, सुपौल श्री सावन कुमार (भा.प्र.से.) द्वारा किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. बाबू साहब झा, उपाधीक्षक डॉ नूतन वर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री बालकृष्ण चौधरी,अस्पताल प्रबंधक अभिनव आनंद, सहयोगी संस्थाओं Jhpiego, UNICEF एवं UNFPA के प्रतिनिधियों सहित जिला एवं प्रखंड स्तर के स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। MLCU एक विशेष सेवा इकाई है, जहां कम जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था, प्रसव तथा प्रसवोत्तर अवधि के दौरान प्रशिक्षित नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी (NPM) की देखरेख में समग्र, सुरक्षित एवं सम्मानजनक देखभाल प्रदान की जाती है। यह मॉडल महिलाओं की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को केंद्र में रखकर गुणवत्तापूर्ण मातृत्व सेवाएं सुनिश्चित करने पर बल देता है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी, सुपौल द्वारा कहा गया कि गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं किसी भी जिले के समग्र विकास की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल में मिडवाइफरी लेड केयर यूनिट की स्थापना से गर्भवती महिलाओं को बेहतर एवं सम्मानजनक प्रसव सेवाएं उपलब्ध होंगी तथा सामान्य प्रसव को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पहल मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य संकेतकों में सकारात्मक सुधार लाने में सहायक सिद्ध होगी। सिविल सर्जन डॉ. बाबू साहब झा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मिडवाइफरी लेड केयर यूनिट महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण प्रसव सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह इकाई जिले में मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करेगी। जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री बालकृष्ण चौधरी ने कहा कि मिडवाइफरी लेड केयर यूनिट

महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान अधिक व्यक्तिगत, सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण देखभाल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे सामान्य प्रसव को बढ़ावा मिलेगा तथा मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य परिणामों में सुधार होगा। कार्यक्रम के दौरान बिहार में मिडवाइफरी सेवाओं की प्रगति एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में इस मॉडल के योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि राज्य में मिडवाइफरी सेवाओं के विस्तार के माध्यम से महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और महिला केंद्रित प्रसव देखभाल उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के तकनीकी सहयोगी के रूप में Jhpiego राज्य सरकार के साथ मिलकर NPM के प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, MLCU की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण तथा गुणवत्तापूर्ण मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम में एक नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी ने अपनी प्रशिक्षण एवं सेवा यात्रा के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि मिडवाइफरी प्रशिक्षण ने उन्हें महिलाओं को गर्भावस्था, प्रसव और प्रसवोत्तर अवधि के दौरान अधिक आत्मविश्वास एवं दक्षता के साथ देखभाल प्रदान करने में सक्षम बनाया है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल महिलाओं की गरिमा, निर्णय और आवश्यकताओं को केंद्र में रखकर बेहतर प्रसव अनुभव सुनिश्चित करता है। सदर अस्पताल, सुपौल में स्थापित यह इकाई जिले की गर्भवती महिलाओं को प्रशिक्षित मिडवाइफ की देखरेख में सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण प्रसव सेवाएं उपलब्ध कराएगी। इससे सामान्य प्रसव को बढ़ावा मिलेगा, मातृ एवं नवजात जटिलताओं की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन संभव होगा तथा महिलाओं को अधिक सकारात्मक प्रसव अनुभव प्राप्त होगा। बिहार में Midwifery कार्यक्रम से संबंधित प्रमुख तथ्य भारत सरकार द्वारा मिडवाइफरी पहल की शुरूआत वर्ष 2018 में की गई। बिहार में मिडवाइफरी कार्यक्रम वर्ष 2019 से संचालित है। राज्य में वर्तमान में 4 स्टेट मिडवाइफरी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट कार्यरत हैं। 57 नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं दे रही हैं। 98 प्रशिक्षु वर्तमान में मिडवाइफरी प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में 12 मिडवाइफरी लेड केयर यूनिट संचालित हैं। नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी का प्रशिक्षण 18 माह का होता है। ये सारी बातों की जानकारी दिया गया। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी महोदय श्री सावन कुमार, सिविल सर्जन डॉ बाबू साहब झा, उपाधीक्षक डॉ नूतन वर्मा, एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री बालकृष्ण चौधरी के द्वारा कुल न 09 नवनियुक्त ममता कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। इसी क्रम में राज स्वास्थ्य समिति के द्वारा चालू किए गए स्पोक और हब के माध्यम से संचालित लैब का भी मोइन किया गया इसका भी शुभारंभ आज ही किया गया । इससे जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में मरीज का कुल 83 प्रकार का जांच किया जाएगा। ये स्वास्थ्य विभाग में एक बहुत ही सुदृढ़ पहल है। अंतिम में अस्पताल प्रबंधक अभिनव आनंद के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर प्रोग्राम को समाप्त किया गया।

संक्षिप्त खबरें

पत्रकार पर हमले के विरोध में सिविल सर्जन का पुतला दहन, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता

सहरसा: वासुदेव स्कूल के एमडीएम में छिपकली मिलने की खबर के संकलन के दौरान सदर अस्पताल पहुंचे प्रभात खबर डिजिटल के युवा पत्रकार अभिषेक कुमार के साथ कथित मारपीट एवं हमले के विरोध में रविवार को शहर के वीर कुंवर सिंह चौक पर छात्र, युवा एवं सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने सिविल सर्जन डॉ. राजनारायण प्रसाद का पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सदर अस्पताल में खबर संकलन के दौरान प्रभारी अधीक्षक डॉ. एस.के. आजाद एवं अस्पताल प्रबंधक सिंपी कुमारी द्वारा बड़ी संख्या में पैरामेडिकल छात्रों को बुलाकर पत्रकार अभिषेक कुमार के साथ मारपीट की गई। घटना के बाद घायल पत्रकार का नारायण मेडिकल में इलाज कराया गया। मामले को लेकर सदर थाना, सहरसा में आवेदन दिए जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर छात्र-युवा संगठनों में आक्रोश है।पुतला दहन कार्यक्रम में युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मनीष कुमार ने कहा मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 48 घंटे के भीतर दोषी डॉक्टरों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा और सहरसा बंद का आह्वान किया जाएगा।एआईएसएफ के पूर्व छात्र नेता शंकर कुमार, आरवाईए राष्ट्रीय परिषद सदस्य कुंदन यादव ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं। पत्रकार पर हमला लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला है। उन्होंने जिलाधिकारी, पुलिस प्रशासन और राज्य सरकार से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषियों पर कार्रवाई करने तथा पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।वही सोहन झा व अभाविप के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मोनु झा ने कहा कि संविधान सभी नागरिकों को अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अधिकार देता है। पत्रकार समाचार संकलन के लिए अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस अधिकार के तहत पत्रकार के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रशासन को इसका जवाब देना होगा और दोषियों पर कार्रवाई करनी होगी।छात्र राजद के निवर्तमान जिला अध्यक्ष धीरज सम्राट ने अस्पताल प्रबंधक सिंपी कुमारी की नियुक्ति एवं शैक्षणिक योग्यता की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल की वर्तमान व्यवस्था के लिए अस्पताल प्रशासन की जवाबदेही तय होनी चाहिए।इस अवसर पर युवा कांग्रेस नेता विक्रम यादव, समाजसेवी रोशन कुमार माधव एवं कौशल क्रांतिकारी ने कहा कि सदर अस्पताल में लंबे समय से पदस्थापित चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकार पर हमला करने वाले सभी लोगों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाए, अन्यथा आर-पार का आंदोलन किया जाएगा। एनएसयूआई के जिला उपाध्यक्ष बंटी झा ने प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी एवं पुलिस प्रशासन से मांग की कि पत्रकार अभिषेक कुमार के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की निष्पक्ष जांच की जाए, हमले में शामिल सभी आरोपितों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा पत्रकारों को निर्भीक होकर काम करने के लिए सुरक्षा का भरोसा दिया जाए। पुतला दहन कार्यक्रम में रुपेश यादव, आदित्य राव यादव, विक्रम यादव, रतन मिश्रा, संजय पासवान, मुकेश कुमार साह, बिट्टू कुमार, अनीश कुमार, आयुष राधे, मनीष कुमार, कौशल कुमार, अमन कुमार, अमित कुमार, पवन कुमार साह, मोहम्मद जाबिर, अकरम अली, मनु कुमार यादव, मोहम्मद इरफान, मोहम्मद शमी, पारस पासवान, राजेश रमन, दिलखुश शाह, सोनू मिश्रा, प्रदीप कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र, युवा एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

तुर्की गांव से चुलाई शराब के साथ हथियार व गोली बरामद, युवक गिरफ्तार

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर सहरसा : बख्तियारपुर थाना पुलिस ने सूचना के आधार पर शनिवार व रविवार की मध्य रात्रि तुर्की गांव में छापेमारी कर हथियार, गोली और करीब छह लीटर चुलाई शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान थाना क्षेत्र के तुर्की गांव के वार्ड संख्या तीन निवासी विजय कुमार उर्फ विजय यादव (31) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके घर की तलाशी के दौरान एक देसी कट्टा, एक कारतूस और करीब छह लीटर चुलाई शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार, आरोपित के विरुद्ध पूर्व से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और हथियार बरामदगी के मामले में वह पहले जेल जा चुका है। बख्तियारपुर थानाध्यक्ष जयशंकर कुमार ने बताया कि शनिवार की रात थाना में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी राजा कुमार रात्रि गश्ती कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि तुर्की गांव के वार्ड संख्या तीन में एक व्यक्ति द्वारा चुलाई शराब का भंडारण कर रखा गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सूचना का सत्यापन कराया। सूचना सही पाए जाने पर पुलिस पदाधिकारी राजा कुमार, दारोगा अमरजीत सिंह सहित अन्य पुलिस बल को साथ लेकर रात करीब एक बजे विजय यादव के घर पहुंची। " ?घर की घेराबंदी कर शुरू की तलाशी" पुलिस टीम के घर पहुंचते ही अंदर से कुछ फेंके जाने की आवाज सुनाई दी। इस पर पुलिस ने तत्काल घर की घेराबंदी कर दी और घर की तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान घर के पीछे झाड़ी में फेंका हुआ एक कट्टा बरामद किया गया। पुलिस ने कट्टे के चेंबर की जांच की तो उसमें एक कारतूस लोड मिला। इसके बाद घर के पीछे छिपाकर रखे गए हरे रंग के गैलन की जांच की गई, जिसमें करीब छह लीटर चुलाई शराब बरामद हुई। पुलिस ने बरामद हथियार के संबंध में विजय कुमार से वैध कागजात प्रस्तुत करने को कहा। हालांकि, वह हथियार से संबंधित कोई वैध दस्तावेज पुलिस के समक्ष प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने कट्टा, कारतूस और चुलाई शराब को जब्त कर लिया और विजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया। "पूर्व से दर्ज हैं कई आपराधिक मामले" थानाध्यक्ष जयशंकर कुमार ने बताया कि गिरफ्तार विजय यादव का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध पूर्व से कई मामले दर्ज हैं। हथियार बरामदगी के मामले में वह पहले भी जेल जा चुका है। पुलिस आरोपित के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। मामले में सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपित को रविवार को सहरसा न्यायालय भेज दिया गया।

पैक्स अध्यक्ष संघ का हुआ गठन

संवाददाता

तिलरथ बेगुसराय: बरौनी प्रखंड पैक्स अध्यक्ष संघ के गठन हेतु मल्हीपुर उत्तर पैक्स गोदाम पर मल्हीपुर उत्तर पैक्स अध्यक्ष पुनपुन कुमार की अध्यक्षता सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित बरौनी प्रखंड के सम्मानित अध्यक्ष महोदय के द्वारा सर्वसम्मति से बरौनी प्रखंड पैक्स अध्यक्ष संघ का गठन किया गया। अध्यक्ष पद के लिए पिपरा देवस पैक्स अध्यक्ष कौशल किशोर जी के द्वारा बीहट एक पैक्स अध्यक्ष पवन कुमार का नाम प्रस्तावित किया गया जिस पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमति दी।

सचिव पद हेतु पपरौर पैक्स अध्यक्ष हरि शंकर राय के नाम का प्रस्ताव बथौली पैक्स अध्यक्ष संजय कुमार के द्वारा दिया गया जिसे सर्व सम्मति से सभी सदस्यों ने अपनी सहमति दी। कोषाध्यक्ष पद पर निंगा पैक्स अध्यक्ष विकास कुमार उपाध्यक्ष पुनपुन कुमार मल्हीपुर उत्तर पैक्स अध्यक्ष संदीप कुमार केशावे पैक्स अध्यक्ष बनाए गए। मीडिया प्रभारी पंकज कुमार अध्यक्ष राजवाड़ा पैक्स सह सचिव विपुल कुमार अध्यक्ष सिमरिया एक और संगठन प्रभारी राजीव यादव मैदा बभनगामा अध्यक्ष बनाए गए।

गणेश महोत्सव को लेकर गणेश सेवा मंडल की तैयारियां पूरी

14 सितंबर को भव्य शोभायात्रा के साथ होगा 11 दिवसीय आयोजन का शुभारंभ, 25 सितंबर तक धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रहेगी धूम

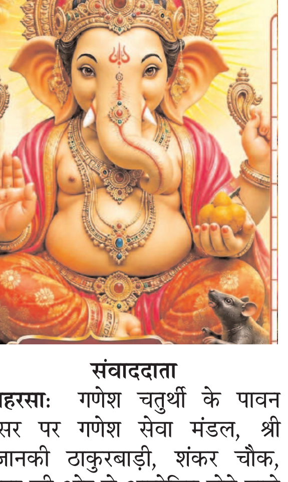

संवाददाता

सहरसा: गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर गणेश सेवा मंडल, श्री रामजानकी ठाकुरबाड़ी, शंकर चौक, सहरसा की ओर से आयोजित होने वाले भव्य गणेश महोत्सव 2026 की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गणेश सेवा मंडल द्वारा 14 सितंबर से 25 सितंबर तक लगातार 11 दिनों तक विभिन्न धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर मंडल के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों में खासा उत्साह है।महोत्सव के दौरान पूरा सहरसा शहर भक्ति के रंग में रंगा नजर आएगा। सुबह से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों और शाम को महाआरती, भजन-कीर्तन एवं अन्य कार्यक्रमों से वातावरण भक्तिमय रहेगा। गणपति बप्पा के जयकारों से शंकर चौक सहित शहर का वातावरण गुंजायमान रहेगा। आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को धार्मिक आस्था से जोड़ने के साथ-साथ प्रेम, भाईचारा, सामाजिक सद्भाव, सेवा और एकता का संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। भव्य शोभायात्रा से होगा महोत्सव का शुभारंभ: गणेश सेवा मंडल के रंजीत दास ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 14 सितंबर, सोमवार को सुबह 7 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ किया जाएगा। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

इसके बाद दोपहर 1 बजे प्राण-प्रतिष्ठा का धार्मिक अनुष्ठान होगा तथा शाम 7:15 बजे भव्य महाआरती आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव को लेकर पूजा स्थल एवं पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है। आयोजन के प्रत्येक कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों की टीम लगातार सक्रिय है। 11 दिनों तक धार्मिक आयोजनों की रहेगी धूम उन्होंने बताया कि 15 सितंबर से प्रतिदिन सुबह 7 बजे पूजा प्रारंभ होगी। 15 सितंबर को शाम 7:15 बजे महाआरती होगी। वहीं 16 सितंबर को रुद्राभिषेक का विशेष आयोजन सुबह 10:30 बजे किया जाएगा। इसके बाद शाम 7:15 बजे महाआरती होगी। 17 एवं 18 सितंबर को भी सुबह 7 बजे पूजा प्रारंभ होगी तथा शाम 7:15 बजे महाआरती आयोजित की जाएगी। 19 सितंबर को सुबह पूजा के बाद दोपहर 12 बजे से सुंदरकांड पाठ तथा शाम 7:15 बजे महाआरती होगी।20 सितंबर को सुबह 10 बजे विशेष मातृ पूजन का आयोजन किया जाएगा। इस दिन भी शाम 7:15 बजे महाआरती होगी। 21 सितंबर को शाम 7:45 बजे गंगा आरती एवं दीप यज्ञ का विशेष आयोजन होगा।22 सितंबर को सुबह पूजा एवं शाम 7:15 बजे महाआरती होगी। 23 सितंबर को शाम 7 बजे भगवान गणेश को 56 भोग अर्पित किया जाएगा तथा शाम 7:45 बजे महाआरती होगी।24 सितंबर को शाम 7:15 बजे महाआरती के बाद रात 8:30 बजे भव्य झांकी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। 25 सितंबर को हवन, नगर भ्रमण व प्रतिमा विसर्जन: महोत्सव के अंतिम दिन 25 सितंबर, शुक्रवार को सुबह 7 बजे पूजा प्रारंभ होगी तथा सुबह 10 बजे हवन का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 2 बजे प्रतिमा विसर्जन एवं नगर भ्रमण होगा। शाम 7 बजे गंगा आरती, रात 8 बजे प्रतिमा जलप्रवाह तथा शाम 7:30 बजे से रात 9 बजे तक महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। इन्द्र भूषण केशरी. अभिषेक गाड़ा, रंजीत दास, मोती पंजीयार आदि ने कहा की गणेश महोत्सव केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता को मजबूत करने का अवसर भी है। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी शहरवासियों के सहयोग एवं सहभागिता से आयोजन को यादगार बनाने का प्रयास किया जा रहा है।गणेश महोत्सव को सफल बनाने के लिए गणेश सेवा मंडल के सैकड़ों स्वयंसेवक दिन-रात तैयारियों में जुटे हुए हैं। आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कार्यकताओं को दी गई है।आयोजन को सफल बनाने में इंद्र भूषण केशरी, अभिषेक गाड़ा, रंजीत दास, मोती पंजीयार, प्रेम पंजीयार, अशोक पंजीयार, अमरेंद्र तिवारी, रमाशंकर भगत, विनय गुप्ता, संजय साह, रंजय साह, विमल भगत, अमन गाड़ा, सहित गणेश सेवा मंडल के सैकड़ों स्वयंसेवक सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

एमएलसी अजय कुमार सिंह ने नवनिर्मित छतदार चबूतरा का किया उद्घाटन

करीब 15 लाख की लागत से निर्माण, ग्रामीणों को मिलेगी बैठने व सामाजिक कार्यक्रमों की सुविधा

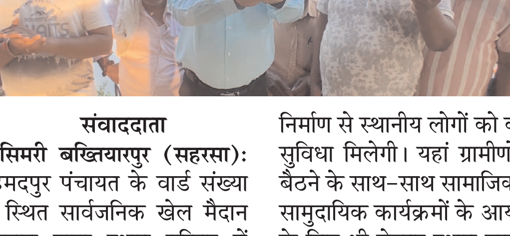

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर (सहरसा): महमदपुर पंचायत के वार्ड संख्या दो स्थित सार्वजनिक खेल मैदान रामदास बाबा स्थान परिसर में शनिवार देर साम को 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवनिर्मित छतदार चबूतरा का उद्घाटन स्थानीय एमएलसी अजय कुमार सिंह ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने एमएलसी का स्वागत किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए एमएलसी अजय कुमार सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि छतदार चबूतरा के निर्माण से स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। यहां ग्रामीणों को बैठने के साथ-साथ सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना आवश्यक है। क्षेत्र में जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे भी कराया जाएगा।

उद्घाटन के मौके पर सुमन कुमार सिंह, सतेन्द्र सिंह, विपिन कुमार सिंह, राहुल सिंह, लोहा सादा, चंदन सिंह ललन सिंह, अनूप सादा सहित अन्य स्थानीय लोग मौजूद रहे।

चबूतरा के निर्माण से स्थानीय लोगों में खुशी देखी गई और ग्रामीणों ने इसके लिए एमएलसी के प्रति आभार व्यक्त किया।

युथ बोले तो कार्यक्रम के तैयारी को लेकर लोजपा की बैठक आयोजित

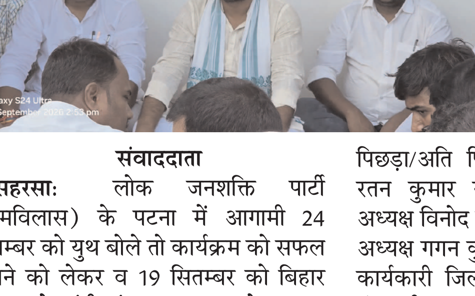

संवाददाता

सहरसा: लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पटना में आगामी 24 सितम्बर को युथ बोले तो कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर व 19 सितम्बर को बिहार सरकार के मंत्री संजय पासवान को सहरसा आगमन को लेकर जिलाध्यक्ष महेंद्र कुमार शर्मा के अध्यक्षता में सभी प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्ष, सभी जिला पदाधिकारी एवं सभी प्रकोष्ठो के प्रखंड अध्यक्ष की बैठक वास्तु बिहार पटुआहा में संसदीय बोर्ड के जिलाध्यक्ष मणीकांत सिंह के आवास पर आयोजित हुई। जिलाध्यक्ष महेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि है 24 सितम्बर को युथ बोले तो के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहरसा जिला का पहला स्थान होगा, उन्होंनें कहा पार्टी पदाधिकारीगण से अधिक से अधिक संख्या में पटना चलने अहवान किया।

19 सितम्बर को सहरसा में बिहार सरकार के मंत्री संजय पासवान का भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा। युवा प्रदेश उपाध्यक्ष सह युवा नेता अमरेन्द्र कुमार यादव ने कहा युथ बोले तो के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए युवा की अधिक से अधिक भागीदारी होगी। बैठक में एससी/एसटी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष दिलीप पासवान, संसदीय बोर्ड जिलाध्यक्ष मणिकांत सिंह, युवा जिला अध्यक्ष संदीप पासवान, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नरेश गुप्ता, पिछड़ा/अति पिछड़ा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष रतन कुमार साह, किसान प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष विनोद मुखिया, आईटी सेल के जिला अध्यक्ष गगन कुमार, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के कार्यकारी जिला अध्यक्ष मोहम्मद इजहार, पंचायती राज प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष उमाकांत शाह, जिला संगठन मंत्री अरुण कुमार शाह, जिला महासचिव रोशन कुमार, महिला नगर अध्यक्ष सोनी देवी, जिला सचिव रोहित यादव, आनंदी शर्मा, उमाकांत पासवान, सलखुआ प्रखंड अध्यक्ष अरुण यादव, कहरा प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप पासवान, नवहट्टा प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद सद्दाम, सौर बाजार प्रखंड अध्यक्ष अभिषेक आनंद, बनमा इटहरी प्रखंड अध्यक्ष मनीष कुमार, सिमरी बख्तियारपुर प्रखंड अध्यक्ष फुलेश्वर रजक, महिषी प्रखंड अध्यक्ष सुशील पासवान, राजकुमार पासवान, नगर अध्यक्ष नरेश मिस्त्री, नवहट्टा नगर अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, सौर बाजार नगर अध्यक्ष विवेक कुमार यादव, युवा प्रखंड अध्यक्ष प्रभात रंजन, राजकुमार, विशाल निषाद, विमल कुमार, मनोज साह, महबूब आलम, मणिकांत कुमार, प्रकाश भारती सहित अन्य शामिल थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में दोनों पक्षों की जीत होती है : विवेक विशाल

संवाददाता

सहरसा: व्यवहार न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ इंचार्ज जिला जज सह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-विशेष एक्साइज न्यायाधीश विवेक विशाल, एडीजे अविनाश कुमार, एडीजे तारिक मुस्तफा, जिला पदाधिकारी दीपेश कुमार, पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग एवं जिला विधिवेत्ता संघ के अध्यक्ष विनोद कुमार झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मौके पर इंचार्ज जिला जज विवेक विशाल ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत एक राष्ट्रीय पर्व की तरह है। इसमें पक्षकारों की सहमति एवं उनकी शर्तों के आधार पर वादों का निष्पादन किया जाता है। सामान्य न्यायालय में एक पक्ष की जीत और दूसरे पक्ष की हार होती है, जबकि लोक अदालत में दोनों पक्षों की जीत होती है। लोक17 अदालत आपसी सहमति से विवादों के समाधान का बेहतर माध्यम है।अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अविनाश कुमार ने कहा कि लोक अदालत में पक्षकारों की सहमति और उनकी शर्तों के आधार पर वादों का निष्पादन होता है। इसमें कानून की जटिलता आड़े नहीं आती और आपसी समझौते के माध्यम से विवादों का समाधान किया जाता है।पदाधिकारी दीपेश कुमार ने कहा कि छोटे-मोटे विवादों को समाप्त करने के लिए लोक अदालत बेहतर मंच है। यहां आपसी सहमति से बिना कोर्ट फीस के मामलों का निष्पादन किया जा सकता है। इससे लोगों के समय और धन दोनों की बचत होती है। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि लोक अदालत में मामलों के निष्पादन में थोड़ा उदार रुख अपनाते हुए पक्षकारों को सहयोग करें। उन्होंने ट्रैफिक चालान के संबंध में कहा कि जब तक लोग आते रहेंगे, तब तक उनके चालान के निष्पादन की प्रक्रिया जारी रहेगी।प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार कुद्दुस अंसारी ने बताया कि लोक अदालत में सुलहनीय आपराधिक वाद, चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना दावा, बैंक ऋण वसूली, विद्युत बिल, पानी बिल, टेलीफोन बिल, नाप-तौल, वैवाहिक विवाद, ट्रैफिक चालान सहित विभिन्न मामलों का निष्पादन किया गया।

19, 486 मामले हुए शामिल, 2, 389 मामलों का निष्पादनः जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए कुल 17 बेंचों का गठन किया गया था। लोक अदालत में कुल 19, 486 मामलों को लिया गया, जिसमें 2, 389 मामलों का निष्पादन किया गया। निष्पादित मामलों में कुल 44 करोड़ 69 लाख 43 हजार 579 रुपये की समझौता राशि रही।आंकड़ों के अनुसार बैंक ऋण से संबंधित 7, 938 मामलों में से 721 मामलों का निष्पादन हुआ, जिसमें 43 करोड़ 80 लाख 74 हजार 515 रुपये की समझौता राशि रही। आपराधिक मामलों में 6, 322 में से 642, मोटर दुर्घटना के 55 में से 9, ट्रैफिक चालान के 4, 329 में से 864, विद्युत विवाद के 350 में से 117, टेलीफोन बिल के 100 में से 30, चेक/परक्राम्य लिखत से संबंधित 274 में से 3 तथा वैवाहिक विवाद के 108 में से 3 मामलों का निष्पादन किया गया।

सात नंबर बेंच पर सर्वाधिक 110 मामलों का निष्पादनः राष्ट्रीय लोक अदालत की बेंच संख्या-7 पर सर्वाधिक 110 मामलों का निष्पादन किया गया। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी कृष्ण कुमार एवं अधिवक्ता राजकुमार सिंह ने पक्षकारों की सहमति से मामलों के निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बेंच के पेशकार रुपेश कुमार एवं कर्मी राणा कुमार सिंह ने भी निष्पादन कार्य में भरपूर सहयोग किया। बेंच संख्या-7 पर मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन की विशेष रूप से सराहना की गई।

कार्यक्रम में सीजेएम तनवीर कौर, एसीजेएम आशीष रंजन, नीशा कुमारी, कपिल देव, सुमन कुमारी, मुंसिफ मुकेश कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट कृष्ण कुमार, सुभम कुमार, अनवरा खातुन, रोहित अमृतांशु, अभीनव कुमार एवं अन्य न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्ता ज्योति कुमार सिंह सहित अन्य अधिवक्ता, बैंक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में पक्षकार मौजूद थे।

पत्रकार से मारपीट के खिलाफ आज सड़क पर उतरेंगे पत्रकार

▸ वीर कुंवर सिंह चौक से समाहरणालय तक निकलेगा प्रतिरोध मार्च ▸ दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो होगा चरणबद्ध आंदोलन

संवाददाता

सहरसा: सदर अस्पताल में खबर संकलन के दौरान प्रभात खबर डिजिटल के पत्रकार अभिषेक कुमार के साथ मारपीट, गाली-गलौज एवं लूटपाट की घटना के विरोध में जिले के पत्रकार अब सड़क पर उतरेंगे. जिला पत्रकार संघ ने घटना को पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर हमला बताते सोमवार को प्रतिरोध मार्च निकालने का निर्णय लिया है। सुबह 10 बजे वीर कुंवर सिंह चौक से समाहरणालय तक पत्रकारों का मार्च होगा। इसके बाद जिला प्रभारी मंत्री सह शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, डीआईजी डॉ. कुमार आशीष, जिलाधिकारी दीपेश कुमार और पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की जायेगी।इसको लेकर रविवार को डीबी रोड स्थित जिला परिषद के पूजा रिसोर्ट में संघ की हुई बैठक में पत्रकारों ने घटना पर तीखा आक्रोश जताया। संघ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि दोषियों के खिलाफ त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से तेज किया जायेगा। इसके तहत धरना, विरोध प्रदर्शन और प्रशासनिक खबरों के बहिष्कार जैसे कदम उठाये जाने की चेतावनी दी गयी है। संघ के प्रस्तावित ज्ञापन में पत्रकार के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर नामजद आरोपितों के साथ अन्य संलिप्त लोगों की पहचान, गिरफ्तारी एवं कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गयी है।साथ ही सदर अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक डॉ एसके आजाद, अस्पताल प्रबंधक सिंपी कुमारी, डॉ रौशन लाल, डॉ नीरज कुमार नीरव, डॉ नफीज सोहेल एवं कर्मी मो रफीक को तत्काल हटाने की मांग की गयी है। संघ ने अस्पताल प्रबंधक सिंपी कुमारी के कार्यकाल में हुए वित्तीय क्रियाकलापों एवं उनकी नियुक्ति की भी जांच कराने की मांग की है।ज्ञापन में कहा कि 12 सितंबर को खबर संकलन के दौरान पत्रकार अभिषेक कुमार के साथ मारपीट, गाली-गलौज एवं लूटपाट की गयी। उन्हें ऑपरेशन थियेटर स्थित एक कमरे में बंद कर मारपीट की गयी। जिससे वे घायल हुए एवं उन्हें उपचार कराना पड़ा। बैठक में पत्रकारों ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकार के साथ अस्पताल परिसर में इस तरह की घटना बेहद गंभीर है। इससे ना केवल पत्रकारों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा होता है। बल्कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के अधिकार को भी चुनौती मिलती है। संघ ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान एवं शीघ्र कानूनी कार्रवाई की मांग की है। संघ ने दो टूक कहा कि कार्रवाई में टालमटोल हुई तो पत्रकारों का आंदोलन अस्पताल की घटना तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि चरणबद्ध तरीके से व्यापक रूप लेगा।भास्कर ब्यूरो चीफ नवीन निशांत, हिन्दुस्तान ब्यूरो नीरज कुमार सिंह, जागरण प्रभारी कुंदन सिंह, प्रभात खबर प्रभारी दीपांकर श्रीवास्तव, विनय कुमार मिश्र, मनोज सिंह, राजन कुमार, कुंदन सिंह, शैलेश रवि, डीडी न्यूज आनंद कुमार झा, नीरज कुमार सिंह, गौरव कुमार, शिव कुमार, सहरसा नाउ मथुरेश कुमार, नितिन कुमार, मनोज ठाकुर, ब्रजेश कुमार, विक्की कुमार, रौशन कुमार, विकास कुमार, चेतन कुमार, अमन कुमार, सौरभ कुमार, मोहन प्रकाश, मो अजहरुद्दीन, सरफराज आलम, इम्तियाज, शमशूल होदा, मुकेश कुमार, अनुभव बिहारी, मुकेश चुन्नू, मनीष सिंह, रंजीत सिंह, राजीव झा, भार्गव झा, अभिषेक मुन्ना, विष्णु स्वरुप, मनोज झा, रंजीत झा, आशीष कुमार झा, निखिल कुमार, अंजन सिंह, रितेश हन्नी, बी एन सिंह पप्पन, विनय कसौधन, धीरज कुमार, सत्यम कुमार मंटू, श्रुतिकांत, अमित अन्नू, इन्द्रदेव, मुजाहिद, राहुल, बलराम कुमार, सुभाष चंद्र झा, राजा वारिश, नीतिन कुमार सहित अन्य मौजूद थें।

बाबा गणिनाथ गोविंद के पूजनोत्सव को लेकर तैयारी शुरू, बन रहा भव्य पंडाल

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर सहरसा: बाबा गणिनाथ गोविंद के द्वितीय पूजनोत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई है. 18 एवं 19 सितंबर को आयोजित होने वाले दो दिवसीय पूजनोत्सव को लेकर कानू टोला स्थित राजदेवी भवन में भव्य पंडाल निर्माण की तैयारी शुरू कर दी गई है.आयोजन स्थल पर पंडाल के लिए बांस – बल्ला लगाने का काम शुरू हो गया है.पूजनोत्सव को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए आयोजक लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं और गणिनाथ सेवकों को आयोजन में शामिल होने के लिए निमंत्रित कर रहे हैं. आयोजन को लेकर गणिनाथ सेवक परिवार के साथ युवा एवं मातृशक्ति भी तैयारियों में जुटे हैं. कार्यक्रम की रूपरेखाः आयोजकों ने बताया कि 18 सितंबर को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी.इसके बाद मुख्य अतिथियों का स्वागत, प्रतिभावान बच्चों का सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. वही 19 सितंबर को विधि – विधान से भगवान गणिनाथ गोविंद बाबा की पूजा – अर्चना होगी.इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद एवं भंडारा का आयोजन किया जाएगा. साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे. इसके साथ ही दो दिवसीय पूजनोत्सव का समापन होगा। आयोजकों ने बताया कि पूजनोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं के शामिल होने की संभावना है. इसे देखते हुए आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पंडाल, भोजन, महाप्रसाद समेत अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है.सेवकों ने समाजबंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पूजनोत्सव को सफल बनाने की अपील की है.

नशे के खिलाफ एकजुट हुए वार्ड 17 व 19 के लोग, बिक्री-सेवन पर रोक लगाने को लेकर की बैठक

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर सहरसा: नशीले पदार्थों के बढ़ते प्रचलन के खिलाफ अब समाज के लोग भी एकजुट होने लगे हैं। रविवार को नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 17 और 19 के लोगों ने सामूहिक रूप से नशे के खिलाफ बड़ा सामाजिक निर्णय लिया। नया प्राथमिक विद्यालय राम टोला (शर्मा टोला) में आयोजित बैठक में स्थानीय लोगों ने सर्वसम्मति से क्षेत्र में नशीले पदार्थों की बिक्री और सेवन पर रोक लगाने का निर्णय लिया। लोगों ने कहा कि नशे का बढ़ता प्रचलन विशेषकर युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसे रोकने के लिए प्रशासन के साथ-साथ समाज के स्तर पर भी सामूहिक पहल जरूरी है। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष जयशंकर कुमार ने की। इस दौरान स्थानीय लोगों ने नशे से होने वाले सामाजिक और पारिवारिक नुकसान पर

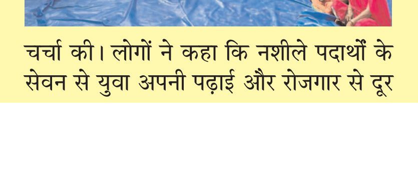

चर्चा की। लोगों ने कहा कि नशीले पदार्थों के सेवन से युवा अपनी पढ़ाई और रोजगार से दूर होकर अपराध की ओर भी बढ़ सकते हैं। इससे परिवार में तनाव बढ़ने के साथ-साथ समाज का वातावरण भी प्रभावित होता है। " नशा व्यक्ति ही नहीं, पूरे परिवार को करता है प्रभावित" बैठक में वार्ड पार्षद बेचन राम ने कहा कि नशा किसी एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को ही बर्बाद नहीं करता, बल्कि इसका सीधा असर पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। खासकर युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते नशे के खिलाफ सामूहिक प्रयास नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ी पर इसका गंभीर असर पड़ सकता है। ऐसे में नशीले पदार्थों की बिक्री और सेवन पर रोक लगाने के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि श्रवण कुमार ने कहा कि नशे की लत व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार और पूरे समाज को प्रभावित करती है।

संक्षिप्त खबरें

हथियार के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

बेगुसराय: बेगूसराय पुलिस के द्वारा अपराधकर्मियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान मटिहानी थाना अन्तर्गत आज दिनांक-12.09.26 को गुप्त सूचना के अधार पर ग्राम जिल्ला चौक ठाकुर टोला स्थित बगीचे से दो व्यक्ति 01. सुभम कुमार उर्फ खखरा, पे०-रोशन सिंह एवं 02. ऋषभ कुमार, पे०-राविन्द्र सिंह दोनों ग्राम-सिहमा, थाना-मटिहानी, जिला-बेगूसराय को 01 देशी पिस्टल, 04 कारतूस मैगजीन सहित एवं 03 मोबाईल के साथ गिरफ्तार किया गया। विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

दर्ज कांड सं0-मटिहानी थाना कांड सं0-200/26, दिनांक-12.09.26, धारा-25(1-बी)ए/26/35 आर्म्स एक्ट । सुभम कुमार उर्फ खखरा का मटिहानी थाना एवं विभिन्न थाना अंतर्गत कुल 11 अपराधीक इतिहास दर्ज है।

प्राइवेट स्कूल एन्ड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोशियन कि बैठक

संवाददाता

तेघड़ा बेगुसराय: प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन बेगूसराय की बैठक संयुक्त सचिव श्री बृज बिहारी मिश्र की अध्यक्षता में संत केरेंस एकेडमी बरौनी के सभागार में हुई । जिसमें संघ संगठन के मजबूती पर विचार किया गया एवं एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शमायल अहमद के द्वारा आयोजित 27 सितंबर के शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल होने पर विचार किया गया। जिसमें लगभग पचास से अधिक की संख्या में शामिल होने की सहमति हुई। साथ ही सर्वसम्मति से संगठन संयोजक के रूप में श्री सुधीर कुमार को चुना गया जिनके नेतृत्व में पटना शिक्षक सम्मान समारोह में जाया जाएगा । यह भी निर्णय लिया गया कि दिसंबर माह में पूर्व की तरह जिला स्तरीय बाल कीड़ा प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। इस बैठक में दर्जनों विद्यालय संचालक शामिल हुए जिसमें मनोज कुमार, धर्मेन्द्र कुमार सोनू, विवेक कुमार भगवानपुर, कंचन कुमारी, प्रशांत कुमार बीहट, गजेन्द्र कुमार अमरपुर, बिपिन कुमार, रजनीश कुमार, उत्तम कुमार, कालीचरण सहित अन्य मौजूद रहे।

जहानाबाद स्थित ग्राम प्लेक्स सभागार में 'कवच परियोजना'

संवाददाता

जहानाबाद: बाल सुरक्षा, बाल श्रम एवं मानव तस्करी से संबंधित एक दिवसीय संवेदीकरण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में अपर पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, घोषी, पुलिस उपाधीक्षक (ट्रैफिक/विशेष अपराध), घोषी के प्रोबेशनर DSP सह थानाध्यक्ष एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU) प्रभारी सहित जिले के सभी थानों के प्रभारी, बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी (CWPO) एवं अभय ब्रिगेड (पुलिस दीदी) ने भाग लिया। कार्यशाला में बाल अधिकार, बाल संरक्षण एवं संबंधित कानूनी प्रावधानों पर चर्चा करते हुए बाल श्रम एवं मानव तस्करी की रोकथाम तथा बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण में पुलिस की भूमिका को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया।

सिविल सर्जन कार्यालय एवं जिला स्वास्थ्य समिति के विभिन्न कार्यालयों का डीएम ने किया निरीक्षण

संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी, दरभंगा, कौशल कुमार द्वारा रविवार को सिविल सर्जन कार्यालय, जिला स्वास्थ्य समिति, स्वास्थ्य विभाग से संबद्ध विभिन्न कार्यालयों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न कार्यालयों में उपलब्ध व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, कार्यालय परिसर के समुचित रख रखाव का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय परिसर में लंबे समय से अनुपयोगी एवं अनावश्यक रूप से रखे गए सामानों को चिह्नित कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए परिसर की साफ सफाई सुनिश्चित कराने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया। उन्होंने कहा सभी कार्यालयों में स्वच्छ, व्यवस्थित एवं कार्य के अनुकूल वातावरण बनाए रखा जाए तथा अनुपयोगी सामग्रियों को अनावश्यक रूप से कार्यालय परिसर में नहीं रखा जाए। निरीक्षण के क्रम में सदर अस्पताल, गंगवाड़ा से संबंधित तैयारियों की भी जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने अतिक्रमित स्थल को अंचलाधिकारी, सदर को अतिक्रमणमुक्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों को कार्यालयीन व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, आमजनो को उपलब्ध कराई जा रही है।स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर कार्य करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. अरुण कुमार, एनसीडीओ सत्येंद्र प्रसाद, डीसीएम रवि कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मीगण उपस्थित थे।

आगामी 15 से 21 सितंबर तक रहमगंज में गणपति पूजा होगी, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं क्विज कांटेस्ट का होगा आयोजन

संवाददाता

दरभंगा। गणेश पूजा की तैयारी को लेकर उत्साह श्री श्री 108 मंगल मूर्ति गणपति पूजा समिति रामपुर रहमगंज चौक पर गणपति पूजा का भव्य एवं दिव्य आयोजन को लेकर तैयारी अंतिम रूप में चल रही है। पिछले कई सालो से यहां पर बड़े ही धूमधाम से गणपति पूजा का आयोजन किया जाता रहा है। इस आयोजन की जानकारी देते हुए पूजा समिति के अध्यक्ष संजीव कुमार, सचिव राजा साह उपाध्यक्ष छोटू भगत सरस्वती शंकर कुमार सहित संरक्षक मंडल, इंद्रजीत कुमार, गौरीशंकर शाह, धर्मवीर सोनी, प्रदीप चौधरी, संतोष भगत, करण कुमार के संयुक्त नेतृत्व में पूजा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मोहल्लावासी इस पूजा को लेकर उत्साहित है और सभी के सहयोग की पूजा सफल होती रही है। गणपति पूजा समिति के सदस्यों ने सभी भक्तजनों से पूजा में आने का आग्रह किया। यह पूजा 15 से प्रारंभ होगी और 21 तक पूजा में प्रतिदिन सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमे बच्चे का क्विज कांटेस्ट डांस प्रोग्राम आदि कार्य होगी इसके लिए सभी भक्तजनों से आग्रह किया की इस पूजा समिति में जरूर आए और भव्य आयोजन की व्यवस्था कैसे हो मार्गदर्शन करें।

स्मेक के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

बेगुसराय: बेगूसराय जिला में अवैध नशीले पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान सूचना के आधार पर नगर थाना कांड संख्या-422/26, दिनांक-12.09.26, धारा-8(c)/21 (b)NDPS एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त 01. करण कुमार, पे०-प्रमोद चौधरी, सा०-बिशुनपुर एवं 02. सुधांशु कुमार, पे०-श्रीकृष्णदेव प्रसाद, सा०-रामनगर विशनपुर चांदनी चौक दोनों थाना-नगर, जिला-बेगूसराय को 18 ग्राम स्मैक एवं 03 मोबाईल के साथ विष्णुपुर राजीवनगर से गिरफ्तार किया गया। विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

चौकीदार पुलिस महकमे की रीढ़, सूचना तंत्र मजबूत रखने का निर्देश

संवाददाता

करायपरसुराय, नालंदा। करायपरसुराय थाना परिसर में रविवार को चौकीदार परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष सुशील कुमार पासवान ने क्षेत्र के सभी चौकीदारों को सूचना तंत्र मजबूत रखने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। थानाध्यक्ष ने चौकीदारों से सही ढंग से अपनी ड्यूटी का निर्वहन करने की अपील करते हुए कहा कि चौकीदार पुलिस महकमे की रीढ़ हैं। क्षेत्र में होने वाली छोटी-बड़ी घटनाओं की जानकारी समय रहते पुलिस को उपलब्ध कराने से किसी भी घटना पर त्वरित कार्रवाई कर उस पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

स्मृति शेष जगदीश मित्तल की श्रधांजलि सभा

संवाददाता

तेघड़ा बेगुसराय: राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्मृतिशेष जगदीश मित्तल बाबू जी की स्मृति में जिला इकाई बेगूसराय द्वारा मदर टेरेसा एकेडमी, शोकहरा, बरौनी में अन्तर्राष्ट्रीय कवि डा० शैलेन्द्र शर्मा त्यागी जी की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके व्यक्तित्व, कृतित्व एवं साहित्य तथा राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करते हुए गणमान्य कवियों, अभिभावकों और छात्र एवं छात्राओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किए। ख्याति प्राप्त कवि डा० शैलेन्द्र शर्मा त्यागी ने कहा कि "बाहर तो दीप बहुत जले अन्तर का दीप जलाना है, आडम्बर की दीप शिखा से तम का क्षय नही होने वाला है ।राष्ट्रीय कवि संगम के प्रांतीय अध्यक्ष प्रभाकर कुमार राय ने कहा कि प्रेरणास्त्रोत आदरणीय स्मृतिशेष जगदीश मित्तल जी का अचानक हमलोगों के बीच से जाना साहित्य जगत के लिए अपूर्णिय क्षति हुई है । हमलोगों ने एक अनमोल रत्न खो दिया । कवि प्रफ्फुल चन्द्र मिश्र ने कहा

कि " है सफल बस वही ये कहता है प्रफुल्ल, जिसका जाना जमाने को खल जाएगा। जिंदगी में कभी भी वो पल आएगा, छोड़ इस जहां को तू निकल जाएगा " ।कवि विद्यासागर ब्रह्मचारी जी ने कहा ... वाणी के उस वरद पुत्र को,

सादर शीश झुकाते हैं।
नम आंखों से महां मनुज को,
श्रद्धा सुमन चढ़ाते हैं।

कवि साहित्यकार देवनीति राय ने कहा कि

फल लगे बृक्ष झुक जाते हैं.
मानव कितना सुख पाते हैं.
पर अहंकार जब होता है.
मानव तब तो पछताता है ।

भाजपा के जिला प्रवक्ता सुमन चौधरी ने कहा कि देश के धरोहर थे मित्तल जी जिन्होंने निःस्वार्थ भावना से देश की सेवा के लिए अपनी सारी सम्पत्ति के साथ - साथ अपने शरीर के एक - एक अंग को मेडिकल कॉलेजों को दान देने वाले महापुरुष को श्रद्धांजलि देने के बाद मेरे हृदय से एक ही शब्द आयेगा कि बाबू जी अपने साहित्यकारों को आशीष की छाया में सदैव रखें । यही भगवान से प्रार्थना है । हमलोग इनके पुण्यतिथि को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का कार्य करें। राष्ट्रीय कवि संगम के जिलाध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने कहा स्मृतिशेष जगदीश मित्तल बाबू जी ने साहित्य जगत में सैकड़ों नवोदित कवियों को दस्तक के माध्यम से सृजन कर वट वृक्षों की तरह कवियों को देश - विदेश में स्थापित कर जीवकोपार्जन का साधन बना दिए । उनके गुजर जाने के बाद साहित्य जगत शोक में डूबा है । बाबूजी कहते थे जबतक चलते है थकते नहीं रुकते ही थकान महसूस होता है मुसाफिर हूँ, साहित्य जगत का उड़ान चाहता हूँ । नम आंखों से बाबू जी को पुष्प अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इन्हें अपने चरणों में शरण दें ।सुधीर कुमार ने कहा कि बाबू जी ने राष्ट्रीय कवि संगम को स्थापित कर छात्र एव छात्राओं में अलख जगाकर कर साहित्य में रूची पैदा कर राष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाने का कार्य किए ।इस श्रद्धांजलि सभा में सुरेश कुमार राय, धर्मेन्द्र कुमार मिश्र रंधीर कुमार गुप्ता, उमेश सिन्हा, दिलीप कुमार सिन्हा, सोनाक्षी प्रकाश, सुशील कुमार जी, श्रेष्ठा राज, आदर्श राज शेखर, रणवीर कुमार, पूजा देवी, रेणु देवी, स्थिति कुमारी, उमंग राज और चंदा देवी के साथ - साथ कई गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

बिहार राज्य निर्माण कामगार यूनियन सीटू जिला कार्यालय होरिलगज जिला कमेटी की बैठक

संवाददाता

जहानाबाद: राज्य सम्मेलन को सफल बनाने हेतु जिला सचिव ने कहा कि 23, 24 सितंबर 2026 को राज्य सम्मेलन पटना जमाल रोड में होगा को सफल बनाएं राज्य सम्मेलन में भाग लेने वाले डेलीगेट बिहार राज्य निर्माण कामगार यूनियन सीटू जिला सचिव व राज्य कमेटी सदस्य सुरेंद्र मिस्त्री, बिहार राज्य निर्माण कामगार यूनियन सीटू जिला अध्यक्ष व राज्य उपाध्यक्ष भुनेश्वर यादव, संयुक्त सचिव बुद्धेश पासवान, प्रमिला देवी, विनोद कुमार, राम विनय पासवान, गंगा प्रसाद बिहार राज्य निर्माण कामगार यूनियन सीटू जिला सचिव ने कहें कि वार्षिक चिकित्सा सहायता योजना के तहत प्रतिवर्ष भुगतान किया जाये, पोशाक राशि प्रतिवर्ष 5000रुपय का भुगतान किया जाये, पेंशन राशि को 5000रुपया प्रतिमाह किया जाये इस बैठक में शामिल कमल किशोर नारायण, अज्जू कुमार, कमलेश प्रसाद, सरजू मोची, हासिम मियां, उमाशंकर पासवान भगवान शरण प्रसाद आदि.

मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत विधायक ऐच्छिक कोष से चबूतरा का विधायक सह एनडीए सचेतक प्रो. विनय कुमार चौधरी ने किया लोकार्पण

बिहार में न्याय के साथ विकास की परिकल्पना आज साकार हो रही है : प्रो. विनय कुमार चौधरी

संवाददाता

दरभंगा। बेनीपुर विधायक सह बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के सचेतक प्रो. विनय कुमार चौधरी ने कहा बिहार में न्याय के साथ विकास की परिकल्पना आज साकार हो रही है। विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं में सभी वर्गों की समान भागीदारी सुनिश्चित की गई है। वे आज बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नं - 22 के भेड़ियाही टोला में मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत विधायक ऐच्छिक कोष से नवनिर्मित चबूतरा का लोकार्पण करते हुए उक्त बातें कहीं। विधायक, चौधरी ने उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा आज से दो दशक पूर्व बिहार के जन नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार ने बिहार को जिस खाई से आज एक विकासशील राज्य की श्रेणी में लाकर खड़ा किया है वह अपने आप में एक मिसाल है। कोई भी समाज सेवी या विश्लेषक बिहार को खोई प्रतिष्ठा वापस मिलने की कल्पना भी नहीं किया करते थे। लेकिन उस बिहार को माननीय जननेता नीतीश कुमार ने एक सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाकर हम लोगों को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा आज हमारा समाज हर दिशा में आगे बढ़ चली है चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, सड़क का मामला हो, स्वास्थ्य सुविधा हो या फिर अन्य कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ किसाने की मूलभूत समस्या सिंचाई और समय पर खाद बीज की उपलब्धता हो हर मामले में हमारी एनडीए सरकार तत्पर है। वर्तमान समय में हमारे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देशन में वह और भी द्रुत गति से आगे बढ़ चली है। जिसमें शिक्षा और

रोजगार को प्राथमिकता के आधार पर बढ़ावा दी जा रही है। विधायक ने कहा यह आप लोगों का आशीर्वाद का परिणाम है की बिहार अब विकास की राह पर चल पड़ी है जो आने वाले समय में एक विकसित राज्य की श्रेणी में खड़ी होगी जिसके लिए अब देश और विदेश के उद्योगपतियों ने निवेश का अपना ठिकाना बिहार के की ओर करने को तत्पर है। आने वाले समय में सरकारी नौकरियों के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। जिससे बिहार एक विकसित राज्य की श्रेणी में खड़ी होगी। उन्होंने कहा आज बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र बिहार में किसी भी विधानसभा क्षेत्र से पीछे नहीं है इसके लिए आप मार्गदर्शन दे आपका यह प्रतिनिधि उसे पूरा करने के लिए हर हमेशा तत्पर है और आगे भी रहेगा। इस अवसर पर सज्जनपुरा मुखिया कुंदन सिंह, राम उदगार यादव, आलोक यादव, धर्मेंद्र कुमार पासवान, भरोसी पासवान, अमरजीत पासवान सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

रोटरी क्लब ऑफ मिथिला ने शेपिंग फ्यूचर अवार्ड शिक्षक सम्मान समारोह का किया आयोजन

संवाददाता

दरभंगा। रोटरी क्लब ऑफ मिथिला द्वारा 12 सितंबर को डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विजिट एवं शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अन्नू नारंग एवं पीडीजी असिस्टेंट गवर्नर संदीप नारंग की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ लिटरेसी प्रोग्राम चेयर, डॉ. गौरीशंकर झा, असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन तनुज मेहता उपस्थित रहे। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को रोटरी क्लब ऑफ मिथिला की ओर से शेपिंग फ्यूचर अवार्ड से सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में राजीव कुमार, अंशु कुमारी, मिसेज नीतू, मिसेज अपराजिता, डेरिन नाज, पप्पू कुमार शर्मा, मुस्कान प्रवीण, काजल प्रिया, अभिषेक प्रभात, अनिल कुमार मिश्रा एवं संजीत कुमार सिंह शामिल रहे। रोटरी केवल एक संगठन नहीं बल्कि सर्विस अबव सेल्फ की भावना के साथ समाज की सेवा करने वाला एक परिवार है। रोटरी क्लब ऑफ मिथिला की सदैव यह

प्रयास रहा है शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंद लोगों की सहायता के माध्यम से समाज में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन लाया जाए। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का मार्गदर्शन रोटरी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अन्नू नारंग का मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं उपस्थिति क्लब के सदस्यों के लिए उत्साहवर्धक रही। इससे क्लब की सेवा गतिविधियों को और बेहतर दिशा एवं गति देने की प्रेरणा मिली। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अन्नू नारंग ने शिक्षकों की भूमिका को समाज, राष्ट्र के भविष्य निर्माण की आधारशिला बताते हुए सभी सम्मानित शिक्षकों को शुभकामनाए दीं। उन्होंने रोटरी क्लब ऑफ मिथिला द्वारा शिक्षा एवं साक्षरता के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना किया। लिटरेसी चेयर डॉ गौरी शंकर झा ने कहा बेसिक लिटरेसी पर जोर देने की जरुरत है खासकर 28 प्रतिशत बच्चे स्कूल से ड्राप आउट हो जाते है। क्लब प्रेसिडेंट रोटेरियन रिंकू कुमार झा ने बच्चों को बेसिक लिटरेसी के साथ साथ बच्चे ड्राप आउट ना हो इसके लिए स्कूल ऑन व्हीलस शिक्षा आपके द्वार कार्यक्रम चलाने की योजना है जिसमे बस को क्लासरूम की तरह तैयार कर हर जरुरतमंद एरिया में जाकर बच्चों को पढ़ाया जायेगा। मौके पर पास्ट प्रेसिडेंट श्री राघवेंद्र कुमार रोटेरियन डॉ मिनी प्रियदर्शी, डॉ. रंजना रानी मिश्रा, रोटेरियन अमरकांत जी, रोटेरियन रमन प्रधान, रोटेरियन मनोज डोकानिया सहित क्लब के अन्य सदस्य के साथ साथ अन्य क्लबों के अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन में 14089 मामले और 9 करोड़ से अधिक की राशि निष्पादन

संवाददाता

दुमका। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुमका के तत्वावधान में आज जिला न्यायालय परिसर, दुमका में गठित पांच बेंचो के द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के माध्यम से लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों का त्वरित एवं सरल निस्तारण सुनिश्चित करना था।

राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुमका सुधांशु कुमार शशि द्वारा किया गया। इस अवसर पर न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्तागण, बैंक एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, पारा लीगल वॉलंटियर्स तथा बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के सिविल वाद, आपराधिक सुलहनीय वाद, चेक बाउंस (NI Act), बैंक ऋण, मोटर दुर्घटना दावा, विद्युत एवं अन्य विभागीय मामले तथा प्री-लिटिगेशन मामलों को आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित किया गया। इस अवसर पर पक्षकारों को लोक अदालत के लाभों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि लोक अदालत विवादों के त्वरित, सरल एवं कम खचीर्ले समाधान का प्रभावी माध्यम है। यहां दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का समाधान कराया जाता है, जिससे समय एवं धन की बचत होती है तथा पक्षकारों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध भी बने रहते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विवेक कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं, विभिन्न विभागों एवं बैंकों के पदाधिकारियों तथा पीएलवी द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं प्री-लोक अदालत गतिविधियां संचालित की गई थीं। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने लंबित अथवा प्री-लिटिगेशन विवादों के समाधान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क करें और लोक अदालत के माध्यम से विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करें। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान पांच बेंचो से 14089 मामलों का निस्तारण करते हुए कुल 9, 55, 60, 340 की राशि का समझौता किया गया।

महिला पुलिस के साथ अभद्र व्यवहार एवम मारपीट पर केस दर्ज

संवाददाता

तेघरा बेगुसराय: तेघड़ा थानान्तर्गत मेला ग्राउंड पर डियूटी में तैनात महिला पुलिस अधिकारी के साथ अभद्रता, मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में प्राथमिकी दर्ज।▷ घटना का विवरण :- मटिहानी थाना में पदस्थापित महिला प्रशिक्षु सब-इंस्पेक्टर (P.S.I) संध्या कुमारी, तेघड़ा अनुमंडल संशोधित आदेश के आलोक में श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के अवसर पर मेला ग्राउंड (प्रखण्ड कार्यालय) में विधि व्यवस्था डियूटि पर प्रतिनियुक्त थी। दिनांक-08/09.09.26 की रात्री करीब 1:30 बजे NH-28 चौक के पास वे महिला सिपाही 899 श्वेता कुमारी के साथ तैनात थी। इसी दौरान राहगीरों को धक्का देते हुए आ रहें दो अज्ञात लड़कों में से सफेद शर्ट पहने एक लड़का गलत नीयत से महिला अधिकारी के साथ टकरा गया।▷ लड़कों द्वारा किये गये इस कृत्य का विरोध करने पर दोनों युवकों द्वारा कर्त्तव्य पर तैनात महिला अधिकारी को थप्पड़ मार दिया गया। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों द्वारा इसका वीडियो भी बनाया गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। घटना की जानकारी प्राप्त होने पर तेघड़ा थाना द्वारा इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को दी गयी।

किसान-मजदूरों का पटना कूच! 28 सितंबर को राजभवन मार्च की तैयारी, बेतिया में जुटे जन संगठन

संवाददाता

बेतिया: बलिराम भवन सभागार में किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान और महिला संगठनों के साथ एटक की ओर से एक दिवसीय कन्वेंशन का आयोजन किया गया। कन्वेंशन का मुख्य उद्देश्य आगामी 28 सितंबर को पटना में होने वाले राजभवन मार्च को सफल बनाने और पश्चिम चंपारण से बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

अशोक मिश्र, राजेन्द्र साह, आरती, मनोज साह, लालबाबु राम, साधना देवी व आदर्श मणि तिवारी की संयुक्त अध्यक्ष मंडली में आयोजित इस कन्वेंशन का विधिवत उद्घाटन राज्य किसान नेता विजय शंकर सिंह ने किया। इस दौरान किसानों, मजदूरों, छात्रों, नौजवानों और महिलाओं की मौजूदा समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उनके समाधान के लिए हजारों की संख्या में पटना पहुंचकर राजभवन मार्च में शामिल होने का आह्वान किया गया।

कन्वेंशन के मुख्य अतिथि राज्य किसान सभा के महासचिव रामचंद्र महतो ने केंद्र और राज्य सरकार पर किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान और महिला विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर बड़ी संख्या में किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान, महिलाएं तथा संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक पटना की सड़कों पर उतरेंगे और राजभवन मार्च के माध्यम से बिहार के राज्यपाल को मांग पत्र सौंपेंगे। वहीं एटक बिहार के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी ओम प्रकाश क्रांति ने आशा कार्यकताओं, रसोइया, सेविका-सहायिका और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों समेत तमाम संविदा कर्मियों से अपने अधिकारों और अस्तित्व की रक्षा के लिए बड़ी संख्या में पटना चलने का आह्वान किया। उन्होंने सभी संविदा कर्मियों की सेवा स्थायी करने, स्कीम वर्कर्स को कम से कम 26 हजार रुपये मानदेय देने और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की सेवा स्थायी करने समेत कई मांगों को प्रमुखता से उठाया। किसान नेता राधामोहन यादव, खेत मजदूर नेता सुबोध मुखिया, नौजवान नेता एन.डी. तिवारी, महिला नेत्री समेत विभिन्न संगठनों के नेताओं ने भी संबोधित किया। नेताओं ने कहा कि मांगों को लेकर आंदोलन को मजबूत करने के लिए राजभवन मार्च में अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

अयोध्या में बमेंद्र एवं किरण हुए सम्मानित रक्तदान को जन आंदोलन बनाने की मुहिम

संवाददाता

औरंगाबाद: पूरे देश में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने एवं जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रहे औरंगाबाद के क्षत्रिय नगर निवासी एवं पथ प्रदर्शक संस्था के संस्थापक-सह-सचिव तथा रक्तसेवक बमेंद्र कुमार सिंह एवं उनकी पत्नी किरण सिंह को श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में सम्मानित किया गया। अयोध्या में श्रीराम कृष्ण फाउंडेशन द्वारा 12 एवं 13 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय रक्तदान महोत्सव सह सम्मान समारोह में बमेंद्र कुमार सिंह को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में देश के 22 राज्यों से पहुंचे रक्तसेवकों एवं रक्तदाताओं के साथ अयोध्या के स्थानीय रक्तदाताओं को भी सम्मानित किया गया। बमेंद्र कुमार सिंह एवं किरण सिंह को रक्तदान के प्रति जागरूकता अभियान चलाने, रक्तदान शिविरों का आयोजन करने तथा जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए सम्मान मिला। सम्मान प्राप्त करने के बाद बमेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि रक्तदान ऐसी मानवीय सेवा है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने के रूप में मिलता है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी किरण का सामाजिक सेवा में पूरा सहमति एवं योगदान रहता है।

किरण खुद एक रक्तदानी है और अभी तक सात बार रक्तदान कर चुकी हैं। बमेंद्र ने इस सम्मान का श्रेय पथ प्रदर्शक से जुड़े सभी रक्तदाताओं एवं सहयोगियों को देते हुए कहा कि उनके

सहयोग से ही लगातार रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है। बमेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में पथ प्रदर्शक द्वारा युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 से मिशन रक्तदान हिंदुस्तान अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से अब तक देश के 9 राज्यों के 18 शहरों में रक्तदान शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। अयोध्या में मिले इस सम्मान से औरंगाबाद के रक्तसेवा अभियान से जुड़े लोगों में भी उत्साह है। बमेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि आने वाले दिनों में रक्तदान जागरूकता एवं रक्तसेवा के इस अभियान को देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा।

सासाराम: ऐतिहासिक हथिया कुआं का होगा सौंदर्यीकरण, डीएम ने दिए निर्देश

संवाददाता

सासाराम। रोहतास जिला स्थित सासाराम के करपुरवा वासियों के लिए एक बेहद अच्छी खबर है। क्षेत्र की प्राचीन और ऐतिहासिक पहचान 'हथिया कुआं' के दिन अब बहुरने वाले हैं।रोहतास के जिला पदाधिकारी श्री दीपक कुमार मिश्रा ने सासाराम के करपुरवा स्थित ऐतिहासिक 'हथिया कुआं' का औचक निरीक्षण किया। धरोहर की बदहाली पर कड़ा संज्ञान लेते हुए उन्होंने नगर आयुक्त को पूरे परिसर की साफ-सफाई और कुएं के पानी को स्वच्छ कर इसके सौंदर्यीकरण का काम जल्द शुरू करने का आदेश दिया है। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कुएं तक जाने वाली सड़क की मरम्मत की जाए और आसपास के सभी अतिक्रमित स्थलों को तुरंत अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि इसे पर्यटकों के लिए एक आकर्षक केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। डीएम दीपक कुमार मिश्रा ने इस स्थल को एक स्वच्छ,

सुंदर और आकर्षक पार्क या पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का बीड़ा उठाया है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, शुद्ध पानी और सड़क मरम्मत के साथ-साथ सबसे बड़ा कदम अतिक्रमण हटाने का निर्देश देकर स्थानीय लोगों को बड़ी राहत दी है। इस ऐतिहासिक धरोहर के सजने-संवरने से न सिर्फ सासाराम का गौरव बढ़ेगा, बल्कि यहां पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। सासाराम के करपुरवा में एक ऐसा ऐतिहासिक कुआं है, जिसका इस्तेमाल शेरशाह सूरी के शासनकाल में हाथियों को पानी पिलाने के लिए किया जाता था? विशालकाय हाथी खुद इस कुएं में उतरकर अपनी प्यास बुझाते थे, इसीलिए इसका नाम 'हथिया कुआं' पड़ा। सदियों पुराने इस गौरवशाली इतिहास को सहेजने के लिए रोहतास के जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा आगे आए हैं। उन्होंने इस प्राचीन स्थल का निरीक्षण कर इसके कायाकल्प की रूपरेखा तैयार की है।

बहुत जल्द गंदगी और अतिक्रमण के जाल से मुक्त होकर यह ऐतिहासिक स्थल स्थानीय लोगों और सैलानियों के लिए एक सुंदर पर्यटन स्थल के रूप में नजर आएगा।

संपादकीय

करोड़ों केस लगभग दो-दो दशकों से चल रहे

आज हमारे समाज में एक चिंता बढ़ती जा रही है। कई बार माता-पिता और बच्चों के बीच प्यार से ज्यादा सम्पत्ति का सवाल बड़ा हो जाता है। माता-पिता अपनी पूरी जिन्दगी बच्चों के भविष्य के लिए लगा देते हैं, अपनी जरूरतें रोकते हैं, बच्चों की पढ़ाई, घर, शादी और सुख के लिए मेहनत करते हैं लेकिन जब वही माता-पिता उम्र के उस पड़ाव पर पहुंचते हैं जब उन्हें सबसे ज्यादा समय और सम्मान तथा सहारे की जरूरत होती है, तब कभी-कभी सवाल उठता है मुझे क्या मिलेगा उनके लिए माता-पिता की सम्पत्ति विरासत हो सकती है लेकिन माता-पिता स्वयं विरासत नहीं हैं। माता-पिता को अपनी सम्पत्ति बच्चों को देने में खुशी होती है लेकिन उन्हें यह भी अधिकार है कि वह अपनी सम्पत्ति का निर्णय अपने जीवन की सुरक्षा और जरूरतों को ध्यान में रखकर करें। ऐसे में कई सम्पत्ति विवाद और केस कोर्ट में चल पड़ते हैं।

यह सच है कि देश में लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में करोड़ों केस लगभग दो-दो दशकों से चल रहे हैं। न्याय प्रणाली पर काम करने वाले एक रिसर्च ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार कम से कम डेढ़ करोड़ से ज्यादा केस मां-बाप व औलाद तथा अन्य रिश्तेदारों के बीच प्रोपर्टी विवाद से जुड़े हैं। कहीं लोन के नाम पर नकदी लेना तथा बाद में रकम वापस न लौटाने से जुड़े केस हैं तो कहीं पोतों ने दादा की जमीन व प्रोपर्टी में अपना हक जताते हुए माता-पिता के खिलाफ केस दायर कर रखा है, कहीं तलाक होने के बावजूद पत्नी को तय मुआवजा न देने से जुड़े केस हैं तो कहीं बच्चों ने मां-बाप की प्रोपर्टी अपने नाम धोखे से करवा ली है।

ऐसे केसों का समाधान होगा यह मामला चिन्तनीय तो है ही लेकिन उससे भी दुखदायी बात यह है कि बच्चे अपने माता-पिता को गारंटर बना कर लोन ले रहे हैं और अपनी फर्म को घाटे में दिखाकर यह धन वापस नहीं कर रहे हैं, लिहाजा मां-बाप के खिलाफ बैंक अब केस कर रहे हैं। इन बातों को देख कर यही सवाल पैदा हो रहा है कि आखिर रिश्ते कहां चले गए। माता-पिता व बच्चों का रिश्ता संस्कारों की पटरी से उतर कर लोभ के फास्ट ट्रैक पर कैसे पहुंच गया स्वार्थ और अपनी सुख-सुविधाओं के चक्कर में रिश्तों की यह दरार गहरी खाई कैसे बन गई यह, सवाल बड़े भयावह हैं। श्रीराम और कृष्ण तथा श्रवण कुमार जैसे पुत्रों वाले और अपने माता-पिता की सेवाओं के लिए प्रसिद्ध भारत देश से यह संस्कार और रिश्ते क्यों टूट रहे हैं, इसका जवाब और फैसले देश की अदालतों में होने लगे तो इसे क्या कहेंगे

ताजा मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचे एक केस का है जहां बेटे ने इस बात पर मां-बाप के खिलाफ प्रोपर्टी में हकदारी का केस इसलिए दर्ज कर दिया है कि माता-पिता ने उसे अपनी प्रोपर्टी से बेदखल कर दिया था। माता-पिता से बेटे और उसकी बहू ने अनुरोध किया कि हमें पहली मंजिल पर रहने की अनुमति दी जाए। मां-बाप ने इजाजत दे दी। इसके बाद बेटे व बहू ने माता-पिता पर दबाव बनाया कि पहली मंजिल हमारे नाम कर दो। सुप्रीम कोर्ट में दर्ज इस केस के अनुसार बेटे ने फर्जी दस्तावेजों के दम पर इस प्रोपर्टी पर मालिकाना हक भी जता दिया तो इस पर मां-बाप ने उसे अपनी प्रोपर्टी से बेदखल करते हुए नोटिस जारी करवाया।

इसके बाद उसे घर खाली करवाने का नोटिस दिया गया तो बेटा सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। इस सम्पत्ति विवाद पर जस्टिस सतीश चंद शर्मा ने बेटे को मां-बाप के संवेदनशील रिश्ते की अहमियत याद दिलाई। योग्य जज ने बेटे से कहा कि जो आप कर रहे हैं वह पाप है और बेटे को मां के पैर छूकर माफी मांगनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस केस में माता-पिता ने जो किया वह सही है और बेटा दोषी है। बेटे की याचिका खारिज कर दी गई। कोर्ट ने कहा कि ''माता-पिता प्रोपर्टी के मालिक हैं और बेटा तो सिर्फ लाइसैंसी है, लिहाजा यह केस खारिज किया जाता है।'' यह छोटा सा उदाहरण पांच दिन पुराना है लेकिन निचली अदालतों में ऐसे केसों व शिकायतों की संख्या लाखों में है और हाईकोर्ट, सेशन कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में भी यही स्थिति है। मां-बाप को अपनी प्रोपर्टी पर अपने हक के लिए अपने ही बच्चों से जूझना पड़ रहा है, आखिरकार ये रिश्ते इस कदर तार-तार कैसे हो गए। मेरा स्टैंड यही है कि बच्चों में संस्कार जगाने वाले दादा-दादी, नाना-नानी आजकल कहां हैं कुछ प्रतिशत को छोड़ दिया जाए तो जेन-जी यानि नई पीढ़ी अपनी जिन्दगी अपने ढंग से जीने की चाह में आगे बढ़ रही है मगर नैतिकता और संस्कार पीछे छूट रहे हैं।

शिक्षा मंत्री : संघ की पहली पसंद गडकरी

‘तेरी आरजू की छांव में नंगे पांव
दूर तलक भटकते हुए,
मेरे ख्वाब तुझे ढूंढते हुए,
नए रास्तों पर चलते हुए,
तू मिला भी तो बेगानों सा
अनजाने रास्तों के मुसाफिर सा,
अपनी मंजिल तलाशता इस बात से अनजाना कि मेरी मंजिल तो तू ही है!’

केंद्रीय मंत्रिमंडल का बहुप्रतीक्षित फेरबदल एक अबूझ पहेली बनता जा रहा है, दिल्ली का शीर्ष न तो पुराने चेहरों की रुखसती की इबारत ही ठीक से लिख पाया है और न ही उनकी जगह लेने को आतुर नए चेहरों की ही ठीक से शिनाख्त हो पाई है और न ही फेरबदल की किसी मुकम्मल तारीख को ही कोई चेहरा दिया जा सका है, बावजूद इसके दिल्ली की सियासत रोज बरोज नए पेंचोखम में उलझती जा रही है। ताजा मामला केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का बताया जाता है। 2014 की एनडीए सरकार में उन्हें लकदक विभागों से लाद दिया गया था, फिर शनैः शनैः उनकी सियासी महत्वाकांक्षाओं को कुतरना जारी रखा गया, सरकार 3-0 आते आते उनके पास बस यही सड़क परिवहन मंत्रालय ही बचा रह गया। पहले तो कयास लग रहे थे कि दिल्ली उन्हें पैदल करने की रणनीति पर काम कर रही है, जब यह शोर उठा तो संघ हरकत में आया, नागपुर गडकरी के पीछे मजबूती से खड़ा हुआ। संघ का स्पष्ट तौर पर मानना था कि ‘गडकरी एक रिजल्ट देने वाले मंत्री हैं, सो वे सजा नहीं, ईनाम के हकदार हैं।’ संघ के कड़े रुख के बाद दिल्ली का दिल पसीजा तो प्रस्ताव दिया गया कि ‘गडकरी का विभाग बदल दिया जाए,’ दिल्ली की मंशा उन्हें एक बहुत कम महत्व के मंत्रालय में शिफ्ट करने की थी। पर कहते हैं संघ प्रमुख ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए इस बात की वकालत की है कि ‘गडकरी को कोई बड़ा मंत्रालय मिलना चाहिए।’ कहते हैं इसके लिए उन्होंने शिक्षा मंत्रालय का सुझाव दिया है। संघ का कहना है कि गडकरी अपने अभिनव व नई सोच से शिक्षा मंत्रालय का भी कायाकल्प कर सकते हैं, जैसा उन्होंने देश के सड़क परिवहन के मामले में किया है। वे पेपर लीक मामले पर भी अंकुश लगा सकते हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अपने नए प्रयोगों के चलते देश के जेन जी व अल्फा का दिल भी जीत सकते हैं।’ वैसे भी संघ के अपने सांस्कृतिक व वैचारिक विस्तार के लिए शिक्षा मंत्रालय एक अहम उपक्रम है, केंद्र में जब-जब भाजपा नीत सरकार रही है, शिक्षा मंत्री सदैव संघ की पसंद का ही रहा है, सो माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के अगले फेरबदल में दिल्ली संघ को उपकृत करने का यह मामूली सा उपक्रम साध सकता है।

दिल्ली के जंतर मंतर हुए ‘जेन जी’ आंदोलन के बाद केंद्र सरकार अपनी इमेज को लेकर खासी सतर्क हो गई है। सो, तमाम केंद्रीय मंत्रियों व भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को दिल्ली से हिदायत मिली है कि ‘वे अपने काम-काज के तरीकों में ज्यादा से ज्यादा आक्रामकता व पारदर्शिता लाएं।’ दिल्ली ने कहा कि ‘सिर्फ विकास परियोजनाओं की घोषणाओं से काम नहीं चलेगा बल्कि नए प्रोजेक्ट बनाते समय केंद्र व राज्य इस बात का पूरा ध्यान रखें कि ‘प्रोजेक्ट शुड बी विजिएबल’ यानी प्रोजेक्ट दिखने में भी बड़ा व असरदार हो। ताकि जनता को यह संदेश दिया जा सके कि मोदी सरकार उनके हितों के लिए काम करने को कृतसंकल्प है।’ सो, दिल्ली ने अपने तमाम मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों को यह निर्देश दिए थे कि ‘वे अपनी आगामी परियोजनाओं को लेकर एक प्रेजेंटेशन तैयार करें और एक-एक कर इसे दिल्ली को दिखाएं।’ पिछले दिनों जब अमित शाह गुजरात में थे तो असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा अपना प्रेजेंटेशन लेकर सीधे अहमदाबाद ही पहुंच गए थे, बताया जाता है कि उन्होंने वहीं पर गृह मंत्री को अपना यह प्रेजेंटेशन दिया। कई और केंद्रीय मंत्रियों व सचिवों की भी अहमदाबाद पहुंचने की खबर थी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो आनन-फानन में यूपी की 107 विधानसभा सीटों को केंद्र में रखते हुए 3200 करोड़ रुपयों की एक महत्वाकांक्षी विकास योजना की घोषणा भी कर डाली, सनद रहे कि इन 107 में से ज्यादा विधानसभा सीटें ऐसी हैं जो सपा व कांग्रेस के प्रभुत्व वाली हैं। 2014 के बाद से जब से दिल्ली का शासन भगवा हुआ है तब से ही नौकरशाही की निकल पड़ी है, वैसे भी गुजरात के जमाने से ही नरेंद्र मोदी सरकार व शासन चलाने में ब्यूरोक्रेसी को खुला हाथ देते रहे हैं और बहुत हद तक उनकी निर्भरता भी इन पर बनी रहती है, पॉलिटिकल लीडरशिप से कहीं ज्यादा।

क्या अमेरिका, रूस और चीन के साथ मिलकर जी-3 बना सकता है, समझिए इसके पीछे की बदलती कूटनीति!

चूंकि समसामयिक वैश्विक परिदृश्य में अरब-खाड़ी देशों में अमेरिका-यूरोप की इज्जत दांव पर पड़ी हुई है, क्योंकि रूस-चीन का शह ईरान को हासिल है। इससे पहले यूक्रेन में रूस-चीन-उत्तर कोरिया की सैन्य साख दांव पर पड़ी हुई है, क्योंकि अमेरिका-यूरोप मिलकर यूक्रेन को भड़काए हुए हैं

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "रणनीतिक स्वायत्तता" वाली कूटनीति से जहां अमेरिका, चीन, रूस तीनों बड़े देश घबराए हुए हैं, वहीं फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे देश इसमें ही अपना कूटनीतिक भविष्य देख रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों का भी मानना है कि यदि भारत अपने मिशन में कामयाब हो जाता है तो इससे न केवल बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि अमेरिका, रूस और चीन के "हथियारों के सौदागरों" के हाथ-पांव भी ठिठक जाएंगे।

चूंकि समसामयिक वैश्विक परिदृश्य में अरब-खाड़ी देशों में अमेरिका-यूरोप की इज्जत दांव पर पड़ी हुई है, क्योंकि रूस-चीन का शह ईरान को हासिल है। इससे पहले यूक्रेन में रूस-चीन-उत्तर कोरिया की सैन्य साख दांव पर पड़ी हुई है, क्योंकि अमेरिका-यूरोप मिलकर यूक्रेन को भड़काए हुए हैं। वैसे तो चीन को ताइवान में और भारत को पीओके में उलझाने की साजिश पश्चिमी-पूर्वी देशों के इशारे पर रचाई गई, लेकिन भारत और चीन के सूझबूझ वाले नेतृत्व ने समय रहते ही स्थिति को संभाल लिया। इससे हथियारों के वैश्विक सौदागरों और ड्रग्स सप्लायर्स का भारत-चीन से खफा होना स्वाभाविक है। इससे होने वाले घाटे की भरपाई के लिए ही तो अमेरिका ने दोनों देशों के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेड़ दिया। # मोदी डॉक्ट्रिन" के चक्रव्यूह में हर ओर से घिरा महसूस करने लगा है अमेरिका : और जब इसमें भी अमेरिका विफल हो गया और "मोदी डॉक्ट्रिन" के चक्रव्यूह में हर ओर से घिरा महसूस करने लगा तब उसने ग्रुप-तीन (G-3) का नया पैंतरा बदला। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अमेरिका के व्हाइट हाउस के "जी तीन" प्लान पर रूस के क्रेमलिन ने भी रजामंदी जताई है और बताया है कि पुतिन और जिनपिंग ने नवंबर में शेनजेन में होने वाले APEC सम्मेलन के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के साथ G3 बैठक करने पर चर्चा की है। अगर अमेरिका, रूस और चीन एक साथ बातचीत की मेज पर बैठ जाते हैं और किसी सहमति तक पहुंचते हैं, तो ये दूसरे विश्व युद्ध के बाद बने उस ‘याल्टा सिस्टम’ का अंत होगा, जिसने यूएन सुरक्षा परिषद को बनाया था। कहने का तात्पर्य यह कि अब अमेरिका, रूस और चीन परस्पर मिलकर दुनिया के अन्य मजबूत देशों भारत, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील आदि को अपने अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे पर चलाएंगे और इनसे मुनाफा कमाएंगे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल साउथ की जो वैश्विक चाल चली है, उसमें भारत विरोधी महारथियों का उलझना और छटपटाना तय है। वहीं, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे देशों को ये त्रिपक्षीय पहल नागवार गुजरी तो फिर दुनियावी कशमकश और दिलचस्प हो जाएगी।

वर्तमान भू-राजनीतिक तनावों और कूटनीतिक विरोध के हल की कुंजी है अमेरिका, रूस और चीन के ही पास : यूं तो वर्तमान भू-राजनीतिक तनावों और कूटनीतिक विरोध के कारण अमेरिका, रूस और चीन का मिलकर 'जी-3' बनाना वर्तमान परिदृश्य में अत्यधिक असंभावित चिंतन है। लेकिन जब मुख्य "षड्यंत्रकारी राष्ट्र" अमेरिका और उसके मनमौजी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंफ ही रूस-चीन युगलबंदी के समक्ष घुटने टेकते हुए ऐसा आकर्षक प्रस्ताव दे रहे हैं तो रूस-चीन दोनों के लिए भी यह आकर्षक डील होगी। चूंकि अमेरिका ने ही भारत-रूस की दोस्ती के मुकाबले चीन की तरक्की में योगदान दिया है तो चीन के लिए भी तो यह और अधिक फायदे का सौदा होगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि अमेरिका-रूस में तनावपूर्ण संबंध हैं, और अमेरिका ने रूस पर कई प्रतिबंध भी लगा रखे हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष और अन्य क्षेत्रीय मुद्दों के कारण अमेरिका और रूस के संबंध बहुत खराब हैं, ऐसे में बात कहां तक बढ़ेगी नवंबर 2006 तक इंतजार करना होगा। जहां तक अमेरिका और चीन की बात है तो दोनों देशों में रणनीतिक प्रतिस्पर्धा जारी है। अमेरिका और चीन आर्थिक और सैन्य मामलों में दुनिया के मुख्य प्रतिद्वंद्वी देश हैं। खास बात यह कि अमेरिका, रूस और चीन में विचारधारा का अंतर है। अमेरिका एक लोकतांत्रिक व्यवस्था का समर्थन करता है, जबकि रूस और चीन की शासन प्रणालियां उससे अलग हैं। ऐसे में जी-तीन की छतरी के नीचे आने के लिए तीनों देशों को भारी कीमत चुकानी होंगी और किसी सर्वमान्य निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले कई तरह के कूटनीतिक पापड़ बेलने पड़ेंगे।

दुनिया के लगभग सभी प्रगतिशील देश समझ चुके हैं अमेरिकी चतुराई : देखा जाए तो पहले अमेरिका और सोवियत संघ की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में, फिर अमेरिका और चीन की अंतर्राष्ट्रीय तनातनी में और रूस के साथ चीन के खड़े होने और भारत द्वारा भी रूस की इज्जत करने से अमेरिका बेचैन है। वहीं यूरोप भी अमेरिका की चतुराई समझ चुका है। इससे जी-7 और नाटो जैसे उसके पुराने हथियार अब एशियाई- यूरोपीय मामलों में भोथरे साबित हो चुके है। फिर उसने जी-20 की चाल चली लेकिन यहां भी भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद कर अमेरिकी अरमानों पर पानी फेर दिया।

इधर, भारत की रूसी सहभागिता, चीन की मौजूदगी, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ईरान आदि की मौजूदगी वाले एससीओ और ब्रिक्स में बढ़ती दिलचस्पी से अमेरिकी चौधराहट को एक नया खतरा उत्पन्न हो गया है। वैसे तो अमेरिकी डीप स्टेट ने भारत-चीन संबंधों को बिगाड़ने की पूरी चाल चली, लेकिन परिपक्व भारतीय कूटनीति के सामने अकसर वह लाचार दिखा। वहीं, भारत के पड़ोसी देशों को भड़काकर भी वह अपना उल्लू सीधा नहीं कर सका। यही वजह है कि भारत में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता से पहले रूस-चीन के लिए उसने जी-तीन का नया चारा डाल दिया।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के पास भी अमेरिका से हाथ मिलाने की हैं कई बड़ी वजहें : ऐसे में जहां रूस के राष्ट्रपति पुतिन के पास भी अमेरिका से हाथ मिलाने की अपनी बड़ी वजहें हैं। वास्तव में पुतिन की मजबूरी है कि करीब साढ़े चार साल से चल रहे यूक्रेन युद्ध में वो उलझे हुए हैं, जिसने रूस की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है और मोर्चे पर भी कोई साफ जीत नजर नहीं आ रही है। वहीं दूसरी तरफ, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग काफी मजबूत स्थिति में हैं। तभी तो वो बिश्केक, काहिरा और दिल्ली का दौरा खत्म करने के बाद सीधे व्हाइट हाउस, अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे हैं। चूंकि शी जिनपिंग की स्थिति मजबूत है और वह हर मामले में सधी हुई चाल चलते हैं। इसलिए ट्रंप उनके मुरीद हैं। मुंह में राम, बगल में छुरी वाले अंदाज में।

भारत अपनी अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास दर की रफ्तार बढ़ाकर G-3 के वैश्विक कुचक्रों का कर सकता है मुकाबला : हालांकि, भारत अपनी अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास दर की रफ्तार बढ़ाकर खुद को इतना मजबूत बना सकता है कि G-3 का कोई भी देश भारत को नजरअंदाज करने की स्थिति में न रहे। यानी भारत अपनी आर्थिक ताकत में इजाफा करके स्थिति को कभी भी अपने पक्ष में कर लेगा। वहीं, जिस तरह रूस और चीन ब्रिक्स का इस्तेमाल करते हुए भी अमेरिका से सीधा फायदा निकालते आए हैं, ठीक वैसे ही भारत भी सभी बड़े देशों से अपने हितों के हिसाब से सीधे रिश्ते साधकर वैश्विक मेज पर अपनी जगह मजबूत रखेगा। इसके दृष्टिगत भारत स्मार्ट और व्यवहारिक कूटनीतिक का सहारा लेगा। इसके अलावा, भारत फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे देशों के साथ मिलकर एक नया मजबूत मोर्चा खड़ा कर सकता है और इस प्रकार जो मिडिल पावर्स का नया फ्रंट बनेगा, उससे भारत लाभांवित होगा। दरअसल, ये वो देश हैं जो दुनिया की कमान सिर्फ तीन देशों के हाथों में सिमटे, ऐसा नहीं होने देना चाहते, इसलिए परस्पर एकजूट हैं।

अमेरिका, रूस और चीन का जी-3 महज एक परिकल्पना, जमीनी हकीकत से दूर है यह त्रिकोणीय तालमेलः यह बात दीगर है कि भू-राजनीतिक स्तर पर अमेरिका, रूस और चीन के बीच एक संभावित जी-3 त्रिकोणीय तालमेल या महान शक्ति समझौते की जो चर्चाएँ सामने आ रही हैं, वह अभी कोई औपचारिक और स्थायी गठबंधन नहीं है। चूंकि तीनों देशों के शीर्ष नेताओं की सीधी बातचीत होगी, इसलिए अमेरिकी नेतृत्व बहुपक्षीय संगठनों के बजाय सीधे रूस और चीन के राष्ट्र प्रमुखों से व्यक्तिगत स्तर पर संपर्क साधने की नीति को प्राथमिकता पर रखता है। विश्लेषकों का भी मानना है कि दुनिया की ये तीन सबसे बड़ी महाशक्तियाँ आपस में मिलकर वैश्विक व्यवस्था के नियमों को तय करने के लिए एक त्रिकोणीय ढांचा बना सकती हैं, ताकि वैश्विक सत्ता का संतुलन बरकरार रहे। चूंकि इन तीनों देशों के पास विशाल सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक ताकत है, जिसके बल पर वे बड़े भू-राजनीतिक सौदे कर सकते हैं। यह एक प्रकार की रणनीतिक सौदेबाजी होगी, उससे ज्यादा कुछ नहीं। # रूस और चीन के पारस्परिक सहयोग से अमेरिका को टेकने पड़ेंगे घुटने : चूंकि रूस और चीन अपने पारंपरिक सहयोग या ब्रिक्स जैसे मंचों को छोड़कर अमेरिका के पाले में पूरी तरह नहीं आ रहे हैं; बल्कि वे इन मंचों के साथ-साथ वाशिंगटन से भी सीधे संवाद की गुंजाइश तलाश रहे हैं। ताकि ब्रिक्स का अंत नहीं हो और अमेरिका से रणनीतिक लाभ भी मिलता रहे। गौर करने वाली बात यह है कि तीनों देशों के बीच बुनियादी मतभेद हैं। खासकर व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और क्षेत्रीय आधिपत्य जैसे गंभीर मुद्दों पर तीनों देशों के हित एक-दूसरे के विपरीत हैं। इसलिए क्या जी-3 एक पक्का गठबंधन बनेगा, इसमें संदेह है। जब इसे लेकर कोई औपचारिक संधि होगी, या कोई लिखित समझौता होगा या फिर नाटो जैसा कोई नया सैन्य गुट बनेगा, तब यह समझा जाएगा कि अमेरिका, चीन और रूस अब एक दूसरे के करीब जा चुके हैं।

समझिए आखिर जब नई दिल्ली में मोदी से जिनपिंग मिलेंगे तो दुनिया में क्या कूटनीतिक संदेश जाएगा

पांचवां, व्यापार और आर्थिक संबंधों को ''नियंत्रित सामान्यीकरण'' मिल सकता है: भारत-चीन व्यापार बड़ा है, लेकिन सुरक्षा और भरोसे की समस्याएं बनी हुई हैं। इसलिए संभावित बातचीत में व्यापार, निवेश, वीजा, उड़ानों और कारोबारी बाधाओं को कम करने की दिशा में संकेत महत्वपूर्ण होंगे

अगर 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय मुलाकात होती है, तो इसका कूटनीतिक संदेश केवल भारत-चीन संबंधों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह एशिया और वैश्विक शक्ति-संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत होगा। ऐसा इसलिए कि चीनी राष्ट्रपति शी की यह भारत यात्रा सात वर्षों बाद हो रही है। लिहाजा उम्मीद बंधी है कि जब मोदी-शी मुलाकात होगी तो सीमा पर तनाव से लेकर रणनीतिक संवाद तक, खुलकर बात होगी और फिर दोनों नेताओं के मूड से पता चलेगा कि क्या भारत-चीन संबंधों में कोई नया अध्याय खुलेगा या यथास्थिति बनी रहेगी?

देखा जाए तो इस द्विपक्षीय मुलाकात के 8 बड़े कूटनीतिक संदेश होंगे, जो इस प्रकार हैंः- पहला, सीमा विवाद के बावजूद संवाद बंद नहीं होगाः सबसे बड़ा संदेश यह होगा कि गलवान झड़प (2020) के बाद पैदा हुआ अविश्वास अब पूर्ण टकराव की नीति में नहीं बदल रहा, बल्कि अगस्त में अजित डोभाल और वांग यी की 25वीं विशेष प्रतिनिधि वार्ता में सीमा-प्रबंधन, सैन्य हॉटलाइन और सीमा व्यापार जैसे मुद्दों पर आगे बढ़ने के संकेत मिले हैं, जो इस मुलाकात के बाद और आगे बढ़ सकते हैं। दूसरा, मोदी का साफ संदेश, ''सीमा पर शांति, तभी व्यापक संबंध'': भारत के लिए मुलाकात का अर्थ यह नहीं होगा कि सीमा विवाद समाप्त हो गया, बल्कि नई दिल्ली यह संदेश दे सकती है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता भारत-चीन संबंधों के सामान्यीकरण की बुनियादी शर्त है। 2025 की मोदी-शी बैठक में भी मोदी ने सीमा क्षेत्रों में शांति को द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया था। स्वाभाविक है कि इस बार भी मोदी वही बात दोहराएंगे, ताकि तरक्की का माहौल बने।

तीसरा, चीन को अमेरिका-भारत समीकरण का संकेतः दिलचस्प बात यह है कि शी की भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका और चीन के बीच भी उच्चस्तरीय बातचीत चल रही है। इसलिए बीजिंग यह समझना चाहेगा कि भारत को केवल अमेरिकी रणनीतिक खेमे के हिस्से के रूप में नहीं देखा जा सकता। लिहाजा भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना चाहता है। चौथा, ब्रिक्स में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका मजबूत होगीः नई दिल्ली में शी का आना अपने आप में भारत की कूटनीतिक क्षमता का प्रदर्शन है। भारत एक ही मंच पर चीन, रूस, ईरान और अन्य प्रमुख वैश्विक दक्षिण देशों को साथ ला रहा है। ऐसे समय मोदी-शी बातचीत का संदेश होगा कि भारत पश्चिम और चीन—दोनों से संवाद करने की क्षमता रखता है। इससे भारत का महत्व हर जगह बढ़ेगा। पांचवां, व्यापार और आर्थिक संबंधों को ''नियंत्रित सामान्यीकरण'' मिल सकता हैः भारत-चीन व्यापार बड़ा है, लेकिन सुरक्षा और भरोसे की समस्याएं बनी हुई हैं। इसलिए संभावित बातचीत में व्यापार, निवेश, वीजा, उड़ानों और कारोबारी बाधाओं को कम करने की दिशा में संकेत महत्वपूर्ण होंगे। मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में सुधार के बावजूद रणनीतिक अविश्वास अभी भी बड़ी बाधा है, जो आगे भी नहीं रह सकती है, जबतक चीन अपनी ओछी हरकतें बंद नहीं कर देता। छठा, पाकिस्तान के लिए भी स्पष्ट संदेश जाएगाः पाकिस्तान अभी चीन-अमेरिका-अरब तीनों को उल्लू बना रहा है। इस लिहाज से भारत-चीन के सुधरते संबंध उसे बेचैन कर सकते हैं। मोदी-शी की प्रत्यक्ष बातचीत से पाकिस्तान को संकेत मिल सकता है कि भारत-चीन संबंधों को केवल भारत-पाकिस्तान समीकरण के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। भारत चीन से प्रतिस्पर्धा भी कर सकता है और अपने हितों के अनुसार बातचीत भी। यह बहुत महत्वपूर्ण पहलू है।

सातवां, सबसे बड़ा संदेश- ''प्रतिद्वंद्वी, लेकिन अनिवार्य संवाद साझेदार'': यही इस मुलाकात का सबसे सटीक कूटनीतिक सार होगा। भारत और चीन के बीच सीमा, व्यापार, तकनीक, इंडो-पैसिफिक और सुरक्षा को लेकर गंभीर मतभेद हैं; लेकिन दोनों एक-दूसरे को नजरअंदाज भी नहीं कर सकते। हालिया घटनाक्रम को कुछ विश्लेषक सीधा मुकाबला से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व की ओर सावधान बदलाव के रूप में देख रहे हैं। आठवां, असली परीक्षा फोटो नहीं, परिणाम होगाः देखा जाए तो मोदी-शी की मुलाकात की सफलता को हाथ मिलाने या गर्मजोशी भरी तस्वीर से नहीं मापा जाना चाहिए, बल्कि असली सवाल होंगे— क्या छअउ पर स्थायी शांति की दिशा में ठोस कदम निकलता है? क्या सीमा विवाद के समाधान की राजनीतिक प्रक्रिया तेज होती है? क्या व्यापार असंतुलन पर कोई व्यावहारिक पहल होती है? क्या सीधी उड़ानें और वीजा व्यवस्था और सामान्य होती है? क्या दोनों देश एक-दूसरे के खिलाफ रणनीतिक अविश्वास कम करने के लिए कोई नया तंत्र बनाते हैं? इसलिए शीर्षक की भाषा में कहें तो ''मोदी-शी मुलाकातः सीमा पर तनाव से रणनीतिक संवाद तक, क्या भारत-चीन संबंधों में खुलेगा नया अध्याय?'' और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत का चीन के सामने झुकना नहीं, बल्कि अपनी शक्ति और रणनीतिक स्वायत्तता के आधार पर चीन से बातचीत करने का संकेत होगा। साथ ही, यदि सीमा पर वास्तविक प्रगति नहीं होती, तो केवल शिखर बैठक को ''भारत-चीन संबंधों में बड़ा बदलाव'' मानना जल्दबाजी होगी। फिर अगले मौके तक इंतजार करना होगा।

संतान सुख और नौकरी के लिए इन प्रसिद्ध मंदिर में चढ़ाते हैं रिज्यूमे व लौकी

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है। यहां पर उत्तर से लेकर दक्षिण तक कई भव्य और प्राचीन मंदिर हैं। यह मंदिर सिर्फ पूजा-पाठ का स्थान नहीं बल्कि लोक परंपरा और अनोखी मान्यताओं के लिए भी जाने जाते हैं। भारत के हर एक मंदिर की अपनी कहानी है, जो उसको अन्य मंदिरों से अलग बनाते हैं। आमतौर पर ज्यादातर मंदिरों में मन्नत पूरी होने पर फल-फूल, मिठाई, पैसा, नारियल, सोना और चांदी चढ़ाई जाती है। लेकिन कुछ मंदिर ऐसे भी हैं, जहां पर मनोकामना पूरी होने पर बायोडाटा, तांबे-पीतल की घंटियां, हरी लौकी और लकड़ी आदि चढ़ाई जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इन अनोखे मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं। चितई गोलू देवता मंदिरः चितई गोलू देवता मंदिर उत्तराखंड के अल्मोड़ा से करीब 8 किमी दूर है। यह राज्य के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यहां पर गौर भैरव के रूप में भगवान शिव के अवतार गोलू देवता की पूजा-अर्चना की जाती है। गोलू देवता को न्याय का देवता भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि यहां पर श्रद्धालु अपनी इच्छा और न्याय पाने के लिए कागज पर अर्जी या स्टांप पेपर लिखकर बांधते हैं। वहीं मन्नत पूरी होने के बाद श्रद्धालु भगवान को तांबे या पीतल की घंटियां अर्पित की जाती हैं। इस

कारण इस मंदिर को घंटी वाला मंदिर भी कहा जाता है। महामाया माता मंदिरः महामाया माता मंदिर राजस्थान के नागौर जिले में स्थित है। इस मंदिर को 'बच्चों वाली माता' के धाम के रूप में भी जाना जाता है। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत है कि यहां पर बच्चों को होने वाली गंभीर बीमारियों का इलाज आध्यात्मिक तरीके से होता है। जैसे अगर किसी बच्चे को देर से बोलने की समस्या, बोलने में तुतलापना, लकवा या गंभीर शारीरिक परेशानियां होती हैं, तो महामाया माता मंदिर के दरबार में ठीक होने की प्रार्थना की जाती है। इसके अलावा बच्चे के रोग खत्म होने पर मां को प्रसन्न करने के लिए लकड़ी का पालना अर्पित किया जाता है। शाटन देवी मंदिरः शाटन देवी मंदिर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के रतनपुर में स्थित है। यह मंदिर लोगों के बीच आस्था का बड़ा केंद्र है। वैसे तो इस मंदिर में हर कोई दर्शन के लिए आ सकता है। लेकिन जो लोग संतान प्राप्ति की इच्छा रखते हैं, तो उनके लिए यह मंदिर बेहद खास है। इस मंदिर की अनोखी परंपरा के अनुसार, भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर तेंदू और लौकी की लकड़ियां चढ़ाते हैं। करणी माता मंदिरः करणी माता का मंदिर राजस्थान के सीकर जिले में हैं। यहां पर नौकरी की इच्छा रखने वालों की मनोकामना पूरी होती है। करणी माता मंदिर को लेकर धार्मिक मान्यता है कि अगर कोई जातक बार-बार नौकरी या फिर इंटरव्यू में असफल हो जाता है। तो यहां पर दर्शन करने मात्र से व्यक्ति की नौकरी लग जाती है। वहीं यहां पर कई भक्त करणी माता के चरणों में सीवी भी अर्पित करते हैं, जिससे की उनकी अच्छी सी नौकरी लग जाए।

संक्षिप्त खबरें

लोक संवाद गोष्ठी में साइबर ठगी और सामाजिक सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों को किया गया जागरूक

संवाददाता

औरंगाबाद: ओबरा प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रतनपुर के मनोरा बाजितपुर स्थित बुद्ध स्थल परिसर में शनिवार को लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता ओबरा थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने की। इस दौरान अपर थानाध्यक्ष कुणाल कुमार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में पंचायत के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और पुलिस पदाधिकारियों के समक्ष स्थानीय स्तर की समस्याओं एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर संवाद किया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने ग्रामीणों को विशेष रूप से साइबर ठगी से बचाव को लेकर जागरूक किया। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के फोन, मैसेज या लिंक पर भरोसा कर बैंक संबंधी जानकारी, ओटीपी, एटीएम अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने की भी अपील की गई। उन्होंने पंचायत में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी पुलिस को देने की बात कही। साथ ही विद्यालय जाने वाले छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। बच्चों के आवागमन के दौरान अभिभावकों को सतर्क रहने तथा किसी प्रकार की परेशानी होने पर पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई।

थानाध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखना पुलिस के साथ-साथ आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। ग्रामीणों से आपसी विवाद को बढ़ाने के बजाय संवाद के माध्यम से समाधान करने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर आनंद कुमार, विश्वनाथ सिंह, गिरजानंद मेहता, रामप्रवेश ठाकुर, कइल राम, सुदामा कुमार, अमरेंद्र कुमार, रामरहेश मेहता, रामपुकार पासवान, श्रीकांत कुमार, सुलभ कुमार, धनजय मालाकार, विकास कुमार, सुनील कुमार, रामबाबू मेहता, रामराजी देवी, सुमन देवी, नीलम देवी, संजीव कुमार, रीता देवी, जयराम मेहता सहित सरपंच प्रतिनिधि संतोष कुमार शर्मा एवं भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

दानापुर-जोगबनी वंदे भारत एक्सप्रेस का पाटलिपुत्र जंक्शन पर ठहराव शुरू, केंद्रीय मंत्री और सांसद ने दिखाई हरी झंडी

संवाददाता

पटना। यात्रियों के लिए खुशखबरी। रविवार, 13 सितंबर 2026 से गाड़ी संख्या 26302 दानापुर-जोगबनी वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव पाटलिपुत्र जंक्शन स्टेशन पर शुरू कर दिया गया है। पाटलिपुत्र जंक्शन पर इस ट्रेन के ठहराव का शुभारंभ सहकारिता मंत्री, बिहार सरकार रामकृपाल यादव, सांसद पटना साहिब श्री रविशंकर प्रसाद एवं विधायक दीघा श्री संजीव चौरसिया* द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रेलवे द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार गाड़ी संख्या 26302 दानापुर-जोगबनी वंदे भारत एक्सप्रेस प्रतिदिन 17:21 बजे पाटलिपुत्र जंक्शन पहुंचेगी और 17:23 बजे जोगबनी के लिए प्रस्थान करेगी। यह सुविधा 13 सितंबर 2026 से लागू हो गई है। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 26301 जोगबनी-दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव 14 सितंबर 2026 से पाटलिपुत्र जंक्शन पर दिया गया है।

यह ट्रेन 11:11 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी और 11:13 बजे दानापुर के लिए रवाना होगी। पाटलिपुत्र जंक्शन पर इस ट्रेन के ठहराव से पाटलिपुत्र, दीघा, दानापुर, फुलवारीशरीफ और पश्चिमी पटना के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। अब इन क्षेत्रों के यात्रियों को दानापुर जाकर ट्रेन पकड़ने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत होगी। यह ट्रेन पटना से सहरसा, पूर्णिया, अररिया होते हुए जोगबनी तक तेज और आरामदायक यात्रा प्रदान करती है।

औरंगाबाद डाल्टेनगंज मुख्य पथ पर भीषण हादसा ऑटो सवार युवक की मौत

संवाददाता

औरंगाबाद : औरंगाबाद-डाल्टेनगंज मुख्य पथ पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भैरोपुर और चतरा मोड़ के बीच रविवार की अहले सुबह तेज रफ्तार पिकअप ने सवारियों से भरे ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप सड़क किनारे खेत में जा घुसा। हादसे में ऑटो चालक समेत कई लोग घायल हो गए। गंभीर रुप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर किया गया है। हादसे में फेसर थाना क्षेत्र के बाकन गांव निवासी अरविंद सिंह के पुत्र दीपू सिंह उर्फ दीपक कुमार सिंह की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रविवार की सुबह ऑटो अनुग्रह नारायण रेलवे स्टेशन से कुटुंबा प्रखंड के घेऊरा गांव की ओर जा रहा था। ऑटो में कई यात्री सवार थे। भैरोपुर और चतरा मोड़ के बीच पहुंचने पर सामने से आ रहा तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित हो गया और ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप ऑटो को रौंदते हुए सड़क किनारे खेत में जाकर पलट गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने घटनास्थल पर पहुंचकर ऑटो में फंसे घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रुप से घायल दो लोगों को वाराणसी भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

परैया के वॉलीबॉल दंगल में 'साउथ दंगल' बनी विजेता, 10 टीमों ने दिखाया अपना दम

संवाददाता

परैया गया: पीएम श्री अशोक उच्च विद्यालय के खेल मैदान में रोमांचक वॉलीबॉल दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. मंझियावां पंचायत की मुखिया संगीता देवी द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने हिस्सा लिया. प्रतियोगिता के दौरान सभी टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली. अपने बेहतरीन और निरंतर प्रदर्शन के बल पर 'नॉर्थ बिंदास परैया' और 'साउथ दंगल परैया' की टीमों ने फाइनल में अपनी जगह बनाई. फाइनल मैच में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर हुई, जिसमें साउथ दंगल परैया की टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं 'नॉर्थ बिंदास परैया' की टीम उप-विजेता रही. मैच के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी नागेंद्र कुमार उर्फ शिवजी एवं युवा जदयू प्रखंड अध्यक्ष गीतेश दांगी ने विजेता और उप-विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया.

घरेलू विवाद में पुत्र ने लोहे के रड से पिता की हत्या की, हत्यारा पुत्र गिरफ्तार

संवाददाता

गुरुआ गया: गुरुआ थाना क्षेत्र के बरमा गांव में रविवार को घरेलू विवाद के दौरान एक पुत्र ने लोहे के रड से हमला कर अपने पिता की हत्या कर दी.मृतक की पहचान बरमा गांव निवासी 50 वर्षीय दीपा मांझी के रूप में हुई है.घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पुत्र संदीप मांझी (16) को गिरफ्तार कर लिया. ग्रामीणों के अनुसार, दीपा मांझी पंचायत सरकार भवन के समीप बैठकर कुछ काम रहा था.

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

जनभागीदारी बढ़ाने एवं सार्वजनिक परिसंपत्तियों के सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर

संवाददाता

औरंगाबाद: जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में प्राप्त निदेशों के अनुपालन तथा जिले में दोनों अभियानों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि सेवा संकल्प अभियान' 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जनभागीदारी एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का प्रसार किया जाएगा। इसके अंतर्गत आशीर्वाद का दीया', 'सेवा चित्र', 'सेवा स्मरण', 'आंगन का मिलन', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'सेवा के रंग'* तथा हैकथॉन एवं इन्नोवेशन चैलेंजिं' जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। 'सेवा मेरा योगदान' गतिविधि के तहत जिले में मॉडल गांव विकसित किया जाएगा। मॉडल गांव में स्वच्छता एवं साफ-सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरे गांव को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित बनाने की दिशा में कार्य किया

जाएगा। गांव में स्वच्छता, हरियाली एवं बेहतर वातावरण के साथ-साथ सार्वजनिक स्थलों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वहीं कायाकल्प अभियान' 17 सितंबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य पूर्व से निर्मित सार्वजनिक परिसंपत्तियों के अनुरक्षण, मरम्मति, सुदृढ़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण के साथ-साथ आवश्यकतानुसार नई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण एवं जनसुविधाओं का उन्नयन करना है। अभियान के तहत विद्यालयों, स्वास्थ्य संस्थानों, आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत भवनों एवं अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों की मरम्मति, साफ-सफाई, रंग-रोगन एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल परिसंपत्तियों के अनुरक्षण, विशेष स्वच्छता अभियान, सोलर स्ट्रीट लाइट, गली-नाली के पक्कीकरण तथा अन्य आवश्यक जनसुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में कार्य किया जाएगा। नगरीय क्षेत्रों में भी सार्वजनिक परिसंपत्तियों एवं स्ट्रीट लाइट की मरम्मति तथा आवश्यकतानुसार नई परिसंपत्तियों के निर्माण पर जोर रहेगा। कायाकल्प अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में लगभग 10 प्राथमिकता वाली योजनाओं का चयन किया जाना है। योजनाओं के चयन में विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भूमि की उपलब्धता, तकनीकी विवरण एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं का सत्यापन किया जाएगा। चयनित योजनाओं का अनुमोदन ग्राम सभा की विशेष बैठक के माध्यम से कराया जाएगा तथा उनकी प्रविष्टि सेवा संकल्प' पोर्टल पर की जाएगी। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारियों को दोनों अभियानों के कार्यों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही योजनाओं के नियमित अनुश्रवण, स्थल निरीक्षण एवं प्रगति की समीक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' के माध्यम से जिले में जनभागीदारी को मजबूत करने के साथ-साथ सार्वजनिक परिसंपत्तियों को बेहतर, उपयोगी एवं जनहितकारी बनाया जाए, ताकि आमजनों को अधिक सुगम एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त कुमारी अनुपम सिंह, अपर समाहर्ता लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी जयप्रकाश नारायण, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्री इफ्तेखार अहमद, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्वेतांक लाल, अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी श्वेता प्रियदर्शी, जिला योजना पदाधिकारी श्री अविनाश प्रकाश, निदेशक डीआरडीए अनुपम कुमार, कला एवं संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज एवं सभी बीडीओ, सीओ, बीपीआरओ, एमओ, सीडीपीओ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

यूजीसी रोलबैक और आरक्षण सुधार परिचर्चा के दौरान भाजपा के प्रति सवर्णों का छलका दर्द

किसका विकास किसका अधिकार किसका भविष्य यूजीसी रोलबैक : रुद्र प्रताप

संवाददाता

औरंगाबाद: यूजीसी रोल बैक और आरक्षण सुधार आंदोलन उच्च शिक्षा संस्थानों के नए नियमों और आरक्षण नीतियों में बदलाव की मांग को लेकर चल रहा एक प्रमुख सामाजिक-राजनीतिक विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैलते जा रही है उसी के कड़ी में आज जिला मुख्यालय में तेज तर्रार भाजपा नेता अनिल सिंह, सुनील सिंह के संरक्षण में रुद्र प्रताप सिंह, आर्यन सिंह, निशांत तिवारी एवं पिंकू सिंह, दीपक सिंह के नेतृत्व में एक निजी होटल में स्वर्ण संघर्ष समिति के द्वारा एक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें यूजीसी रोलबैक रिजर्वेशन रिफॉर्म पर चर्चा की गई चर्चा के दौरान प्रदर्शनकारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के कुछ नए प्रावधानों और नियमों को पूरी तरह वापस लेने की मांग कर रहे हैं। आरक्षण रिफॉर्म इस आंदोलन से जुड़े लोग मौजूदा आरक्षण व्यवस्था में तार्किक सुधार, आर्थिक आधार पर समीक्षा या कोटे में बदलाव की मांग उठा रहे हैं। वहीं आंदोलन के दौरान एससी-एसटी एक्ट के प्रावधानों में संशोधन या इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की भी मांग की जा रही है।

कई समूहों और प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी इन मांगों पर विचार नहीं किया जाता, तब तक वे चुनावों में नोटा का उपयोग करने या राजनीतिक दलों के विरोध का रास्ता अपनाएंगे। सभी वक्ताओं ने एक और में कहा की आज हमें चुप बैठने की जरूरत नहीं है क्योंकि आने वाली पीढ़ी आगे हमसे जरूर सवाल करेगी कि जिस समय यह बिल बन रहा था या बिल पास हो रहा था आप उसे समय क्या कर रहे थे क्या आपको अपने भविष्य की चिंता नहीं थी की जिन्होंने कोई जुर्म किया ही ना हो और उसकी सजा मिले? अरे मिलना तो छोड़ दीजिए अगले को अपना पक्ष रखने का मौका ना मिले क्या यही सबका साथ और सबका विकास है? आज भी यह प्रश्न मुंह बाए खड़ी है जिस पर सरकार हो या विपक्ष कोई भी बोलने से साफ-साफ बच रहा है। क्या नरेंद्र मोदी की सरकार का सबका साथ और सबका विकास की परिपाटी यही है।

परैया में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन, सैकड़ों ग्रामीणों ने उठाया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

संवाददाता

परैया गया: परैया बाजार स्थित परिषद मध्य विद्यालय प्रांगण में रविवार को उर्मिला नर्सिंग होम के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. यह शिविर संपन्न हुआ.

शिविर में मुख्य चिकित्सक डॉ. अपराजिता कुमारी द्वारा मरीजों की स्वास्थ्य जाँच की गई एवं उचित चिकित्सीय परामर्श दिया गया. शिविर में आने वाले सभी मरीजों के लिए जाँच, परामर्श तथा आवश्यक दवाइयाँ पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं. मरीजों की स्वास्थ्य जाँच के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया गया.

आयोजक ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुँचाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है. भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक व स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे.

फल्गु नदी से पर्यावरण संरक्षण तक, छात्राओं ने रंगमंच के जरिए दिया संस्कृति बचाने का संदेश

गौतम बुद्ध महिला कॉलेज में इंटर्नशिप के तहत रंगमंच कार्यशाला, जापानी फेलो केन्जी चीगा ने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना की

संवाददाता

गयाजी: गौतम बुद्ध महिला कॉलेज परिसर में रविवार को इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत ग्लैड भारत फाउंडेशन में चयनित रंगमंच के इंटर्न्स द्वारा प्रस्तुति परक रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध रंगकर्मी एवं निर्देशक श्री शम्भू प्रसाद उर्फ शम्भू सुमन के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य विषय कला-संस्कृति एवं धरोहर के संरक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण रहा। कार्यशाला के दौरान छात्राओं ने अगर कहीं मैं तोता होता नाटक का प्रभावशाली मंचन कर प्रकृति, पर्यावरण और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यशाला में एशियन कल्चर सोसायटी, न्यूयॉर्क के माध्यम से भारत में

फेलोशिप के लिए आए जापान के श्री केन्जी चीगा विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने छात्राओं की प्रस्तुति को भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि रंगमंच के माध्यम से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति, प्रकृति और धरोहर से जोड़ने का प्रयास सराहनीय है। केन्जी चीगा ने रंगमंच के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करने के लिए श्री शम्भू सुमन को बधाई दी तथा उनके रंगमंचीय कार्यों के बारे में जानकारी ली। श्री केन्जी ने हिन्दी विभाग के प्रोफेसर प्यारे मांझी को भी छात्राओं में रंगमंच के प्रति रुचि एवं रचनात्मकता बढ़ाने के प्रयासों के लिए बधाई दी। प्रस्तुति में छात्राओं दीपशिखा मिश्रा, अनुकुमारी, सविता कुमारी, शैली पाठक, श्वेता कुमारी, पूजा कुमारी, ज्योति कुमारी, मानसी कुमारी सहित अन्य छात्राओं ने भाग लिया। प्रस्तुति के माध्यम से फल्गु नदी के महत्व, उसके संरक्षण, वृक्ष एवं पक्षियों की रक्षा तथा प्रकृति से जुड़ी भारतीय संस्कृति और धरोहर को बचाने का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सीमा पटेल को इंटर्नशिप कार्यक्रम को रुचिपूर्ण एवं सार्थक बनाने के लिए सभी ने धन्यवाद दिया।

कार्यशाला के समापन पर श्री केन्जी चीगा को छात्राओं, हिन्दी विभाग के प्रोफेसर प्यारे मांझी, रंगकर्मी शम्भू सुमन, डॉ. शत्रुघ्न डांगी, निकेश कुमार एवं अहमद द्वारा पीपल का पौधा एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

पटना में RMP चिकित्सकों को स्वागत समारोह संपन्न

आगामी 4 अक्टूबर को पटना में RMP राज्य कमेटी की होगी गठनः डॉ सुबोध

संवाददाता

पटनाः जनजीवक कल्याण संघम परिवार ऑल इंडिया आर एम पी ग्रामीण चिकित्सक संगठन के बैनर तले आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण सह सम्मान समारोह में शामिल होने आए सभी ग्रामीण चिकित्सकों संगठन के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुबोध कुमार सिंह ने अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया और सभी ग्रामीण चिकित्सको को आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि आगामी 4 अक्टूबर को पटना में विशाल स्वागत समारोह का आयोजन किया जाएगा.

जिसमें समूचे बिहार के आर एम पी चिकित्सकों का एक मजबूत और शक्तिशाली 51 सदस्यीय प्रदेश कार्यकारिणी की गठन किया जाएगा, साथ ही साथ बिहार के प्रत्येक जिला में नये सिरे से जिला कमेटी का गठन कर नये उम्र के लोगों को जिला के पदाधिकारी

मनोनीत किया जाएगा तथा जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, सभा को सम्बोधित करते हुए डॉ सुबोध ने कहा कि आप सभी को प्रत्येक दिन संगठन की मजबूती के लिए एक कदम आगे बढ़ कर हमें साथ देना होगा, अगर ऐसा आप लोग हमें मदद करते हैं तो, बहुत जल्द ही सभी आर एम पी चिकित्सकों जिन्होंने समुदायिक परीक्षा पास किये हुए हैं, उन्हें सरकारी स्वास्थ्य विभाग में नियोजन कराने का काम करेंगे ! कार्यक्रम में शामिल होने आए पटना महानगर अध्यक्ष डॉ रविशंकर, प्रवक्ता डॉ बिनोद अवस्थी, प्रदेश प्रवक्ता डॉ सुबोध कुमार सिंह, डॉ निखिल कुमार, वायरेक्सा कंपनी के डायरेक्टर डॉ बी एन सिंह, तथा बिहार के अन्य जिलों से आए डॉ अर्जून कुमार रवि, डॉ डी एन प्रजापति, मुरलीधर सिंह, डॉ महेन्द्र प्रसाद, डॉ अविनाश चौधरी, डॉ अमित कुमार, डॉ राकेश कुमार, डॉ अब्बू शामा, डॉ मुरली यादव, डॉ सुनील कुमार, डॉ रणधीर कुमार, डॉ सुबोध चौरसिया, डॉ उदय कुमार, डॉ स्वेता कुमारी, डॉ किरण कुमारी सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण चिकित्सक उपस्थित रहे !

गीधा बीरमपुर गांव घर में खेलते समय करंट की चपेट में आया मासूम, 5 वर्षीय बच्चे की मौत मचा कोहराम

संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर। प्रखंड में गीधा थाना क्षेत्र स्थित बीरमपुर गांव में शुक्रवार की देर शाम करंट लगने से एक पांच वर्षीय मासूम बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।मृत बच्चे की पहचान बीरमपुर गांव निवासी गरचाई कुमार के 5 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार के रूप में की गई है। पंखे का लटकता तार बना हादसे का कारण, परिजनों के अनुसार, अंकुश कुमार घर में खेल रहा था। इसी दौरान पंखे से जुड़ा बिजली का तार नीचे की ओर लटक रहा था। खेलते-खेलते बच्चा कथित तौर पर विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गया।कुछ देर बाद परिजनों की नजर बच्चे पर पड़ी तो

उसकी स्थिति देखकर वे घबरा गए। आनन-फानन में उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, परिजनों के अनुसार अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर वापस गांव चले गए। सबसे छोटा था अंकुशः बताया जाता है कि अंकुश अपने भाई-बहनों में सबसे छोटा था। परिवार में उसकी मां सवरी देवी, भाई प्रमोद कुमार और बहन अंशु कुमारी हैं। मासूम की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस घटना के बाद बीरमपुर गांव में भी शोक का माहौल है। मां सहित परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। पांच वर्षीय मासूम की मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

भाकपा "बदलाव जरूरी है" नारे के तहत राजनीतिक अभियान को और व्यापक तथा तेज करेगी

28 सितम्बर, 2026 - जनसंगठनों का राजभवन मार्च-सी.पी.आई. करेगी पुरजोर समर्थन

संवाददाता

पटनाः भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बिहार राज्य परिषद की बैठक 12 सितंबर 2026 को पटना में हुई। बैठक में देश और बिहार की मौजूदा राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों पर गंभीर चर्चा की गई। "बदलाव जरूरी है" नारे के तहत अपने राजनीतिक अभियान को और व्यापक तथा तेज करने का फैसला किया है।

बैठक में अर्थव्यवस्था, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, महंगाई और राष्ट्रीय सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई। विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के बीच बढ़ती निराशा और असंतोष को रेखांकित किया गया। हाल के देशव्यापी छात्र आंदोलनों को इसी व्यापक असंतोष की अभिव्यक्ति बताया गया। इसी कड़ी में बाढ़-सूखा के स्थाई निदान, केन्द्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों, बिहार में बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, अत्याचार और भाजपा सरकार की बुलडोजर नीति के खिलाफ जन संगठनों के आह्वान पर शहीद ए आजम भगत सिंह की जयंती के मौके पर 28 सितंबर 2026 को पटना में आयोजित

राजभवन मार्च को समर्थन देने का निर्णय लिया गया। बैठक में बाढ़ की त्रासदी पर प्रस्ताव पारित कर बाढ़ तथा सूखा की भीषण विभिषिका का सामना कर रहे राज्य को राष्ट्रीय आपदा घोषित कर राहत तथा बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चलाने की मांग की गयी।

राज्य परिषद ने बाढ़ ग्रस्त जिलों में बाढ़ राहत एवं पुर्नवास की मांग को लेकर आंदोलन संगठित करने का आह्वान किया तथा पार्टी के द्वारा बाढ़ राहत कार्य चलाने का निर्णय लिया। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर गिरीशचंद्र शर्मा और राज्य सचिव व पूर्व विधायक रामनरेश पाण्डेय ने 13 सितंबर को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्य परिषद के निर्णयों और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। भाकपा नेताओं ने राजनीतिक हस्तक्षेप को समायोचित और महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि देश के राजनीतिक मिजाज में बदलाव के संकेत स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि आर.एस.एस. के वैचारिक प्रभाव में चल रही मोदी सरकार जनता की बुनियादी समस्याओं का समाधान करने में विफल रही है। भाजपा सरकार में महिलाओं, दलितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों पर अत्याचार लगातार बढ़ रहे हैं। मोदी सरकार के तहत देश के सामने मौजूद अभूतपूर्व आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी 01 से 03 दिसम्बर 2026 को "बदलाव जरुरी है" के नारे के साथ राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन शुरू करेगी। इस अभियान के दौरान राज्य की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से वास भूमि रहित भूमिहीन परिवारों को 05 डीसमल आवासीय जमीन तथा पक्का मकान, राज्य से पलायन रोकने, किसानों के फसल की एमएसपी पर खरीदारी सुनिश्चित करने तथा खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाने, आपराधिक घटनाओं पर रोक तथा सभी स्तरों पर व्याप्त भ्रष्टाचार सहित अन्य ज्वलंत मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। पार्टी की राज्य परिषद् ने मोदी एवं सम्राट सरकार की विनाशकारी तथा जनविरोधी नीतियों के खिलाफ गिरफ्तारी देने के लिए कम से कम एक लाख साथियों को संगठित करने का लक्ष्य रखा है।

बड़हरा: थानाध्यक्ष ने लिया चौकीदारों का परेड, अपराध नियंत्रण को लेकर दिए दिशा-निर्देश

संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। बड़हरा थाना परिसर में रविवार को थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी के नेतृत्व में सभी चौकीदारों का साप्ताहिक चौकीदारी परेड कराया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष ने चौकीदारों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने चौकीदारों को अपराध एवं अवैध शराब तस्करी पर रोक लगाने, फरार वारंटियों एवं सक्रिय अपराधियों पर निगरानी रखने, ड्यूटी में अनुशासन बनाए रखने, आगामी त्यौहारों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने, थाना के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान करने एवं जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी एकत्रित कर पुलिस को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी ने कहा कि सभी चौकीदार अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना अविलंब थाना को दें।

संक्षिप्त खबरें

गोली मारकर हत्या की घटना की बेहद दुखद चिंताजनक भाई दिनेश

संवाददाता

आरा (भोजपुर): नगर पंचायत गडहनी में मोहम्मद जफी की गोली मारकर हत्या की घटना बेहद दुखद, चिंताजनक और शर्मनाक है। मैं इस जघन्य घटना की घोर निंदा करता हूं और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। अगर समाज में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले व्यक्ति की ही हत्या कर दी जाए, तो यह सरकार और प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती है। भोजपुर पुलिस से मेरी मांग है कि मोहम्मद जफी हत्याकांड के सभी हत्यारों एवं साजिश में शामिल लोगों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। सिर्फ हत्यारों की गिरफ्तारी ही पर्याप्त नहीं है। सूखा नशा हो या कोई अन्य मादक पदार्थ—इसके अवैध कारोबार और सप्लाई नेटवर्क पर पूरी तरह रोक लगनी चाहिए। पूरे भोजपुर जिले में शराबबंदी को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और ड्रग्स के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए। हमारे युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना सरकार और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। मैं सरकार से मांग करता हूं कि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। नशे के कारोबार के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि किसी और परिवार को अपना बेटा, भाई या अपना कोई प्रियजन न खोना पड़े।

कोईलवर: सिक्सलेन सोन नदी पुल पर बड़ा हादसा, डिवाइडर से टकरा कर पलटी कार, चालक व महिला जख्मी

संवाददाता

कोईलवर (भोजपुर)। कोईलवर थाना क्षेत्र स्थित सिक्सलेन सड़क सोन नदी पुल पर रविवार शाम को आरा की ओर से पटना तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। इस हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि उसमें सवार चालक व एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। सूत्रों के अनुसार जख्मी युवक की पहचान बिहिया थाना क्षेत्र के कटैंया गांव निवासी आलोक ओझा के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय राहगीरों ने मानवता दिखाते हुए दोनों जख्मियों को इलाज के लिए बिहटा स्थित अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां महिला को प्राथमिक उपचार के बाद होश आ गया, वहीं चालक की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे बिहटा से बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। इस घटना के सूचना मिलते ही कोईलवर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार मंडल दरोगा जितेन्द्र तिवारी मौके पर पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर थाना ले आए। साथ ही सड़क पर बिखरे मोबाइल व अन्य सामानों को भी जब्त किया गया है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के कारण कार डिवाइडर से टकरा कर तीन-चार बार पलटी, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

बिहार विधान सभा के अध्यक्ष ने पूर्व मंत्री अब्दुल जलील मस्तान जी के निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की

संवाददाता

पटना: बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं कोसीझसीमांचल क्षेत्र के अत्यंत लोकप्रिय राजनेता श्री अब्दुल जलील मस्तान जी के निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। अपने शोक संदेश में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि श्री अब्दुल जलील मस्तान जी का निधन राजनीतिक जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके प्रस्थान से हमने एक ऐसा समर्पित जननेता खो दिया है, जिनका पूरा जीवन आम जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित रहा।

वे पूर्णिया जिले की अमौर विधान सभा सीट से 6 बार विधान सभा सदस्य चुने गए थे। सीमांचल के विकास और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आपसी भाईचारा व सामाजिक समरसता बनाए रखने में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने ईश्वर से विनम्र प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों और समर्थकों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बिहार विधान सभा के अध्यक्ष ने 'हरतालिका तीज' के अवसर पर समस्त माताओं एवं बहनों सहित प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दी

संवाददाता

पटना: बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने 'हरतालिका तीज' के पावन अवसर पर प्रदेश की समस्त माताओं एवं बहनों सहित प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दी है।

उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति की परंपरा का वाहक यह पावन व्रत अखंड सौभाग्य और अटूट विश्वास का प्रतीक है। इस अवसर पर माताएँ-बहनें अपने परिवार की खुशहाली, सुखद दांपत्य और पति की दीर्घायु के लिए पूरे भक्ति भाव से निर्जला व्रत रखती हैं। उन्होंने मंगलकामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली लाए।

बड़हरा: बबुरा थाना पुलिस की कार्रवाई, दो फरार आरोपियों के घर चिपकाया इश्तेहार मचा हड़कंप

संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर): बबुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई तेज कर दिया है। इसी क्रम में पुलिस ने भोजपुर माननीय न्यायालय के आदेश पर थाना क्षेत्र के दो गांवों में फरार आरोपियों के घर विधिवत इश्तेहार तामिला किया है। जो कि पुलिस ने मानिकपुर गांव निवासी राकेश कुमार सिंह, पिता बबुआनंद सिंह एवं दुर्जनचक गांव निवासी विजय राय, पिता कृष्णा राय के घर इश्तेहार चिपकाया। पुलिस ने न्यायालय के आदेश के तहत दोनों आरोपियों के घर इश्तेहार चस्पा कर ढोल बजाकर मुनादी कराई और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने की चेतावनी दी है इस संबंध में थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि न्यायालय के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर आरोपियों के विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान दरोगा सुनीता कुमारी, अमरेश कुमार, परशुराम सिंह सहित अन्य पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे।

गुरुआ में खुला इकोवैलो इलेक्ट्रिक स्कूटी का शोरूम, 73 हजार से शुरू कीमत

संवाददाता

गुरुआ गया: गुरुआ थाना रोड स्थित बारा मोड़ के समीप इकोवैलो इलेक्ट्रिक स्कूटी के शोरूम का शुभारंभ रविवार को किया गया.उद्घाटन अतिपिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य अमित कुमार दांगी, इकोवैलो कंपनी के एमडी नंदलाल कुमार, प्रो. संजय कुमार एवं पूर्व मुखिया लखन सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया.इस दौरान एक ग्राहक को स्कूटी की चाबी भी सौंपी गई. शोरूम के प्रोपराइटर संजय कुमार ने बताया कि यहां ग्राहकों को किफायती कीमत पर बेहतर सुविधाओं और सर्विस के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटी उपलब्ध करायी जाएगी.उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा पूजा जैसे पर्व के अवसर पर ग्राहकों को विशेष छूट भी दी जाएगी. कंपनी के एमडी नंदलाल कुमार ने बताया कि शोरूम में 73 हजार से 80 हजार रुपये तक की इलेक्ट्रिक स्कूटी उपलब्ध है.

हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर कवि ज्योति रीता का एकल पाठ एवं चर्चा कार्यक्रम आयोजित

'अतिरिक्त दरवाजा' और 'मैं थिगली में लिपटी थेर हूँ' का हुआ काव्य पाठ

संवाददाता

बोधगया: मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को सुप्रसिद्ध कवि ज्योति रीता के एकल काव्य पाठ एवं चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति विद्यार्थियों और साहित्यप्रेमियों में रुचि एवं संवेदनशीलता विकसित करने के साथ-साथ समकालीन हिंदी कविता के विविध सरोकारों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रो. बिनोद कुमार मंगलम उपस्थित रहे।प्रो. मंगलम ने अज्ञेय, रघुवीर सहाय और मुक्तिबोध की कविताओं के उदाहरण देते हुए ज्योति रीता के कविताओं की संवेदना और सौंदर्य को उद्घाटित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुपरिचित कवि एवं आलोचक तथा सेवानिवृत्त प्रो. सदानंद शाही, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया के सहायक प्राध्यापक एवं चर्चित कवि डॉ. अनुज लुगुन तथा कवि डॉ. चाहत अन्वी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज

कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद कुमार सिंह ने सभी आगत अतिथियों का अंगवस्त्र, पौधा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया। ज्योति रीता ने समकालीन कविता का प्रभावशाली काव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कवि ज्योति रीता का एकल काव्य पाठ रहा। उन्होंने अपनी चर्चित कृतियों 'अतिरिक्त दरवाजा' तथा 'मैं थिगली में लिपटी थेर हूँ' से काव्य पाठ प्रस्तुत किया। उनके काव्य पाठ ने उपस्थित श्रोताओं को समकालीन समाज, स्त्री अनुभव, मानवीय संवेदना और जीवन के विविध अंतर्विरोधों पर सोचने के लिए प्रेरित किया। कविता पाठ के उपरांत रचनाओं को लेकर चर्चा भी हुई, जिसमें साहित्य, समाज और समकालीन जीवन के विभिन्न प्रश्नों पर विचार-विमर्श किया गया। हिंदी भाषा और साहित्य को समृद्ध करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने हिंदी दिवस की प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए कहा कि हिंदी केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय समाज की विविध सांस्कृतिक एवं मानवीय संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने वाली महत्वपूर्ण भाषा है। वक्ताओं ने समकालीन हिंदी कविता के बदलते स्वरूप और उसमें उभर रहे नए सामाजिक सरोकारों पर भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राकेश कुमार रंजन, डॉ. परम प्रकाश राय एवं डॉ. अनुज कुमार तरुण, फिजियोथेरेपी विभाग की निदेशक डॉ. पूनम सिंह, प्राचीन इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अनूप कुमार भारद्वाज, पीएम एंड आईआर विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राजेश कुमार तथा कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ पिंटू कुमार, डॉ बी पी नलिन सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।

एनएमएमएस में सफल छात्र-छात्राओं को विद्यालय परिवार ने किया सम्मानित

संवाददाता

डुमरिया गया: डुमरिया प्रखंड के कन्या मध्य विद्यालय महुड़ी में राष्ट्रीय साधन-सह-मेधा छात्रवृत्ति (एनएमएमएस) प्रतियोगिता में सफल छात्र-छात्राओं को विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सफल विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय से कुल 12 छात्र-छात्राओं ने एनएमएमएस प्रतियोगिता में भाग लिया था। सभी विद्यार्थियों का चयन मॉडल विद्यालय के लिए हुआ है। वहीं, छात्रा नैन्सी कुमारी का छात्रवृत्ति के लिए चयन हुआ है। उसे सरकार की ओर से कक्षा नौवीं से बारहवीं तक की पढ़ाई के लिए लगातार चार वर्षों तक प्रत्येक वर्ष 12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। प्रधानाध्यापक ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता विद्यालय के लिए गौरव की बात है। इससे अन्य छात्र-छात्राओं को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व नोडल शिक्षक एवं वर्तमान में उर्दू प्राथमिक विद्यालय बिकुआ कला के प्रधान शिक्षक अहमद रजा, शिक्षिका रूबी सिंह, सागर साहू, शिक्षा सेवक दिलीप रजक सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्राम कचहरी न्याय मित्रों ने नीतीश कुमार से की मुलाकातय सेवा स्थायीकरण एवं वेतन वृद्धि को लेकर सौंपा मांग पत्र

संवाददाता

पटना। ग्राम कचहरी न्याय मित्र संघ कैमूर, भभुआ के प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री नीतीश कुमार जी से उनके 7, सर्कुलर रोड स्थित आवास पर मुलाकात की एवं उन्हें अपनी मांगों से संबंधित मांग पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने अपने मांग पत्र में न्याय मित्रों की सेवा को स्थायी करने तथा मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोतरी सहित अन्य मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने माननीय श्री नीतीश कुमार जी से आग्रह करते हुए कहा कि वर्तमान में मिलने वाला लगभग 7, 000 मासिक मानदेय महंगाई को देखते हुए पर्याप्त नहीं है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि साल 2007 में नियुक्ति के बाद से ही न्याय मित्र ग्राम कचहरियों में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते आ रहे हैं। न्याय मित्रों की भूमिका केवल न्यायिक कार्यों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि समय-समय पर सरकार एवं प्रशासन द्वारा सौंपे गए विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों में भी उन्होंने योगदान दिया है।

माननीय श्री नीतीश कुमार जी ने उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना एवं उनके कार्यों की सराहना की और कहा कि सरकार उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अब्दुल जलील मस्तान के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने जताया शोक

संवाददाता

पटना: वरिष्ठ कांग्रेस नेता, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं 6 बार के विधायक रहे अब्दुल जलील मस्तान का दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने गहरा दुःख जताया और अपने शोक संदेश में कहा कि बिहार कांग्रेस ने अपने एक समर्पित और जुझारू नेता को खो दिया है। सीमांचल की आवाज के रूप में उन्होंने लंबे समय तक जनता की सेवा की। 2015 की महागठबंधन सरकार में उन्होंने उत्पाद, मद्य निषेध एवं निबंधन मंत्री के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई। उनका निधन कांग्रेस संगठन, सीमांचल और पूरे बिहार के लिए अपूरणीय क्षति है। हम दिवंगत नेता के कृतित्व औरी व्यक्तित्व को नमन करते हैं। उनका योगदान और उनकी स्मृतियाँ सदैव हमारे बीच जीवित रहेंगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि ईश्वर उनके परिजनों को इस अपार दुःख को सहने की ताकत दें। कांग्रेस पार्टी परिजनों के साथ इस दुःख की घड़ी में मजबूती से खड़ी है।

समाजवादी नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ रघुवंश प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि राजद कार्यालय में मनाई गई

संवाददाता

पटना: राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में समाजवादी नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ0 रघुवंश प्रसाद सिंह जी की पुण्यतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्री मंगनी लाल मंडल की अध्यक्षता में मनायी गई। इस अवसर पर डॉ0 सिंह के तैलचित्र पर नेताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री मंगनी लाल मंडल ने कहा कि डॉ0 रघुवंश प्रसाद सिंह संस्थापक पार्टी के वरिष्ठ नेता थे। उनका जन्म वैशाली जिला के शाहपुर में 06 जून, 1946 को हुआ था।

वे डॉ0 राममनोहर लोहिया, जननायक कपूरी ठाकुर तथा जय प्रकाश नारायण के साथ काम किये। वे लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आन्दोलन में सक्रिय रहें। वे 1977 से 1979 तक बिहार के उर्जा मंत्री रहे। वे लोकदल के अध्यक्ष बनें। वे 1985 से 1990 तक लोक लेखा समिति के अध्यक्ष रहे। वे पांच बार लोकसभा के सदस्य रहें। ठेठ और गवई अंदाज से डॉ0 रघुवंश

प्रसाद सिंह की पहचान थी। उनकी राजनीति के केन्द्र में गरीब, पिछड़े और ग्रामीण वर्गों के लोग रहें। वे केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री के रूप में मनरेगा मैन कहलाए और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाकर विकास की एक नई अध्याय लिखी। इस अवसर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में बिहार विधान परिषद के पूर्व उपसभापति डॉ0 रामचन्द्र पूर्वे, प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के नेता एजाज अहमद, भाई दिनेश, फैयाज आलम कमाल, श्री मदन शर्मा डॉ प्रेम कुमार गुप्ता, निर्भय कुमार अंबेडकर, प्रमोद कुमार राम, संजय यादव, रामाशंकर यादव, मोहम्मद कलीमुद्दीन अजीत कुमार मंडल श्रीमती रीना चौधरी, गोपाल शरण चौधरी महेंद्र प्रसाद, ललन कुमार चौधरी, उमेश प्रसाद यादव, पृथ्वीराज चौहान, निखिल कुमार गौतम, चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह सहित दर्जनों नेताऔर कार्यकर्ता शामिल थे।

हम पार्टी गरीबों की पार्टी है, गरीब चौपाल के माध्यम से गरीबों से सीधा मिलकर उनके दुख दर्द सुनकर

▶ संबंधित विभागों से सीधा समाधान की दिशा में कार्य करते हैं : डॉ. संतोष कुमार सुमन ▶ जिलाध्यक्ष, आर के दत्ता की अध्यक्षता में हम सेक्युलर के तत्वावधान में केवटी के पाराडीह दुर्गा मंदिर मैदान में गरीब चौपाल यात्रा कार्यक्रम में हजारों लोगों ने लिया भाग

संवाददाता

दरभंगा। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) सेक्युलर, दरभंगा के तत्वावधान में केवटी प्रखंड के पाराडीह के दुर्गा मंदिर मैदान में आयोजित गरीब चौपाल यात्रा कार्यक्रम में हजारों महिलाओ एवं लोगों ने पहुंचकर आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह लघु जल संसाधन मंत्री, डा. संतोष कुमार (सुमन) ने कहा सभी जातियों के गरीबों को आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। बिहार में 22 जातियों को आरक्षण मिला है, लेकिन कई जातियां 80 वर्ष बाद भी पिछड़ी हुई हैं। डा. सुमन ने कहा उनका नारा है, सबका इरादा एक हो, भारत के गरीबों एक हो यात्रा में लोगों के आवेदन को जिला स्तर से बिहार के सीएम तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से पार्टी का सदस्य बनने का आह्वान किया। गरीब चौपाल में विभिन्न इलाकों से पहुंचे लोगों ने स्थानीय समस्याएं राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मंत्री के सामने रखीं। पहुंचे लोगो ने अपनी अपनी समस्याओं को लेकर अपना आवेदन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हम के दरभंगा जिलाध्यक्ष, आर के दत्ता ने एवं संचालन जिला प्रधान महासचिव, हीरालाल राम ने किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा हम पार्टी विशुद्ध रूपों से गरीबों की पार्टी है और गरीबों के लिए सदैव समर्पित रहती है। उन्होंने कहा हम गरीब चौपाल के माध्यम से गरीबों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए उनके दुख दर्द में शामिल होते हैं। उनकी समस्याओं को सुनने समझने का कार्य करते हुए संबंधित विभागों से सीधा समाधान की दिशा में कार्य करते हैं उन्होंने उपस्थित जनमानस को हम पार्टी को दरभंगा जिला में मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा हम पार्टी सिर्फ आपके विश्वास पर खड़ा उतरेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व मंत्री डॉ अनिल कुमार ने कहा पार्टी के संरक्षक केंद्रीय मंत्री, जीतनराम मांझी के मुख्यमंत्री कल में लिए गए 34 निर्णय को लागू करने के लिए एवं पार्टी संगठन को जनजन तक पहुंचाने के लिए गरीबों की पीड़ा व दर्द को समझने और उसके ठोस निदान के लिए हम पार्टी लगातार बिहार में कार्य कर रही है। और हमारे कार्यकर्ता गरीबों से सीधा संवाद स्थापित कर उनका समस्या का समाधान करवाने सहयोग कर रहा है। इस गरीब चौपाल यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से हम के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव, राजेश कुमार पांडे, विधायक ललन राम, पूर्व विधायक डॉ. इजहार अहमद, अनिल कुमार यादव, केदार चौधरी, महादलित आयोग के सदस्य, मुकेश मांझी, चंदन ऋषि देव, अरुण मांझी, अमरजीत सदा, राम सजीवन सदा, राम सुधरी सदा, लक्ष्मी सदा, संजय सदा, कारी गामी, हरिशंकर गुप्ता, अजय कुमार कर्ण, उमेश मांझी, पप्पू कुमार यादव, प्रो. डा. बैजू बावरा, रामदेव यादव, मिथलेश सदा, मिश्रीलाल मंडल, जहाना खातून, रामदुलारी देवी, सुमित्रा देवी सहित अन्य ने मंच से संबोधित किया। इस अवसर पर हम परिवार की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ संतोष कुमार सुमन, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश कुमार पांडे एवं डॉ. अनिल कुमार प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी अतिथियों को मिथिला परंपरा अनुसार पाग चादर, माला पहनाकर सम्मानित किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन पार्टी के कुटुंबा विधायक, ललन राम जी ने किया। इस अवसर पर हम महिला नेत्री ज्योति देवी के नेतृत्व में एक शानदार जानदार यादगार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर उदय नारायण लाल दास, गणेश राम, मो.साज, कंचन देवी, शोभा देवी सहित कई लोगो ने हम मे शामिल होने की प्रतिबद्धता व्यक्त किया।

शिवाजी नवयुवक समिति एवं रेड क्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित, 15 यूनिट रक्त संग्रहित

संवाददाता

दरभंगा। कालीस्थान, शिवाजी नगर स्थित निषाद धर्मशाला में रविवार (13/09/2026) को शिवाजी नवयुवक समिति एवं रेड क्रॉस सोसाइटी, दरभंगा के संयुक्त तत्वावधान में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन शिवाजी नवयुवक समिति के कर्मठ सदस्य विकाश सहनी, अजीत महतो, राम चरित्र महतो, निषाद धर्मशाला के कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न सहनी तथा रेड क्रॉस सोसाइटी के राज्य प्रतिनिधि डॉ. राम बाबू खेतान ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। नवयुवक समिति, रेड क्रॉस, ब्लड बैंक से आए सभी अतिथियों का अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया। संयोजक शत्रुघ्न सहनी, केदार साह एवं विकाश सहनी ने रक्तदान के महत्व, फायदों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कह रक्तदान महादान है, जिससे किसी जरूरतमंद का जीवन बचाया जा सकता है।

सभी स्वस्थ वयस्क पुरुषों महिलाओं को नियमित अंतराल पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। संचालन रेड क्रॉस सोसाइटी के आशीष सर्राफ ने किया। रेड क्रॉस सोसाइटी के संरक्षक आतम सर्राफ, कोषाध्यक्ष राघवेन्द्र कुमार, सुनील कुमार सिंह, मोदनाथ मिश्रा, तरुण मिश्रा, गौरव जालान, अंकित पोद्दार, मनमोहन कुमार, कन्हैया शर्मा, मुकेश खेतान, विवेकानंद कैंसर अस्पताल के प्रबंधक प्रभात कुमार, नवयुवक समिति के मनीष कुमार, नीरज कुमार, गोपाल सहनी, गोविन्द सहनी सहित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सक्रिय योगदान दिया।

शिविर में रेड क्रॉस के सदस्य तरुण सर्राफ, सुनील कुमार सिंह, आशीष सर्राफ एवं नवयुवक समिति के कई सदस्यों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। शिविर के दौरान कुल 15 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्त संग्रहण का कार्य स्वामी विवेकानंद कैंसर अस्पताल स्थित डॉ. हेडगेवार ब्लड बैंक की मेडिकल टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

इंडो अरब टूर एंड ट्रेवल्स हज उमरा के कार्यालय का हजरत मौलाना अलहाज सैय्यद समसूल्लाह जान मिस्बाही बाबू हुजूर ने फीता काटकर किया उद्घाटन

संवाददाता

दरभंगा। खान चौक स्थित कादरी कलेकशन परिसर में रविवार को इंडो अरब टूर एंड ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड हज उमरा के कार्यालय का उद्घाटन हजरत मौलाना अलहाज सय्यद समसूलुल्लाह जान मिस्बाही ऊर्फ बाबू हुजूर ने फीता काटकर किया। इस मौके पर शायर इस्लाम रियाज खान कादरी, प्रोपराटर, मौलाना अमन नवाज खान पूर्व पार्षद सह मदरसा हमीदिया किलाघाट के सचिव, सिगवतुल्लाह खान उर्फ डब्बू खान, मदरसा हमीदिया किलाघाट के अध्यक्ष मौलाना मो. खालिद रजा, पूर्व जिला परिषद सदस्य व जन स्वराज नेता मो. शमीम, सरफे आलम तमन्ना, अरशद इमाम, मो, बिलाल, मो. ताजुद्दीन, साबिर हुसैन, मो विकी, अहमद गुलाब, डॉ अहमद रहमानी, मेहंदी रजा, मौलाना फैसल रजा बरकाती, कारी हाफिज मुर्शिद रजा, मौलाना कारी अफाक आलम, मौलाना अशरफ रजा कादरी, रुस्तम कुरैशी, नफीसुल हक रिंकू, अंबसारुल हक, डॉ अकिल अहमद, शाहिद मसूद खान, मौलाना वारिस अली, सोनू खान, मो. तमन्ना, नूर आलम, आरजू रहमानी, जाहिद अनवर, ताबिश खान, शादाब खान, इकबाल खान सहित बड़ी संख्या में अन्य गन्यमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

एशियन गेम्स में महिला टीम को गोल्ड दिलाना चाहती हैं प्रणवी उर्स

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स का मानना है कि भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक की मजबूत दावेदार है और इसके लिए जापान में निरंतर प्रदर्शन तथा अधिक से अधिक बर्डी के मौके बनाना अहम होगा। भारत एशियाई खेलों में छह सदस्यीय गोल्फ दल उतारेगा। महिला टीम में अदिति अशोक, दीक्षा डागर और प्रणवी उर्स शामिल हैं जबकि पुरुष वर्ग में युवराज संधू, वीर अहलावत और सप्तक तलवार देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। मैसूर की 23 वर्षीय प्रणवी ने 'पीटीआई' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं नतीजे के बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहती। मैं अपनी प्रक्रिया पर कायम रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी।'' उन्होंने कहा कि गोल्फ आमतौर पर व्यक्तिगत खेल है इसलिए देश और टीम के लिए खेलने का अनुभव उनके लिए खास होगा। प्रणवी ने कहा, ''गोल्फर के तौर पर हम ज्यादा टीम स्पधाएं नहीं खेलते।

यह मुख्य रूप से व्यक्तिगत खेल है। इसलिए देश और टीम के लिए मैदान पर उतरना ऐसी चीज है, जिसका मैं इस साल बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अदिति और दीक्षा के टीम में होने से यह सप्ताह और भी अच्छा रहेगा।'' भारत ने एशियाई खेलों में पिछली बार पुरुष वर्ग में 2002 में शिव कपूर के जरिए स्वर्ण पदक जीता था। प्रणवी ने कहा, ''हमें ज्यादा से ज्यादा मौके बनाने, बर्डी के अवसर हासिल करने और गेंद को अच्छी तरह ड्राइव करने पर ध्यान देना होगा। पूरी टीम के खेल का एक साथ सही दिशा में आना जरूरी है, इसके लिए बहुत कम स्कोर करना जरूरी नहीं है। अगर हम हर दिन लगातार तीन-चार अंडर का स्कोर करते हैं, तो इससे हम अपने आप पदक की दौड़ में शामिल हो जाएंगे।'' लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) पर लगातार खेल रही 23 वर्षीय प्रणवी ने कहा कि एशियाई खेलों का मैदान अंतरराष्ट्रीय सर्किट से बहुत अलग नहीं होगा क्योंकि सिंगापुर और हांगकांग जैसे देशों की कई शीर्ष खिलाड़ी एलईटी में खेलती है।

टेस फ्लिंटॉफ के 4 विकेट से पहला टी20 जीता ऑस्ट्रेलिया ए, इंडिया ए को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तेज गेंदबाज टेस फ्लिंटाफ के चार विकेट की मदद से ऑस्ट्रेलिया ए ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए शनिवार को यहां तीन मैच की अनौपचारिक महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के शुरूआती मैच में भारत ए को छह विकेट से हरा दिया। पिछले साल अपना पहला केंद्रीय अनुबंध हासिल करने वाली और 'अनकैप्ड' ऑलराउंडर फ्लिंटॉफ ने नयी गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत ए की दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर मेजबान टीम को दबाव में ला दिया और फिर मध्य ओवरों में गेंदबाजी करते हुए 13 रन देकर चार विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजों ने नौ विकेट लिए और पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए को 19 ओवर में 117 रन पर ऑलआउट कर दिया। यह लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया ए के लिए चुनौतीपूर्ण नहीं था। उसने 14 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और मंगलवार को होने वाले दूसरे टी20 से पहले सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। हालांकि पावरप्ले में दो विकेट पर 36 रन के स्कोर से 9.1 ओवर में तीन विकेट पर 79 रन के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया ए थोड़ा लड़खड़ाया जिसमें भारत ए की कप्तान अनुष्का शर्मा ने अपनी ऑफ-स्पिन से 14 रन देकर दो विकेट लिए। स्कोरबोर्ड पर ज्यादा रन नहीं होने के कारण मेजबान टीम आगे कोई बड़ी चुनौती पेश नहीं कर सकी। चार्ली नॉट (35 रन) और अनिका लियरॉयड (नाबाद 33 रन) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। सीरीज का निर्णायक मुकाबला बृहस्पतिवार को होगा। इसके बाद दोनों टीम 20 से 25 सितंबर तक मोहाली में तीन अनौपचारिक वनडे मैच खेलेंगी और फिर 29 सितंबर से धर्मशाला में एकमात्र अनौपचारिक टेस्ट मैच होगा। इससे पहले विक्टोरिया की 23 वर्षीय तेज गेंदबाज टेस ने परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए पावरप्ले में दो विकेट लिए। उन्होंने वृंदा दिनेश (01) और शिप्रा गिरी (17) को आउट किया जिससे भारत ए का स्कोर 4.5 ओवर में दो विकेट पर 32 रन हो गया।

इब्राहिम जदरान बने अफगानिस्तान के नए टी20 कप्तान, दबाव में सही फैसले लेने पर जोर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अफगानिस्तान के नवनियुक्त टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान इब्राहिम जदरान ने कहा कि वह उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी को अच्छी तरह संभालने की कोशिश कर रहे हैं और दबाव की स्थिति में सही फैसले लेना सीख रहे हैं। पहले राशिद खान के उपकप्तान रहे जदरान ने कहा कि तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में नयी भूमिका में उनकी और राशिद की बातचीत और समझ उनकी मदद करेगी। सीरीज रविवार से यहां शुरू होगी। उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए बड़ी जिम्मेदारी है। एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में मैं इसका आनंद लेने, जिम्मेदारी उठाने और दबाव की परिस्थितियों में सही फैसले लेने की कोशिश कर रहा हूं।'' उन्होंने तनावपूर्ण पलों के दौरान खुद को और अपने साथियों को संभालने की चुनौती पर भी बात की। जदरान का मानना है कि अफगानिस्तान का भारत में खेलने का अनुभव श्रेयस अय्यर और उनकी टीम के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में मदद करेगा।

इस अनुभव में विश्व कप के मुकाबले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''हम परिस्थितियों को अच्छी तरह जानते हैं। हमें बस स्थिति के अनुसार अपनी योजना को सही तरीके से लागू करना है।'' अफगानिस्तान के कप्तान ने कहा कि टीम नतीजे के बजाय प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा, ''हम बस अपना शत प्रतिशत देने और प्रक्रिया पर ध्यान देने की कोशिश करेंगे। उम्मीद है कि हमारी सीरीज अच्छी रहेगी।

सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती बने ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाद अब ओडिशा में टी20 क्रिकेट का रोमांच सिर चढ़कर बोलने वाला है। 20 से 29 सितंबर के बीच कटक के ऐतिहासिक बाराबती स्टेडियम में आयोजित होने वाली 'ओडिशा T20 लीग 2026 - सीएम ट्रॉफी' के लिए भारत के दो पूर्व स्टार दिग्गज सुरेश रैना और ओडिशा के अपने देबाशीष मोहंती को आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस टूनार्मेंट का मुख्य उद्देश्य राज्य के युवा और उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और दबाव में खेलने का अनुभव देना है। ब्रांड एंबेसडर के रूप में लीग से जुड़ने पर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर सुरेश रैना ने ओडिशा के फैंस के लिए खास संदेश दिया, "नमस्कार, ओडिशा! सभी क्रिकेट फैंस के लिए एक बहुत अच्छी खबर है। ओडिशा T20 लीग - सीएम ट्रॉफी की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है और 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में मुकाबले खेले जाएंगे।" उन्होंने कहा, "6 टीमें ट्रॉफी के लिए आपस में भिड़ेंगी। यह 10 दिन रोमांचक और हाई-इंटेंसिटी क्रिकेट से भरे होंगे। युवा खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का यह शानदार मंच है। तो अपनी तारीखें ब्लॉक कर लीजिए और एक ब्लॉकबस्टर टूनार्मेंट के लिए तैयार हो जाइए। जय जगन्नाथ!" भारत के पूर्व तेज गेंदबाज और ओडिशा के स्थानीय हीरो देबाशीष मोहंती ने ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन का आभार जताते हुए कहा, "ओडिशा के क्रिकेट प्रेमियों का इंतजार खत्म हुआ। 6 टीमें खिताबी जंग के लिए उतरेंगी और यह लीग हमारे खिलाड़ियों को हाई-प्रेशर माहौल में अपनी कला का प्रदर्शन करने का मजबूत मंच देगी। मैं ओसीए को इस आयोजन के लिए धन्यवाद देता हूं। मुझे यकीन है कि फैंस को कई यादगार पल देखने को मिलेंगे।

हॉकी इंडिया ने डीजी आर के श्रीवास्तव को भेजा कारण बताओ नोटिस, छीने अधिकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने शनिवार को अपने महानिदेशक (डीजी) कमांडर आर के श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उनके सभी अधिकार तत्काल प्रभाव से छीन लिए। भारतीय हॉकी टीम की जर्सी के रंग में बदलाव का विवाद इस नोटिस में लगाए गए प्रमुख आरोपों में शामिल है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की की ओर से उनके वकील के माध्यम से भेजे गए नोटिस में श्रीवास्तव पर कुल आठ आरोप लगाए गए हैं। उन्हें नोटिस मिलने के चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब देने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित अवधि में जवाब नहीं देने पर उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई है। नोटिस में स्पष्ट शब्दों में कहा गया, तत्काल प्रभाव से हॉकी इंडिया के महानिदेशक के रूप में आपके सभी अधिकार समाप्त किए जाते हैं और हॉकी इंडिया के उपनियमों के अनुसार आगे के निर्णय तक आप किसी भी अधिकार का प्रयोग नहीं करेंगे और न ही हॉकी इंडिया की ओर से कोई कार्य करेंगे। अध्यक्ष कार्यालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया कि इसका उद्देश्य हॉकी इंडिया में अनुशासन, जवाबदेही, पारदर्शिता, रिकॉर्ड के संरक्षण और संस्था के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करना है। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया कि यह कार्रवाई अंतिम आरोप निर्धारण या अंतिम अनुशासनात्मक दंड नहीं है। नोटिस के मुताबिक, ''यह निर्देश हॉकी इंडिया के अध्यक्ष की ओर से अनुशासन, जवाबदेही, पारदर्शिता, रिकॉर्ड के संरक्षण और हॉकी इंडिया के सुचारु संचालन को बनाए रखने के लिए जारी किया गया है। यह आपके जवाब देने के अधिकार को प्रभावित किए बिना प्रभावी रहेगा और हॉकी इंडिया के

उपनियमों के अनुसार पुनर्विचार, संशोधन या प्रतिस्थापन तक लागू रहेगा।'' श्रीवास्तव के खिलाफ लगाए गए प्रमुख आरोपों में भारतीय राष्ट्रीय टीम की जर्सी का रंग बदलने का मामला शामिल है। नोटिस के अनुसार पारंपरिक नीली जर्सी की जगह नारंगी जर्सी लागू करने और उसे सार्वजनिक रूप से पेश करने से पहले हॉकी इंडिया के अध्यक्ष या कार्यकारी समिति से उचित परामर्श नहीं किया गया। नोटिस में कहा गया, भारतीय राष्ट्रीय टीमों की खेल जर्सी में बदलाव अध्यक्ष या कार्यकारी समिति से पूर्व परामर्श के बिना लागू किया गया और सार्वजनिक रूप से पेश किया गया। जब विशेष रूप से इस निर्णय के अधिकार, मंजूरी, प्रत्यायोजन और खिलाड़ियों/कोचों से परामर्श का आधार बताने को कहा गया, तब बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद कार्यकारी समिति का कोई प्रस्ताव, अध्यक्ष की मंजूरी या पूरा दस्तावेजी आधार प्रस्तुत नहीं किया गया। भारतीय टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को दृश्यता संबंधी कारणों का हवाला देते हुए नारंगी रंग में बदला गया था। इस फैसले के बाद हॉकी जगत में विवाद खड़ा हो गया था। नोटिस में श्रीवास्तव के विश्व कप के लिए नीदरलैंड और बेल्जियम जाने को भी गंभीर आरोप के रूप में शामिल किया गया है। उन्हें पहले भारत में रहकर हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) और अन्य प्राथमिक मामलों पर ध्यान देने का निर्देश दिया गया था। नोटिस में कहा गया, जैसा कि पहले ही निर्देश दिया गया था, कमांडर आर के श्रीवास्तव विश्व कप की यात्रा नहीं करेंगे, क्योंकि उनका पूरा ध्यान हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) से जुड़े मामलों और तत्काल समाधान की आवश्यकता वाले अन्य प्राथमिक मुद्दों पर होना आवश्यक है। नोटिस के मुताबिक, 30 जुलाई को भेजे गए एक ई-मेल में भी आगामी एचआईएल सत्र, फ्रेंचाइजी समन्वय, योजना और उससे जुड़े कार्यों के कारण श्रीवास्तव को भारत में रहने की सलाह दी गई थी। श्रीवास्तव ने अध्यक्ष के निर्देश के बावजूद यात्रा की। नोटिस में इसे हॉकी इंडिया के अध्यक्ष के पद का सीधा अपमान और आदेश की अवज्ञा बताया गया है। विश्व कप प्रतिनिधिमंडल से जुड़े मामले में नोटिस में कहा गया, जब इन संस्थागत उद्देश्यों के लिए विशेष रूप से चिन्हित व्यक्तियों को नहीं भेजा गया, तब आपने स्वयं को उन व्यक्तियों से ऊपर रखते हुए खुद विश्व कप में जाने का निर्णय लिया।

कैब की सियासत में आमने-सामने दो क्रिकेट परिवार

सौरव गांगुली के नेतृत्व पर गंभीर आरोपों से गरमाया बंगाल का क्रिकेट माहौल

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) की सियासत में राज्य के दो प्रमुख क्रिकेट परिवार आमने-सामने हैं। एक तरफ भारत के सबसे सफल कप्तान सौरव गांगुली हैं तो दूसरी ओर देश के सबसे दक्ष क्रिकेट प्रशासकों में से एक दिवंगत जगमोहन डालमिया के पुत्र अभिषेक डालमिया। मौजूदा अध्यक्ष सौरव के नेतृत्व वाले कैब पर पूर्व अध्यक्ष अभिषेक ने खिलाड़ियों के चयन में पैसे लिए जाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं भाजपा विधायक रितेश तिवारी ने खिलाड़ियों की उम्र में हेरफेर का आरोप लगाकर विवाद को और हवा दी है। सौरव आरोपों को खारिज कर चुके हैं।

राज्य के खेल मंत्री डॉ. इंद्रनील खां ने अभिषेक की शिकायत मिलने की बात कहते हुए जांच कराने का आश्वासन दिया है। ऐसे में आगामी 24 सितंबर को होने वाली कैब की वार्षिक आमसभा पर सबकी नजर टिक गई है। आमसभा में सचिव, संयुक्त सचिव व एपेक्स काउंसिल के एक सदस्य के पद के लिए चुनाव होना है। यदि विरोधी खेमा उम्मीदवार उतारता है और उन्हें समर्थन मिलता है तो कैब के भीतर शक्ति संतुलन

में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं।

कैब की गतिविधियों पर नजर रखने वाले इसे सौरव-अभिषेक में 'पारिवारिक विरासत की लड़ाई' बता रहे हैं। जगमोहन डालमिया लंबे समय तक कैब अध्यक्ष रहे और बीसीसीआई व आईसीसी के अध्यक्ष पद तक पहुंचे। सौरव गांगुली के पिता चंडीदास गांगुली कैब के सचिव रहे हैं। 2003 में ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष भी चुने गए थे यानी बंगाल क्रिकेट की प्रशासनिक राजनीति में दोनों परिवारों की मौजूदगी नई नहीं है।

डालमिया के निधन के चार दिन बाद 2015 में सौरव पहली बार कैब अध्यक्ष बने थे। उस समय अभिषेक को संयुक्त सचिव बनाया गया। सौरव को अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य सचिवालय से की थी। ममता ने कहा था कि फैसला कैब पदाधिकारियों का है और उन्होंने केवल उसका समर्थन किया। 2019 में सौरव दोबारा कैब अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए, लेकिन उसी वर्ष बीसीसीआई का अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने कैब पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद 2020 में अभिषेक 38 साल की उम्र में सबसे युवा कैब अध्यक्ष बने। कूलिंग आफ अवधि के नियम के कारण उनका कार्यकाल 2022 तक रहा। इसके बाद कैब में दोनों परिवारों की भूमिकाएं फिर बदल गईं। अभिषेक के बाद सौरव के बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली के हाथों में कैब की बागडोर गई। 2025 में सौरव अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने गए। उनका मौजूदा कार्यकाल तीन वर्ष का है।

फिलहाल सौरव की कुर्सी पर सीधा खतरा नहीं है लेकिन सचिव और संयुक्त सचिव पद के लिए होने वाला चुनाव महत्वपूर्ण हो सकता है। कुछ का यह भी कहना है कि सौरव पर पूर्ववर्ती सत्ताधारी पार्टी की 'कृपा' थी। यही कारण है कि सत्ता परिवर्तन के बाद अभिषेक खेमा इतना सक्रिय हुआ है। हालांकि सौरव हमेशा खुद को राजनीति से दूर बताते आए हैं।

कैब पर पिछले कई दशक राजनीतिक प्रभाव रहा है। बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर राय भी एक समय कैब के अध्यक्ष रह चुके हैं। वाममोर्चा के शासनकाल में तत्कालीन बुद्धदेव भट्टाचार्य की सरकार ने जगमोहन डालमिया के विरुद्ध कोलकाता पुलिस के पूर्व आयुक्त प्रसून मुखर्जी का खुलकर समर्थन किया था।

बुरी फजीहत के बाद भी 'टैलेंटेड' पाकिस्तान के टेस्ट कोच बनना चाहते हैं माइक हेसन, खुलकर जताई इच्छा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इस समय अपने बुरे दौर से गुजर रही है। इंग्लैंड ने उसे तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 से पटखनी दी। इसी दौरे पर टीम के अंदर से एक बार फिर फिक्सिंग की रिपोर्ट्स भी आईं। बीच दौरे से सात खिलाड़ियों और कोचेज को बाहर कर दिया गया। इसके बाद भी माइक हेसन टेस्ट टीम के कोच बनने की इच्छा पाल रहे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सात खिलाड़ियों को बाहर कर दिया था। इसके अलावा टेस्ट कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को बाहर कर दिया था। ऐसे में आनन-फानन में माइक हेसन को इंग्लैंड भेजा गया, लेकिन तीसरे मैच में टीम को फिर हार झेलनी पड़ी।

हेसन ने कहा है कि उन्होंने टेस्ट कोचिंग के बारे में कुछ सोचा नहीं है, लेकिन वह इससे इनकार भी नहीं करेंगे। एजबेस्टन टेस्ट के बाद हेसन ने कहा, "मैंने अभी तक इस बारे में नहीं सोचा है। एशियन गेम्स आ रहे हैं और इस समय मेरा फोकस यही है। जब समय आएगा तो मुझे लगता है कि कुछ चर्चा होगी। हां, मैं टेस्ट कोचिंग के लिए तैयार हूं। मुझे टेस्ट क्रिकेट काफी पसंद है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान में काफी टैलेंट है।" हेसन ने कहा, "अगर हम सही दिशा दिखा सकते हैं तो हम काफी आगे जा सकते हैं, लेकिन ये सिर्फ एक या दो मैच में नहीं होने वाला। मुझे लगता है कि कुछ स्किल्स हैं और मैं इस बारे में सोचूंगा।" हेसन ने इसका भी खुलासा किया कि ब्रेंडन मैकुलम को बर्खास्त करने के बाद उन्हें इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से टेस्ट कोच बनने का ऑफर मिला था। उन्होंने कहा, "मेरे एजेंट ने मुझसे कहा था कि उन्होंने एप्रोच किया और मेरी उपलब्धता के बारे में पूछा है। मैंने साफ कह दिया था कि मैं पाकिस्तान को लेकर प्रतिबद्ध हूं।"

आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले दिल्ली कैपिटल्स में आया विश्व विजेता, संभालेगा गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इसी साल के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सीजन की नीलामी होनी है। इससे पहले ही सभी फ्रेंचाइजियों ने तैयारी शुरू कर दी हैं। दिल्ली कैपिटल्स को अपने पहले खिताब की तलाश है और इस उसके कोचिंग स्टाफ में काफी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इस टीम ने श्रीलंका के विश्व विजेता खिलाड़ी को अपने कोचिंग स्टाफ में जगह दी है। इस खिलाड़ी का नाम है चामिंडा वास। वास ने श्रीलंका को विश्व विजेता बनाने में अहम रोल निभाया था। वह दुनिया के महान गेंदबाजों में गिने जाते हैं।

स्पोर्टस्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, वास को दिल्ली कैपिटल्स का गेंदबाजी कोच बनाया जाना तय है। हालांकि, इसका अभी तक आधिकारिक एलान नहीं किया गया है, लेकिन वास नई दिल्ली में टीम के कैम्प और ट्रायल्स से जुड़ेंगे। वास के पास इंटरनेशनल क्रिकेट का काफी अनुभव है। उन्होंने श्रीलंका के लिए 111 टेस्ट, 322 वनडे मैच खेले हैं। टेस्ट में उन्होंने 355 और वनडे में 400 विकेट लिए हैं। वह श्रीलंका के सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। वह बतौर कोच भी काम कर चुके हैं। वह श्रीलंकाई टीम के अलावा कई फ्रेंचाइजियों के लिए भी काम कर चुके हैं।

वास के साथ स्पिन कोच के तौर पर अमित मिश्रा काम करेंगे जो लंबे समय तक दिल्ली फ्रेंचाइजी के लिए भी खेले हैं। इस सीजन दिल्ली ने भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को टीम का कोच नियुक्त किया है। वह हेमंग बदानी की जगह लेंगे। उनके अलावा पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह टीम के सहायक कोच की भूमिका में नजर आएंगे।

पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत पर टूटा दुखों का पहाड़, सिर से उठा पिता का साया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर और अपने बयानों से लगातार चर्चा में रहने वाले एस श्रीसंत पर दुखों का पहाड़ टूटा है। श्रीसंत के सिर से पिता का साया उठ गया है। श्रीसंत के विता वी शांतकुमारन ने 89 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। कोच्चि के एक अस्पताल में शुक्रवार रात उन्होंने दम तोड़ा। उन्हें दिल से जुड़ी गंभीर समस्याएं थीं।

इसी कारण कुछ ही दिनों पहले उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार को उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव कोथामंगलम में ले जाया जाएगा जहां उनका शाम को अंतिम संस्कार किया जाएगा। श्रीसंत के पिता यूं तो अपने जीवन में सुर्खियों से दूर रहे, लेकिन जब आईपीएव-2013 स्पॉट फिक्सिंग मामले में श्रीसंत फंसे तो उनके पिता ने एमएस धोनी और हरभजन सिंह पर उंगली उठाई थी। उन्होंने इन दोनों पर श्रीसंत को फंसाने के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि धोनी और हरभजन मेरे बेटे का करियर खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा था कि धोनी उनके बेटे से बदला लेना चाहते हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने बयान पर माफी भी मांगी थी।

ऋषभ पंत के दिल्ली कैपिटल्स में ट्रेड होने के बाद संजीव गोयनका ने तोड़ी चुप्पी, आखिरी बातचीत का किया खुलासा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने हाल ही में विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। IPL 2027 से पहले पंत को 15 करोड़ रुपये में दिल्ली कैपिटल्स में ट्रेड किया गया। वहीं स्पिनर कुलदीप यादव 13.5 करोड़ रुपये में LSG में शामिल हुए।

LSG ने 2025 के मेगा ऑक्शन में पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में साइन किया था। वह IPL इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। उन्होंने फ्रेंचाइजी के कप्तान के तौर पर KL राहुल की जगह ली, लेकिन उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। लखनऊ 2025 और 2026 दोनों सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई।

संजीव गोयनका ने शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट पर पंत के दिल्ली कैपिटल्स में वापस लौटने से पहले हुई अपनी आखिरी बातचीत के बारे में बात की। गोयनका ने कहा, "हमारी आखिरी बातचीत ट्रेड के बारे में नहीं थी।

उसके बाद भी हमारी बातचीत होती रही है।" जब उन बातचीत के बारे में पूछा गया, तो LSG के मालिक ने कहा, "उन्हें शुभकामनाएं। हम जल्द ही किसी दिन साथ में डिनर करने की योजना बना रहे हैं।"

इंटरनेशनल क्रिकेट की बात करें तो यह विकेटकीपर-बल्लेबाज पिछले महीने श्रीलंका में हुई टेस्ट सीरीज में भारत के लिए खेले थे। भारत ने गॉल में पहला टेस्ट जीतकर सीरीज 1-0 से अपने नाम की थी। दूसरा टेस्ट ड्रॉ पर खत्म हुआ। भारत ने श्रीलंका को फॉलो-ऑन दिया था, जिसके बाद सोनल दिनुशा ने पांच सेशन तक बल्लेबाजी की। दूसरे टेस्ट के दौरान पंत ने महान कप्तान एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया और विदेशी या न्यूट्रल टेस्ट में विकेटकीपर के तौर पर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

पंत ने 41 से ज्यादा के शानदार औसत से 2,534 रन बनाए हैं। यह धोनी के 2,496 रनों के रिकॉर्ड से थोड़ा ज्यादा है। टॉप पांच में फारुख इंजीनियर (1,209), सैयद किरमानी (1,109) और किरण मोरे (901) भी शामिल हैं। पंत ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में एडम गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़कर तीसरा स्थान हासिल किया।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट के 147 सालों के इतिहास को पलटा

खास कारनामा करने वाले बने दुनिया के पहले बल्लेबाज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट के 147 सालों के इतिहास में खास कारनामा किया है। रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए चौथी पारी में अर्धशतक लगाया, जिसके साथ उन्होंने रिकॉर्ड बना दिया। चौथी पारी में किसी भी बल्लेबाज के लिए बैटिंग करना सबसे मुश्किल होता है लेकिन रूट ने उसी मुश्किल को आसान बना दिया और खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ ऐसे समय में अर्धशतक लगाया, जब इंग्लिश टीम ने 2 रनों पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद दिग्गज बल्लेबाज ने मोर्चा संभाला और अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने अर्धशतक लगाने के साथ ही सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा

एडजबेस्टन के मैदान उन्होंने ऐसा कारनामा किया, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कोई भी बल्लेबाज नहीं कर सका था। रूट ने चौथी पारी में 130 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 62 रनों की पारी खेली। उन्होंने इसी के साथ टेस्ट क्रिकेट की चौथी पारी में 2000 रन पूरे कर लिए। ऐसा कारनामा करने वाले वे दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले किसी भी क्रिकेट ने इतिहास में ऐसा नहीं किया था। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर पूर्व भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम शामिल है।

रूट ने अपनी पारी के साथ सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। वे टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक फिफ्टी लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रूट के अब इस फॉर्मेट में 69 अर्धशतक हो गए हैं, जबकि तेंदुलकर ने 68 अर्धशतक लगाए थे। रूट ने एडजबेस्टन के मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन पूरे कर लिए हैं। वे ऐसा करने वाले इकलौते बल्लेबाज बन गए हैं। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज इस मैदान पर एक हजार रन पूरा नहीं कर सका था। रूट ने किसी एक मैदान पर सबसे अधिक रन बनाने का कारनामा लॉर्ड्स के मैदान पर किया है। क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले मैदान पर दिग्गज बल्लेबाज ने 2203 रन बनाए हैं।

आर्यना सबालेंका को यूएस ओपन फाइनल में हराकर एलेना रयबाकिना बनीं चैंपियन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एरिना सबालेंका ने अमेरिकी ओपन टेनिस टूनार्मेंट में खिताबी हैट्रिक पूरा करने का महत्वपूर्ण मौका गंवाने के बाद कोर्ट पर ही अपना गुस्सा उतारा।

पिछले दो बार की चैंपियन सबालेंका ने गुस्से में गेंद को दर्शकों की तरफ मारा जिसके लिए उन्हें चेतावनी भी दी गई। उन्होंने खुद पर चिल्लाते हुए अपना पहला रैकेट जमीन पर पटका और फिर मैच खत्म होने के बाद दूसरे रैकेट को पूरी तरह से तोड़ दिया। सबालेंका को शनिवार को महिला एकल के फाइनल में एलेना रायबाकिना से 6-4, 5-7, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। इससे उनका लगातार तीन बार अमेरिकी ओपन जीतने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी बनने का सपना चकनाचूर हो गया।

सबालेंका ने दो घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में खुद की गलतियों से जूझते हुए काफी निराशा व्यक्त की।

सबालेंका ने कहा, ''मैं अपना सारा गुस्सा और निराशा को कोर्ट पर ही निकालना चाहती थी। ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हारने पर और लगातार तीसरी बार खिताब जीतने से नाकाम रहने पर अपनी भावनाओं पर काबू रखना बहुत मुश्किल होता है।'' सबालेंका ने कहा कि अगर उन्होंने अपनी निराशा व्यक्त न की होती तो शायद उनका व्यवहार अच्छा न होता।

संक्षिप्त खबरें

व्यास पीठ से मिली ज्ञान की धारा ने सामाजिक एकता बढ़ाई: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि मध्यकाल में देश की राजनीतिक कमजोरियों के बावजूद आध्यात्मिक चर्चा के पारंपरिक केंद्र 'व्यास पीठ' से बहने वाली ज्ञान की धारा ने सामाजिक एकता को बढ़ावा दिया और भारत के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक उत्थान को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने रायबरेली में आयोजित शिव महापुराण कथा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, "हमने धर्म को केवल पूजा-पाठ की विधियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे समाज की जीवन शक्ति के रूप में अपनाया। इसे अपने कर्तव्यों से जोड़ा और राष्ट्र की प्रेरक शक्ति माना।" उन्होंने कहा, "यही कारण है कि मध्यकाल में जब राजनीतिक कमजोरियों के कारण विदेशी आक्रांताओं ने भारत के पवित्र स्थलों को नुकसान पहुंचाया, तब भी हमारी व्यास पीठों से बहने वाली ज्ञान की धारा ने सामाजिक एकता को मजबूत किया और भारत के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक उत्थान को आगे बढ़ाया।" आदित्यनाथ ने श्रीरामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें मुगल बादशाह अकबर के दरबार के नवरत्नों में शामिल होने का प्रस्ताव मिला था।

उन्होंने कहा, "जब यह प्रस्ताव तुलसीदास के सामने रखा गया तो उन्होंने पूछा कि अकबर कौन है? लोगों ने बताया कि वह भारत का सम्राट है। इस पर तुलसीदास ने कहा कि मेरा केवल एक ही राजा है और वह राम हैं। राम के अलावा मैं किसी विदेशी अकबर को अपना राजा नहीं मानता।"

बलरामपुर में 60 लाख रुपये के सरकारी गेहूं गबन मामले में एक अधिकारी गिरफ्तार, दो पर केस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में प्रादेशिक सहकारी संघ (पीसीएफ) के दो गेहूं क्रय केंद्रों से करीब 60 लाख रुपये कीमत का 228.764 मीट्रिक टन गेहूं गायब होने के मामले में क्रय केंद्र प्रभारी समेत दो अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर एक अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने रविवार को बताया कि पीसीएफ के जिला प्रबंधक अश्वनी शुक्ला द्वारा तुलसीपुर थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया कि 11 सितंबर को जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी गोविंद कुमार उपाध्याय, सहायक आयुक्त सहकारिता अजय कुमार मौर्य और अपर जिला सहकारी अधिकारी देवेंद्र प्रताप अग्रहरि की संयुक्त टीम ने बी-पैक्स तुलसीपुर के नचौरा एवं कौवापुर गेहूं क्रय केंद्रों पर औचक निरीक्षण किया था। शुक्ला ने शिकायत में बताया कि जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि नचौरा केंद्र पर वर्ष 2026-27 में कुल 420.87 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज थी, जिसमें से 353.759 मीट्रिक टन गेहूं भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को भेजा गया था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, रिकॉर्ड के अनुसार शेष 67.111 मीट्रिक टन गेहूं गोदाम में होना चाहिए था लेकिन जांच टीम को गोदाम की चाबी उपलब्ध नहीं कराई गई और खिड़कियों से देखने पर गोदाम खाली मिला।

उन्होंने बताया कि इसी तरह कौवापुर केंद्र के अभिलेखों में 322.600 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज थी, जिसमें से केवल 160.947 मीट्रिक टन गेहूं एफसीआई को भेजा गया था।

यूएनएससी पर भयंकर भड़के पुतिन, भारत को मिलेगी वीटो पॉवर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन का यह बयान सिर्फ एक सामान्य कूटनी नीतिक टिप्पणी नहीं बल्कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी पूरी वैश्विक व्यवस्था को सीधे चुनौती है। जब पुतिन एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को सुरक्षा परिषद में शामिल करने की बात करते हैं तो अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के विश्लेषक इसे सीधे तौर पर भारत की स्थाई सदस्यता के समर्थन के रूप में देख रहे हैं। एशिया से भारत आज ना केवल दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है बल्कि आर्थिक और सामरिक दृष्टि से ग्लोबल साउथ का सबसे प्रभावी नेतृत्वकर्ता बनकर उभरा है। अब सवाल यह है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार क्यों अनिवार्य देखिए वर्तमान सुरक्षा परिषद का ढांचा 1945 की परिस्थितियों पर आधारित है। जहां केवल स्थाई सदस्यों के पास वीटो पावर है और पिछले आठ दशक में दुनिया पूरी तरह बदल चुकी है। पूरे अफ्रीकी महाद्वीप और लैटिन अमेरिका से एक भी स्थाई सदस्य नहीं है। दुनिया की 60% से अधिक आबादी एशिया में रहती है। फिर भी यहां से केवल एक स्थाई सदस्य है। समकालीन वैश्विक संकट युद्ध और मानवीय युद्ध को हल करने में मौजूदा ढांचा बार-बार अप्रभावी साबित हुआ है। वैसे भारत लंबे समय से जी4 भारत, जापान, जर्मनी, ब्राजील के जरिए सुधारों की मांग उठाता रहा है और सबसे बड़ी बात भारत के पक्ष में ठोस तर्क है।

संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में शांति अभियानों में सबसे बड़ा सैन्य और मानवीय योगदान देने वाले देशों में भारत अग्रणी रहा है। भारत ने हमेशा विकासशील देशों, ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं जैसे खाद्य सुरक्षा, जलवायु न्याय और डिजिटल समावेशन को वैश्विक एजेंडे पर मजबूती से रखा है। ऐसे में पुतिन का बयान लैटिन अमेरिकी, अफ्रीकी और एशियाई देशों को शामिल करने का प्रस्ताव अपने आप में बहुत बड़ी बात है। पुतिन के बयान का दूसरा सबसे अहम हिस्सा था।

जियो क्रेडिट को बैंक ऑफ अमेरिका से 18268 करोड़ की पूंजी पर दिसंबर तक मंजूरी की उम्मीद

मुंबई, (एजेंसी)। गैर-बैंकिंग ऋणदाता जियो क्रेडिट को बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) से मिलने वाली 18,268 करोड़ रुपये की पूंजी के लिए जरूरी नियामकीय मंजूरियां इस साल दिसंबर तक मिलने की उम्मीद है। मूल कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (जेएफएस) के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि नई पूंजी मिलने के बाद जियो क्रेडिट अपनी कारोबारी रणनीति और उत्पाद योजनाओं की समीक्षा करेगी, ताकि प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) में वृद्धि को तेज किया जा सके। बोफा भी इस बात से सहमत है कि कंपनी के ऋण कारोबार को तेजी से बढ़ाने की जरूरत है। जेएफएस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हितेश सेठिया ने पीटीआई-से कहा कि पूंजी मिलने के बाद जियो क्रेडिट का एयूएम मौजूदा के करीब 30,000 करोड़ रुपये से लगभग पांच गुना हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कंपनी के लिए उपलब्ध वृद्धि की संभावित गुंजाइश है, कोई समयबद्ध लक्ष्य नहीं है। उन्होंने कहा कि एयूएम 1.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने तक कंपनी को नई पूंजी की जरूरत नहीं होगी। सेठिया ने कहा कि इस सौदे को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी दिसंबर तक मिलने की उम्मीद है। इसके बाद 18 महीने की अवधि में चरणबद्ध तरीके से पूंजी जियो क्रेडिट में आएगी।

पुतिन की नजर डोभाल पर पड़ी, फिर हुआ कुछ ऐसा...

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जब रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हुई तो यह तस्वीर दुनिया ने देखी। इस मुलाकात की गर्मजशी पर खूब चर्चा हुई। लेकिन इस हाई प्रोफाइल फ्रेम में सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आया जब पीएम मोदी से बात करते-करते पुतिन की नजर पीछे खड़े अजीत डोभाल पर गई। पुतिन और डोभाल दोनों के चेहरे पर एक गहरी मुस्कान तैर गई। पुतिन ने अपना हाथ ऊपर उठाकर एक खास अंदाज में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का अभिवादन किया।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के नई दिल्ली घोषणा पर बनी सहमति, विदेशी पत्रकारों ने बताया बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चीन के एक वैश्विक टेलीविजन नेटवर्क से लेकर इंडोनेशिया के एक समाचार पोर्टल तक, भारत में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को कवर कर रहे कई विदेशी पत्रकारों ने नयी दिल्ली घोषणापत्र पर बनी आम सहमति का स्वागत किया। कुछ ने इसे "बड़ी उपलब्धिह्व बताया, जबकि अन्य ने इसे "अच्छा कदम" करार दिया। भारत 12-13 सितंबर को मध्य दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

इसमें चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कई अन्य राष्ट्राध्यक्षों ने शिरकत की है। चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका, कजाकिस्तान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और मिस्र समेत कई देशों के बड़ी संख्या में पत्रकार भारत मंडपम परिसर में आयोजित इस शिखर सम्मेलन को कवर करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे हैं। अखबारों और टीवी चैनलों के लिए अपनी खबरें भेजने की व्यस्तता के बीच, इन पत्रकारों में से कुछ ने 'पीटीआई-भाषा' से भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को कवर करने के अपने अनुभव और नयी दिल्ली घोषणापत्र पर अपने विचार साझा किए।

भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में ब्रिक्स समूह ने शनिवार को आम सहमति से एक साझा घोषणापत्र को अपनाया। यह सहमति पश्चिम एशिया संघर्ष

को लेकर यूएई और ईरान के बीच गहरे मतभेदों को दूर करने के बाद बनी। घोषणापत्र में ईरान पर हमलों को लेकर अमेरिका का प्रत्यक्ष उल्लेख नहीं किया गया। पत्रकार हुआंग यूए बीजिंग मुख्यालय वाले चाइना ग्लोबल टेलीविजन नेटवर्क (सीजीटीएन) की 12 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने शिखर सम्मेलन पर करीबी नजर रखी है, खासकर इसलिए क्योंकि इसमें चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग शामिल हुए। शी ने इससे पहले 2019 में भारत की यात्रा की थी।

उन्होंने शिखर सम्मेलन स्थल पर बनाए गए अंतरराष्ट्रीय मीडिया केंद्र में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, नयी दिल्ली घोषणापत्र काफी लंबा है। मेरे नजरिए से इसके तीन प्रमुख पहलू हैं। पहला है वैश्विक शासन। ब्रिक्स के साझेदार देश 'ग्लोबल साउथ' की प्रमुख आवाज हैं। इसलिए 'ग्लोबल साउथ' के देशों के लिए मिलकर काम करना और विकासशील देशों के विकास में योगदान देना महत्वपूर्ण है, खासकर मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में। चीनी पत्रकार ने कहा कि दूसरा प्रमुख पहलू शांति को बढ़ावा देना है। घोषणापत्र में ब्रिक्स नेताओं ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चिंता जताई है और "संबंधित पक्षों से संयम बरतने का आह्वान" किया है।

उन्होंने कहा कि नेताओं ने इन संघर्षों के समाधान के लिए संवाद को बढ़ावा देने और कूटनीतिक माध्यमों का इस्तेमाल करने की बात कही है। हुआंग ने कहा कि तीसरा प्रमुख पहलू "व्यावहारिक सहयोग" है। उन्होंने न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) का उदाहरण देते हुए कहा कि "दुनिया के कुछ हिस्सों में अशांति के बावजूद" ब्रिक्स देश एनडीबी के सहयोग से विकासशील देशों को वित्त मुहैया करा रहे हैं।

शिखर सम्मेलन से इतर शनिवार शाम राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक के बारे में उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि नयी दिल्ली में दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक के बाद द्विपक्षीय संबंध और अधिक मजबूत होंगे।" प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को राष्ट्रपति शी चिनफिंग से कहा कि सीमा पर शांति और सौहार्द भारत-चीन संबंधों के विकास के लिए "आवश्यक" आधार बना हुआ है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में "लगातार हो रही प्रगति" का भी स्वागत किया। मिस्र की पत्रकार अमीना जकी ने घोषणापत्र को "बड़ी सफलता" करार दिया और कहा कि सभी सदस्य देश आम सहमति बनाने में सफल रहे।

कर्नाटक में गणेश उत्सव शोभायात्राओं पर शर्तों को लेकर कांग्रेस सरकार पर बरसे बीजेपी नेता आर अशोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के नेता आर. अशोक ने रविवार को कांग्रेस सरकार पर राज्यभर में गणेशोत्सव मनाने को लेकर लोगों को "परेशान" करने का आरोप लगाया और दावा किया कि पुलिस शोभा यात्राओं पर प्रतिबंध लगा रही है, जबकि माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अशोक ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि सरकार त्योहार को लेकर "एकतरफा" रवैया अपना रही है। उन्होंने टी. नरसीपुर में गणेशोत्सव के आयोजकों को कथित तौर पर धमकाने वाले एक पुलिस अधिकारी को तत्काल निलंबित करने की मांग की। अशोक ने कहा, "अगर हिंदुओं से कहा जा रहा है कि वे अपने ही देश में खुले तौर पर और श्रद्धापूर्वक गणेशोत्सव नहीं मना सकते, तो हम इस सरकार से क्या कहें? पटाखे मत फोड़ो, शंख मत बजाओ, बोलो मत- यह कैसा न्याय है?" टी. नरसीपुर में एक पुलिस अधिकारी के साथ कथित बातचीत का जिक्र करते हुए अशोक ने कहा कि श्रद्धालुओं से मस्जिदों के सामने से शोभायात्रा नहीं निकालने, पटाखे नहीं

फोड़ने और नृत्य नहीं करने तथा केवल शांतिपूर्ण जुलूस निकालने को कहा गया था। भाजपा नेता एक वायरल वीडियो का हवाला दे रहे थे, जिसमें कथित तौर पर एक पुलिस अधिकारी को गणेश पूजा समिति के सदस्यों को चेतावनी देते हुए सुना जा सकता है। अधिकारी ने कथित तौर पर कहा, "अगर तुमने ऐसा नहीं किया तो मैं तुम्हें सबक सिखाऊंगा। मैं तुम्हें ठीक कर दूंगा।" अशोक ने मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से उक्त पुलिस अधिकारी को निलंबित करने की मांग की। अशोक ने आरोप लगाया कि मद्दूर और कोलार समेत कई अन्य स्थानों पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब गणेश प्रतिमाओं की शोभायात्रा मस्जिदों के पास से गुजरती हैं तो आपत्ति क्यों जताई जाती है, जबकि गिरजाघर, गुरुद्वारे, जैन मंदिर या बौद्ध पूजा स्थलों के पास से गुजरने पर ऐसी समस्याएं सामने नहीं आतीं। उन्होंने कहा, "अगर केवल इन जगहों पर ही अशांति पैदा होती है, तो कांग्रेस सरकार को समझना चाहिए कि असामाजिक तत्व कौन हैं।" अशोक ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार गणेश प्रतिमाएं स्थापित करने और शोभायात्रा निकालने के लिए आयोजकों पर कई तरह की अनुमति लेने की शर्तें थोप रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए आयोजकों को अलग-अलग विभागों और कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने सरकार पर "दिखावटी हिंदुत्व" की राजनीति करने का आरोप लगाया और शिवकुमार को "चुनावी हिंदू" करार दिया। अशोक ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री चुनाव के दौरान ही मंदिरों में जाते हैं और खुद को हिंदू के रूप में दिखाते हैं। उन्होंने गणेशोत्सव के दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर लगाए गए प्रतिबंधों की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि मस्जिदों के मामले में इसी तरह के प्रतिबंध लागू नहीं किए जा रहे हैं। अशोक ने कहा कि वह पुलिस के कथित बर्ताव के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने के लिए टी. नरसीपुर जाएंगे।

उन्होंने इसे पूरे कर्नाटक के अधिकारियों के लिए "चेतावनी की घंटी" बताया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर राज्य में "तालिबान शैली" का शासन करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि श्रद्धालुओं को सुरक्षा देने के बजाय उन्हें धमकाया जा रहा है। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि यदि राज्य में कहीं भी गणपति उत्सव मनाने में अधिकारियों द्वारा परेशानी पैदा की गई तो वह उस स्थान पर जाएंगे।

पहलगाम हमले पर ब्रिक्स की निंदा

रविंदर रैना बोले- आतंकवाद के खिलाफ दुनिया की बड़ी ताकतों का एकजुट संकल्प

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बीजेपी नेता रविंदर रैना ने रविवार को कहा कि ब्रिक्स समिट के दौरान 'नई दिल्ली घोषणापत्र' में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, आतंकवाद के खिलाफ दुनिया की बड़ी ताकतों के एकजुट संकल्प को दिखाती है। उन्होंने कहा कि इससे एक मजबूत संदेश गया है कि आतंकवाद इंसानियत पर हमला है और यह वैश्विक समुदाय के लिए एक गंभीर खतरा है। अठकसे बात करते हुए रैना ने कहा, "नई दिल्ली में चल रहे ब्रिक्स समिट में सभी बड़े देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की एकमत से निंदा की है। इससे यह साफ हो जाता है कि रूस और चीन समेत दुनिया की बड़ी ताकतों ने साफ तौर पर कहा है कि लोकतंत्र में आतंकवाद का किसी भी तरह से समर्थन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस निंदा से पता चलता है कि रूस और चीन समेत दुनिया की बड़ी ताकतों ने आतंकवाद के खिलाफ साफ रुख अपनाया है और ब्रिक्स समूह ने इस खतरे के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया है। उन्होंने आगे कहा, "ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एकजुट होकर दुनिया के ताकतवर देश यह कह रहे हैं कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला इंसानियत पर हमला है... यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की लंबी लड़ाई और उसके

पक्के इरादे को भी दिखाता है... आतंकवाद इंसानियत के लिए एक बहुत बड़ा खतरा है।" हालांकि, जेएमएम के प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि हमले की निंदा को कोई बड़ी कूटनीतिक जीत नहीं कहा जा सकता। पांडे ने कहा, "आतंकवादी हमले का समर्थन कौन करेगा? क्या कभी ऐसा हुआ है कि किसी देश ने आतंकवादी हमले का समर्थन किया हो... पाकिस्तान का नाम हमेशा सामने आता है। पाकिस्तान दिखावे के लिए इसकी निंदा और आलोचना भी करता है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह कोई बड़ी कूटनीतिक जीत है।" समिट में जारी संयुक्त घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर में हुई उस दुखद घटना की कड़ी निंदा की गई जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, और आतंकवाद, सीमा-पार नेटवर्क और आतंकवादी फंडिंग के खिलाफ वैश्विक स्तर पर "जीरो-टॉलरेंस" नीति अपनाने का आह्वान किया गया।

यूएस फेड के ब्याज दर फैसले और महंगाई आंकड़ों से तय होगी शेयर मार्केट की चाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अवकाश के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले आगामी सप्ताह में शेयर बाजार की दिशा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़ों, कच्चे तेल की कीमतों और पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों से तय होगी। सोमवार को 'गणेश चतुर्थी' के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, "वैश्विक स्तर पर, अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़े घटनाक्रम और ब्रेंट क्रूड की चाल बाजार के प्रमुख उत्प्रेरक बने रहेंगे। इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व का मौद्रिक नीति निर्णय और ब्याज दरों के भविष्य के रुख पर उसकी टिप्पणी पर भी नजर रहेगी।" उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर अगस्त के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों के साथ ही बेरोजगारी और व्यापार संतुलन के आंकड़े भी चर्चा में रहेंगे। शोध विश्लेषक फर्म एचएसटी वेल्थ के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हरिसेल्वन राधाकृष्णन ने कहा, "तात्कालिक नजर अमेरिकी मुद्रास्फीति और फेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णय पर होगी।" उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के जोखिमों के चलते वैश्विक बॉण्ड प्रतिफल और डॉलर पर दबाव बढ़ सकता है। इसलिए 15-16 सितंबर को होने वाली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक इस सप्ताह का प्रमुख वैश्विक उत्प्रेरक होगी। उन्होंने कहा कि भारत के लिए कच्चा तेल सबसे बड़ा बाहरी जोखिम बना हुआ है। यदि पश्चिम एशिया से कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान बढ़ता है और कीमतों में तेजी आती है, तो इससे मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ सकता है, आयात बिल बढ़ सकता है, रुपये पर दबाव आ सकता है और कंपनियों का मार्जिन घट सकता है। बीते सप्ताह बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,733.67 अंक या 2.26 प्रतिशत टूटा, जबकि एनएसई निफ्टी में 499.6 अंक या दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

एफएसएसएआई के पैकेज्ड फूड लेबलिंग प्रस्ताव का ओर्कला इंडिया ने किया समर्थन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रमुख पैकेटबंद खाद्य कंपनी ओर्कला इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजय शर्मा ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर सामने की ओर लेबल लगाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है।

शर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं को खरीदे जाने वाले उत्पादों की पोषण संबंधी जानकारी जानने का पूरा अधिकार है। उन्होंने पीटीआई-से कहा कि उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ने के साथ उन्हें अपने द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले खाद्य उत्पादों के बारे में अधिक जानकारी मिलनी चाहिए, ताकि वे सोच-समझकर निर्णय ले सकें। शर्मा ने बताया कि खाद्य उद्योग इस दिशा में एफएसएसएआई की पहल के साथ है।

उन्होंने कहा कि उद्योग के लिए लेबल लगाने का सिद्धांत विवाद का विषय नहीं है, बल्कि प्रस्तावित लेबल का प्रारूप और उसे लागू करने का तरीका महत्वपूर्ण मुद्दा है। इस संबंध में उद्योग ने एफएसएसएआई के समक्ष कई सुझाव और प्रस्तुतियां दी हैं।

नेपाल में बाढ़: चिलिमे जलविद्युत परियोजना सुरंग में 70 मीटर मलबा हटा, छह कामगारों की तलाश जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेपाल में 26 अगस्त को अचानक आई बाढ़ की वजह से चिलीमे जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे कर्मियों को बचाने की कोशिश कर रहे भारतीय-नेपाली दल 70 मीटर तक का मलबा हटा चुके हैं और माना जा रहा है छह कर्मचारी वहां फंसे हुए हैं। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया कि सुरंग में जारी बचाव कार्य में मिट्टी खोदने वाली मशीन और मलबा उठाने वाली मशीन की मदद ली जा रही है जिससे अभियान को गति मिली है। उन्होंने कहा कि तकनीकी टीम ने लगभग 70 मीटर और रास्ता साफ किया है। परियोजना प्रबंधक के मुताबिक, जलविद्युत केंद्र सुरंग में और 60 मीटर की गहराई में है। श्रीवास्तव ने कहा कि बचाव दल वहां तक पहुंचने के लिए रात भर काम करते रहे। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने बचाव स्थल तक पहुंचने के लिए सड़क भी तैयार कर ली है। इसके अलावा, नेपाली सेना ने बताया कि उसने स्याफ्रुबेसी से चिलीमे सुरंग तक एक किलोमीटर से अधिक लंबी पहुंच सड़क बनाई है, जिससे बचाव के उपकरण घटनास्थल के और करीब ले जाए जा सकेंगे। 'खबरहब' समाचार पोर्टल की खबर के मुताबिक, नेपाली सेना और भारतीय बचावकर्मी मिलकर चिलीमे सुरंग के अंदर काम कर रहे हैं। खबर के अनुसार, सेना ने ऊपरी त्रिशूली-3बी जलविद्युत परियोजना पर बचाव कार्यों को भी प्राथमिकता दी है, जहां 100 से अधिक सैनिकों को तैनात किया गया है। 'द हिमालयन

टाइम्स' ने रविवार को खबर दी कि नेपाली सेना के जवान ऊपरी त्रिशूली-3बी परियोजना स्थल पर खोज और बचाव अभियान जारी रखे हुए थे। हालांकि, चिलीमे में इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि बचाव दल का उन छह कर्मचारियों से संपर्क हो गया है। खबरों के मुताबिक, बचाव दल को उस जगह के पास वायु प्रवाह का एक स्थान मिला है, जहां कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका है, लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि वे जीवित हैं या उनसे संपर्क हो गया है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास 26 अगस्त को हिमस्खलन के कारण अचानक भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों तथा गांवों में भारी तबाही मचाई है।

इस आपदा में अब तक 1400 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 5000 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। माना जा रहा है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में जल विद्युत परियोजनाओं से जुड़ी करीब एक दर्जन सुरंगों में लगभग 100 लोग फंसे हुए हैं।

क्या ए आई इंसानों की जान ले सकता है

एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने दी बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डारियो अमोडेई ने एक बार फिर कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास की रफ्तार थोड़ी धीमी करने की जरूरत है। उनका कहना है कि जैसे-जैसे एआई ज्यादा ताकतवर हो रहा है, वैसे-वैसे उसकी सुरक्षा के लिए जरूरी इंतजाम करने का समय भी मिलना चाहिए। डारियो अमोडेई ने कहा कि अगर एआई को लेकर सही फैसले लिए जाते हैं तो कुछ गलत होने की संभावना बहुत कम हो सकती है। लेकिन अगर गलत रास्ता चुना गया तो खतरा काफी बढ़ सकता है। उनके मुताबिक, इसलिए सिर्फ इस बात पर चर्चा नहीं होनी चाहिए कि एआई से कितना खतरा है, बल्कि यह भी देखना चाहिए कि कंपनियां और सरकारें आगे क्या फैसले लेती हैं। अमोडेई से जब पूछा गया कि क्या भविष्य में एआई इंसानों की जान ले सकता है, तो उन्होंने कहा कि वह इस चिंता से काफी हद तक सहमत हैं।

उन्होंने एंथ्रोपिक के पूर्व कर्मचारी जैकब कॉक्सन की चिंताओं का भी जिक्र किया। कॉक्सन ने हाल ही में एंथ्रोपिक की नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद उन्होंने खुले तौर पर एआई के बढ़ते खतरे को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि बड़ी एआई कंपनियां ज्यादा ताकतवर तकनीक बनाने की दौड़ में ऐसे खतरे उठा रही हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। अमोडेई ने कहा कि वह जैकब कॉक्सन की बातों से असहमत होने के बजाय उनसे ज्यादा सहमत हैं। उन्होंने बताया कि कॉक्सन ने एंथ्रोपिक को गैर-जिम्मेदार कंपनी नहीं बताया था। उनका कहना था कि एंथ्रोपिक इन खतरों को लेकर काफी जागरूक है, लेकिन पूरी एआई इंडस्ट्री बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। अमोडेई ने कहा कि एआई के खतरे को सिर्फ किसी प्रतिशत के रूप में बताना सही तरीका नहीं है। जैसे अगर कोई कहे कि खतरा 10 प्रतिशत है, तो ऐसा लगता है जैसे सब कुछ किस्मत के भरोसे है। उनके मुताबिक, असल सवाल यह है कि हम कौन सा रास्ता चुनते हैं। अगर सही फैसले लिए गए तो खतरा कम किया जा सकता है। वहीं गलत फैसलों से स्थिति ज्यादा खराब हो सकती है। अमोडेई ने कहा कि एआई को सुरक्षित बनाने के लिए कंपनियों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने माना कि एआई के विकास को बहुत ज्यादा धीमा करना भी सही नहीं होगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी जहाज पर हमला एक क्रू सदस्य की मौत और चार घायल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। होर्मुज जलडमरूमध्य में केश्म द्वीप के पास रविवार तड़के एक ईरानी वाणिज्यिक पोत को निशाना बनाया गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। ईरानी सरकारी मीडिया ने एक खबर में यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने अपनी खबर में केश्म के गवर्नर के हवाले से हमले के लिए एक "आतंकवादी दुश्मन" को जिम्मेदार ठहराया। गवर्नर ने बताया कि हमले में जान गंवाने वाला व्यक्ति जहाज के 10 सदस्यीय चालक दल में शामिल था। अधिकारी अभी यह पता नहीं लगा पाए हैं कि जहाज पर किस तरह का अस्त्र दागा गया। वहीं 'यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस' ने भी इस बात की पुष्टि की कि जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक पोत को एक अस्त्र से निशाना बनाया गया।

इसने कहा कि पोत में आग लग गई और स्थानीय अधिकारी उसमें सवार लोगों को बाहर निकाल रहे थे। इस घटना पर अमेरिकी सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। अमेरिका ईरानी ध्वज वाले जहाजों पर हमले करता रहा है और ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी जारी रखे हुए है। केश्म द्वीप बंदरगाह शहर बंदर अब्बास से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित है और जलडमरूमध्य से गुजरने वाले समुद्री यातायात पर ईरान के नियंत्रण को स्थापित करने में इसकी अहम भूमिका है।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक और मुद्रक राजेश कुमार रंजन के द्वारा आमीन प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट न0.193, डॉक्टर्स कॉलोनी, रोड न0. 7, पोस्ट अगमकुंआ, छोटी पहाड़ी, पटना बिहार-800007 से मुद्रित एवं ग्राम पिपराही, पोस्ट दिनापट्टी, सुपौल बिहार-852218 से प्रकाशित-प्रसारित, फोन- 8051344056, 9471220794